जबलपुर शनिवार 19 सितंबर 2026 > शक संवत 1948, भाद्रपद शुक्ल पक्ष, अष्टमी
वर्ष 32 अंक 82 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 33.2°C
न्यूनतम तापमान 23.4 °C
सूर्योदय - 5.58 | सूर्यास्त - 6.10

3 साल की बच्ची की संदिग्ध मौत अस्पताल ... ⏩ 4

2016 के बाद रसिका दुग्गल को लगातार मिलने ... ⏩ 7

'आशीर्वाद का दीया' से शुरू हुआ भाजपा का सेवा ... ⏩ 8

एक गलती से बिगड़ रहा भारत में 'वॉटर' बैलेंस!

नई दिल्ली

भारत में भूजल स्तर लगातार गिर रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन यानी डब्ल्यूएमओ की स्टेट ऑफ ग्लोबल वॉटर रिसोर्सेज 2025 रिपोर्ट ने यह गंभीर चेतावनी दी है। देश के कई हिस्सों में, खासकर उत्तर और उत्तर-पश्चिम में, यह गिरावट सालों से बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार 2022 से 2025 के बीच लगातार भूजल की कमी देखी गई। इसका मतलब साफ है कि जितना पानी जमीन से निकाला जा रहा है, उतना वापस नहीं पहुंच पा रहा। जल संतुलन टूट रहा है। यह समस्या सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, लेकिन भारत जैसे घनी आबादी वाले देश में इसके असर कहीं ज्यादा गंभीर हो सकते हैं। किसान सिंचाई के लिए भूजल पर बहुत निर्भर हैं। शहरों में पीने का पानी भी इससे जुड़ा है। रिपोर्ट बताती है कि 2025 में दुनिया भर के 34 प्रतिशत भूजल निगरानी स्टेशनों पर स्तर सामान्य से नीचे या बहुत नीचे दर्ज किया गया। यह आंकड़ा 2024 के 25 प्रतिशत से बढ़ा है। वहीं 31 प्रतिशत स्टेशनों पर स्तर सामान्य से ऊपर रहा। ये आंकड़े उन क्षेत्रों से आए हैं जहां निगरानी की व्यवस्था है। भारत में भी यही रुझान दिख रहा है। उत्तर भारत में स्थलीय जल भंडारण यानी टेरस्ट्रियल वॉटर स्टोरेज 2025 में सामान्य से कम रहा। डब्ल्यूएमओ महासचिव सेलेस्टे साउलो ने चेतावनी दी कि हम अपनी बचत खाते को खाली कर रहे हैं। वैश्विक स्तर पर 2014-2016 के बाद से स्थलीय जल भंडारण में गिरावट का रुझान बना हुआ है। यह एक दशक लंबा संकेत है। भूजल की कहानी भी वैसी ही है। दुनिया भर के लगभग दो-तिहाई निगरानी कुओं में 2025 में ऐतिहासिक औसत से अलग स्थिति रही और कमी की ओर झुकाव बढ़ा।

संयुक्त राष्ट्र की विश्व मौसम विज्ञान संगठन की चेतावनी

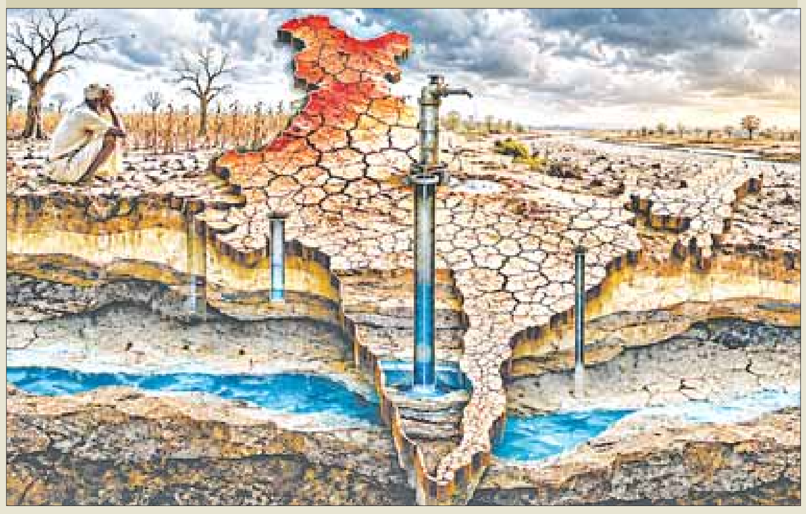

निकासी ज्यादा, रिचार्ज कम

भारत में भूजल की समस्या मुख्य रूप से अत्यधिक निकासी से जुड़ी है। खेती में ट्यूबवेल और बोरवेल का इस्तेमाल बहुत बढ़ गया है। गेहूं और चावल जैसी फसलों को ज्यादा पानी की जरूरत होती है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में यह संकट और गहरा है। रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया है कि कई क्षेत्रों में ओवर-एब्स्ट्रैक्शन यानी जरूरत से ज्यादा निकालना मुख्य कारण है। बारिश का पानी जमीन में समाकर भूजल को फिर से भरता है, लेकिन निकासी ज्यादा हो तो स्तर गिरता रहता है। पिछले कुछ सालों में सूखा और अनियमित मानसून ने भी रिचार्ज को प्रभावित किया। नदियां भी 2025 में तीन दशक से ज्यादा समय में सबसे सूखे सालों में से एक रहीं। इससे साफ है कि पूरे जल चक्र पर दबाव बढ़ रहा है। भारत जैसे देश में जहां आबादी बढ़ रही है और खेती अर्थव्यवस्था का आधार है, वहां भूजल का गिरना खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है।

समाधान और आगे का रास्ता

इस संकट से निपटने के लिए सिर्फ चेतावनी काफी नहीं। जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, ड्रिप सिंचाई जैसी तकनीकों को बढ़ावा देना जरूरी है। फसल चक्र बदलकर कम पानी वाली फसलों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। नहरों और सतही जल का बेहतर इस्तेमाल भी मददगार साबित हो सकता है। रिपोर्ट वैश्विक स्तर पर जल संसाधनों की निगरानी मजबूत करने पर जोर देती है। भारत में भी ज्यादा क्षेत्रों में नियमित निगरानी बढ़ाई जाए तो सटीक तस्वीर मिल सकेगी। अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले सालों में पानी की उपलब्धता और कम हो सकती है। अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य और पर्यावरण तीनों पर असर पड़ेगा। डब्ल्यूएमओ की चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए नीति निर्माताओं, किसानों और आम लोगों को मिलकर जल संतुलन बहाल करने की दिशा में काम करना होगा। भूजल हमारी छिपी पूंजी है, इसे बचाना भविष्य की सुरक्षा है।

उपचुनाव: नंदीग्राम के कांग्रेस प्रत्याशी गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव से पहले शुक्रवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया। कांग्रेस के उम्मीदवार मिलन प्रधान को एक पुराने कथित हत्या मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। खास बात यह है कि गिरफ्तारी से कुछ घंटे पहले ही ममता बनर्जी ने नंदीग्राम उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी को समर्थन देने का एलान किया था। ममता बनर्जी ने कहा कि उनका गुट कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करेगा और इस फैसले का उद्देश्य विपक्षी गठबंधन को मजबूत करना है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब नंदीग्राम में 6 अक्टूबर को उपचुनाव होना है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस के 8 क्रू मेंबर सस्पेंड

नई दिल्ली। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने दुबई-अमृतसर फ्लाइट के 8 क्रू मेंबर्स को तीन महीने के लिए सस्पेंड किया है। इनमें चार पायलट शामिल हैं। यह कार्रवाई अनिवार्य पोस्ट-फ्लाइट ब्रीथ एनालाइजर टेस्ट में देरी पर हुई। मामला 2 अगस्त की दुबई-अमृतसर फ्लाइट का है। क्रू को अमृतसर के श्री गुरु राम दास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद 2 घंटे में ब्रीथ एनालाइजर टेस्ट कराना था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, क्रू पहले होटल चला गया था। बाद में एयरपोर्ट लौटकर 2 घंटे 35 मिनट बाद टेस्ट कराया। सभी 8 सदस्यों का टेस्ट नेगेटिव आया यानी उनके शरीर में अल्कोहल नहीं मिला। इसके बावजूद तय समयसीमा में टेस्ट न कराने को नियमों का उल्लंघन माना गया।

नमाज के दौरान धमाके में 15 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट इलाके में एक भीषण आतंकवादी हमला हुआ है। जुमे की नमाज के दौरान हुए इस आत्मघाती धमाके में अब तक कम से कम 15 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, विस्फोटकों से लदा एक ट्रक ओल्ड पुलिस लाइन के गेट से जा टकराया, जिसके बाद एक जोरदार धमाका हुआ। इस विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि पुलिस लाइन की कंक्रीट की दीवारें ढह गईं और आसपास की इमारतों को भी भारी नुकसान पहुंचा है।

नीट परीक्षा: 'पेपर लीक' रोकने की तैयारियां परखेंगे सुप्रीम कोर्ट के जज

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के ऑफिस जाने की जताई इच्छा

नई दिल्ली

नीट पेपर लीक की बार-बार होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए परीक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बेंच के जज खुद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की अपग्रेड की गई सुविधाओं का दौरा कर सिस्टम की तैयारियों को देख सकते हैं। नीट यूजी परीक्षा कराने वाली एनटीए ने जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच को बताया कि परीक्षा व्यवस्था को सुरक्षित और बेहतर बनाने के लिए काम करने के तरीके में कई बदलाव किए गए हैं। इनमें प्रशासनिक व्यवस्था से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर तक में किए गए बदलाव शामिल हैं। जस्टिस नरसिम्हा ने केंद्र की ओर

से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वह और जस्टिस अराधे सिस्टम की जांच करने के लिए एनटीए की नई अपग्रेड की गई सुविधा का दौरा करना चाहेंगे। पेपर लीक की बार-बार होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए एनटीए के सिस्टम को संस्थागत रूप से मजबूत करना बहुत जरूरी है। सिर्फ तुरंत या अस्थायी उपाय काफी नहीं होंगे। आपको पता होना चाहिए कि पूरे सिस्टम का स्थायी होना ही मुख्य बात है। बेंच ने मेहता से कहा एक स्थायी सेटअप, स्थायी स्टाफ और स्थायी विभाग होने चाहिए। डेपुटेशन बहुत कम होनी चाहिए। तभी एक स्थायी ढांचा तैयार हो पाएगा। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि जज दिल्ली में मिंटो रोड स्थित एनटीए ऑफिस जाएंगे और देखेंगे कि सिस्टम असल में काम कर रहा है या नहीं, साथ ही वहां के मैनपावर और अन्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लेंगे। शुरुआत में केंद्र ने बेंच को बताया कि नीट में संरचनात्मक सुधारों का सुझाव देने के लिए नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में गठित हाई-पावर्ड पैनल ने व्यापक विचार-विमर्श किया है और इस महीने के आखिर तक अपनी पहली अंतरिम रिपोर्ट सौंपने की संभावना है।

राधाकृष्णन कमेटी के सुझावों पर नजर

मेहता ने कहा कि सभी स्टेकहोल्डर्स के सुझाव पैनल के सामने रखे गए थे, जिसने पूर्व इसरो चेयरमैन के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली पिछली कमेटी के सदस्यों के साथ भी विचार-विमर्श किया था। बेंच ने डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग के जॉइंट सेक्रेटरी, जो नीलेकणी पैनल की मदद कर रहे हैं, से कहा कि वे अब तक उठाए गए कदमों के बारे में कोर्ट में हलफनामा दाखिल करें। सबसे जरूरी बात यह है कि सरकार को नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट कराने की पूरी प्रक्रिया को संस्थागत बनाने पर विचार करना चाहिए।

वेबसाइट पर अपलोड होगा हलफनामा

बेंच ने कहा कि राधाकृष्णन कमेटी ने भी स्ट्रक्चरल सुधारों के बारे में कुछ सुझाव दिए थे, लेकिन समस्या उन सुझावों को लागू करने की है। मेहता ने बेंच को भरोसा दिलाया कि राधाकृष्णन कमेटी के साथ-साथ याचिकाकर्ताओं और दूसरे स्टेकहोल्डर्स के सभी सुझावों पर नीलेकणी पैनल विचार कर रहा है। मेहता ने बेंच से कहा, यह सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। हर जरूरी मदद दी जाएगी। बेंच ने निर्देश दिया कि एनटीए की ओर से दाखिल हलफनामा उसकी वेबसाइट पर अपलोड किया जाए, ताकि लोग अपने सुझाव दे सकें।

मप्र में बलिदान गाथा पर बनेगी डॉक्यूमेंट्री: मुख्यमंत्री

जबलपुर। 1857 की क्रांति के महानायक राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह की गाथा मध्यप्रदेश में स्कूली पाठ्यक्रम में पढ़ाई जाएगी। शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर में यह घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बलिदान दिवस पर दोनों शहीदों को प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। डॉ. यादव ने कहा कि राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान स्थल का संरक्षण किया जाएगा और उनके जीवन पर आधारित डाक्यूमेंट्री भी तैयार कराई जाएगी। इससे आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति और स्वाभिमान की प्रेरणा मिलेगी। राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह ने अंग्रेजों के धर्म परिवर्तन और प्रलोभन से जुड़े प्रस्तावों को ठुकरा दिया था। उन्होंने स्वधर्म, सनातन संस्कृति और भारत की आजादी के लिए प्राणों का बलिदान देना स्वीकार किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों ने गुलामी की शर्तें मानने से इनकार किया और मातृभूमि के सम्मान को सर्वोपरि रखा। मुख्यमंत्री ने बताया कि शहीदों की स्मृति को बनाए रखने के लिए उनके बलिदान स्थल का संरक्षण किया जा रहा है। उनके जीवन और बलिदान पर आधारित डॉक्यूमेंट्री भी बनाई जा रही है। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह, मंत्री राकेश सिंह, महापौर, सांसद, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह को किया नमन

'वोट चोरी के बाद अब पार्टी चोरी'

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को लेकर निर्वाचन आयोग के फैसले पर हमला बोला। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के उपचुनावों के दौरान तृणमूल कांग्रेस के दोनों विरोधी गुटों को पार्टी का नाम और 'फूल और घास' चुनाव चिह्न इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि निर्वाचन आयोग की सांविधानिक जिम्मेदारी लोगों के जनादेश की रक्षा करना है। लेकिन इसके बजाय आयोग उन्हीं ताकतों की मदद कर रहा है, जो जनता के फैसले को पलटती हैं। उन्होंने एक्स

पर एक पोस्ट में कहा, पहले शिवसेना, फिर एनसीपी और अब तृणमूल कांग्रेस। हर बार एक ही तरीका अपनाया जाता है। भाजपा और निर्वाचन आयोग मिलकर एक पार्टी को बांटने के लिए साथ आते हैं। फिर उसका चुनाव चिह्न छीन लिया जाता है। राहुल गांधी ने कहा, जब एक पूरी पार्टी ही चुराई जा सकती है, तो यह हैरानी की बात नहीं है कि करोड़ों भारतीयों के वोट भी चुराए जा सकते हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, वोट चोरी। सरकार चोरी। अब पार्टी चोरी। ये हमारे लोकतांत्रिक पतन के प्रतीक बन गए हैं। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग की सांविधानिक जिम्मेदारी जनादेश की रक्षा करना है। लेकिन इसके बजाय, वह उन्हीं ताकतों की मदद कर रहा है, जो जनता के फैसले को पलटती हैं।

मुनाफे के लिए प्राइवेट यूनिवर्सिटी नहीं चला सकते : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मुनाफा कमाने के लिए प्राइवेट यूनिवर्सिटी नहीं चलाई जा सकतीं। इनका मकसद शिक्षा से जुड़े सार्वजनिक लक्ष्य को पूरा करना होना चाहिए। इन संस्थानों को सिर्फ मुनाफा कमाने वाले बिजनेस की तरह चलने की परमिशन नहीं दी जा सकती। यह बात जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कही। कोर्ट ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 6 हफ्ते में यूनिवर्सिटीज के ऑडिटेड खाते जमा करने को कहा गया है। इन खातों में सरप्लस आय, खर्च, फीस वसूली और कर्मचारियों की सैलरी की जानकारी देनी होगी। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को दाखिले, भर्ती और पढ़ाई के स्तर से जुड़ी जानकारी भी देनी होगी। यह आदेश एमिटी यूनिवर्सिटी से जुड़े मामले में दिया गया है। इसमें एक छात्रा ने कॉलेज रिकॉर्ड में नाम बदलने की मांग की थी, जिसके बाद उसे परेशान किया गया। अगली सुनवाई 19 नवंबर को होगी।

2600 सीटों वाली हाइड्रोजन ट्रेन में बैठ रहे सिर्फ 40 यात्री!

नई दिल्ली। हरियाणा के जींद से सोनीपत के बीच चल रही देश की इकलौती हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन में यात्रियों की संख्या इतनी कम रह रही है कि रेलवे को इसके रूट को एक्सटेंड करना पड़ रहा है। अब भारतीय रेल हाइड्रोजन ट्रेन में यात्री की संख्या बढ़ाने के लिए इसे दिल्ली तक ले आने की तैयारी कर रहा है। हालांकि, इसके रास्ते में कुछ तकनीकी और संचालन से जुड़ी चुनौतियां भी हैं। यह हाइड्रोजन ट्रेन फिलहाल 89 किलोमीटर लंबे जींद-सोनीपत सेक्शन पर चल रही है। अधिकारियों के मुताबिक,

10 कोच और 2600 यात्रियों की क्षमता वाली इस ट्रेन में जींद से सोनीपत तक के पूरे सफर में आमतौर पर सिर्फ 40 से 60 यात्री ही मिलते हैं। कम यात्रियों की वजह से ट्रेन रोज सिर्फ एक आने-जाने का फेरा लगा रही है। शुरुआती योजना के मुताबिक इसे जींद और सोनीपत के बीच रोज दो फेरे लगाने थे। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, नॉर्दर्न रेलवे पिछले करीब दो महीनों से इस ट्रेन का संचालन कर रहा है। ट्रेन के संचालन और नई तकनीक पर नजर रखने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम भी लगातार काम कर रही है। भारत की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन की शुरुआत 17 जुलाई को हुई थी, यह ट्रेन पूरी तरह स्वदेशी है। कम फुटफॉल को देखते हुए रेलवे अब इस ट्रेन को दिल्ली के आजादपुर स्टेशन तक ले जाने के विकल्प पर काम कर रहा है।

निठारी कांड के सुरेंद्र कोली ने की आत्महत्या

देहरादून

देश के चर्चित निठारी कांड से करीब दो दशक तक जुड़े रहे सुरेंद्र कोली की शुक्रवार को हरिद्वार में मौत हो गई। सुरेंद्र कोली का शव एक चाय की दुकान के अंदर फांसी के फंदे पर लटका मिला। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उसकी मौत की खबर सामने आने के बाद एक बार फिर निठारी कांड की पुरानी कहानी चर्चा में आ गई। सुरेंद्र कोली हरिद्वार में अपनी पहचान छिपाकर 'सदा राम' के नाम से रह रहा था। सदा राम के नाम से ही उसने वोटर आईडी कार्ड भी बनवा रखा था। यहां उसने चार दिन पहले ही चाय की दुकान शुरू की थी। दुकान खोलने से पहले वह एक सोसाइटी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी भी कर चुका था। उसके दोस्त धर्मेंद्र कौशिक ने बताया कि मौत से कुछ समय पहले सुरेंद्र परेशान चल रहा था। एक दिन पहले ही फोन पर उसकी परिवार के लोगों से लड़ाई भी हुई थी। धर्मेंद्र ने बताया कि करीब 15 दिन पहले सुरेंद्र उसके संपर्क में आया था। उसने कहा था कि सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी उससे नहीं हो पा रही है और वह काफी परेशान है। सुरेंद्र ने उससे कोई दुकान दिलाने की बात कही थी। धर्मेंद्र के मुताबिक, उसने अपनी गारंटी पर सुरेंद्र को चाय की दुकान दिलवाई थी और दुकान के लिए सामान भी उपलब्ध कराया था। उसने सुरेंद्र से कहा था कि अब अपना काम करो और आराम से रहो। धर्मेंद्र का कहना है कि पिछले दो दिनों से सुरेंद्र काफी परेशान था। खासतौर पर बच्चे के जन्मदिन को लेकर वह तनाव में था। उसने बताया कि मौत से एक दिन पहले सुरेंद्र की परिवार के लोगों से फोन पर लड़ाई भी हुई थी। हालांकि, इस विवाद की वजह क्या थी, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

हरिद्वार में चाय की दुकान में फंदे से लटका मिला शव

'सदा राम' के नाम से रह रहा था

दोस्त ने बताया कि सुरेंद्र यहां 'सदा राम' नाम से रह रहा था। आसपास के लोगों को भी उसकी असली पहचान की जानकारी नहीं थी। बाद में पता चला कि वह वही सुरेंद्र कोली है, जिसका नाम निठारी कांड में सामने आया था। धर्मेंद्र ने बताया कि सुरेंद्र ने एक सोसाइटी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी भी की थी। नौकरी के दौरान उससे पहचान पत्र मांगा गया था, लेकिन उसने कहा था कि फिलहाल उसके पास आईडी नहीं है और बाद में उपलब्ध करा देगा। धर्मेंद्र ने अपनी आईडी देकर उसकी गारंटी ली थी। दोस्त के मुताबिक, सुरेंद्र का व्यवहार काफी अच्छा था। वह ज्यादा लोगों से मतलब नहीं रखता था। सामान्य तरीके से अपनी जिंदगी जी रहा था। उसने रोशनाबाद में रहने के लिए किराए पर कमरा भी लिया हुआ था।

सिंहपुर, माँ काली मंदिर में गूंजा सेवा–संकल्प का संदेश

प्रभारी अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सचिन सिन्हा पहुंचे माँ काली मंदिर सिंहपुर

माँ काली मंदिर लोक न्यास के अध्यक्ष शिवनारायण द्विवेदी ने किया स्वागत

शहडोल, स्वतंत्र मत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर '25 साल बेमिसाल सेवा संकल्प अभियान' के तहत सिंहपुर स्थित ऐतिहासिक माँ काली मंदिर लोक न्यास परिसर में भव्य दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। रात्रि में सैकड़ों दीपों से जगमगाए मंदिर परिसर ने श्रद्धा, सेवा और सामाजिक एकजुटता का मनोहारी दृश्य प्रस्तुत किया। प्रभारी अपर मुख्य सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, सचिन सिन्हा के मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम की शुरुआत माँ काली के दर्शन एवं चुनरी अर्पण से हुई। इस दौरान मंदिर के इतिहास और माँ काली मंदिर लोक न्यास के गठन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी उपस्थितजनों को दी गई। महिला एवं बाल विकास विभाग शहडोल, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, ग्राम पंचायत सिंहपुर के कार्यकर्ताओं तथा स्थानीय नागरिकों ने मंदिर परिसर में सैकड़ों दीप प्रज्वलित किए। दीपों की रोशनी से पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया।

मोदी के 76वें जन्मदिवस पर सैकड़ों दीपों से रोशन हुआ ऐतिहासिक मंदिर परिसर, आस्था के साथ दिखी सामाजिक समरसता

जनसेवा और संस्कृति का दिखा संगम

कार्यक्रम में माँ काली मंदिर लोक न्यास के सचिव सोहागपुर तहसीलदार दीपक पटेल, न्यास के अध्यक्ष शिवनारायण द्विवेदी, स्थाई सदस्य जगदीश तिवारी, जनपद सदस्य एवं पदेन न्यास सदस्य मधु श्रीवास्तव, विधायक प्रतिनिधि अमरेंद्र तिवारी, सह कोषाध्यक्ष दीपेश तिवारी, सह सचिव श्रवण श्रीवास्तव सहित न्यास सदस्य प्रकाश तिवारी, मुकेश विश्वकर्मा, सुरेंद्र पाण्डेय एवं सुंदर बैगा उपस्थित रहे।ग्राम पंचायत सिंहपुर के सरपंच आदित्य बैगा, सचिव विवेक गुप्ता, रोजगार सहायक नीतिका तिवारी सहित स्थानीय नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने भी सहभागिता निभाई। आयोजन ने आस्था, सेवा भावना, संस्कृति और सामाजिक समरसता को एक मंच पर लाने का संदेश दिया।

बकहो को मिली दो बड़ी सौगात

86 लाख के नए नगर परिषद भवन और 16.88 करोड़ की जलापूर्ति योजना का लोकार्पण

क्षेत्रीय विधायक ने किया लोकार्पण

उपाध्यक्ष वैभव विक्रम सिंह ने खुद तैयार किया भवन का नक्शा

शहडोल, स्वतंत्र मत। जिले के बकहो नगर परिषद को आज अपना नया आधुनिक कार्यालय भवन मिल गया। करीब 86 लाख रुपये की लागत से बने इस नवीन भवन का विधिवत लोकार्पण क्षेत्रीय विधायक ने किया।

इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष मौसमी केवट, उपाध्यक्ष वैभव विक्रम सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष अमिता चपरा, बकहो मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र दुबे सहित सभी पार्षदगण,उपस्तित रहे। बकहो नगर परिषद सीएमओ नीलम तिवारी और कर्मचारियों सहित भाजपा पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

नए भवन में नगर परिषद के समस्त कार्यालयीन कार्यों के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। अधिकारियों के अनुसार नए भवन के शुरू होने से कामकाज अधिक व्यवस्थित और तेज गति से होगा, वहीं नागरिकों को शासकीय कार्यों के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। कार्यालय परिसर में पार्किंग व्यवस्था को भी सुव्यवस्थित किया गया है।

नक्शा बनाकर बचाए पैसे

कार्यक्रम की खास बात यह रही कि नगर परिषद उपाध्यक्ष वैभव विक्रम सिंह ने बताया कि नवीन कार्यालय भवन का पूरा डिजाइन और नक्शा उन्होंने स्वयं तैयार किया है, जिससे नक्शा डिजाइन पर आने वाला खर्च बचाया जा सका।

अमृत 2.0 योजना का भी शुभारंभ–इसी कार्यक्रम के दौरान नगर के लिए दूसरी बड़ी सौगात के रूप में अमृत 2.0 योजना के तहत 16 करोड़ 88 लाख रुपये की जलापूर्ति परियोजना का भी लोकार्पण किया गया। इस परियोजना के शुरू होने से बकहो नगर में वर्षों से चली आ रही पेयजल समस्या से निजात मिलने की उम्मीद है और घर-घर शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन को लेकर बैठक संपन्न

शहडोल, स्वतंत्र मत।

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल में आगामी खेल प्रतियोगिताओं के खेल कैलेंडर वर्ष 2026-27 के अंतर्गत संभाग एवं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक कुलगुरु सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामशंकर जी ने की। बैठक का संयोजन एवं संचालन स्पोर्ट्स प्रभारी डॉ. आदर्श तिवारी द्वारा किया गया। बैठक में रीवा से डॉ. भारतेंदु जी की विशेष उपस्थिति रही।बैठक क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, रीवा संभाग डॉ. महेन्द्रमणि द्विवेदी के निर्देशानुसार आयोजित हुई। इसमें संबंधित महाविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता करते हुए अपने प्रस्ताव एवं सुझाव प्रस्तुत किए।

बैठक में क्षेत्र के महाविद्यालयों में आयोजित होने वाली विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के संबंध में चर्चा की गई। खेल कैलेंडर के अनुसार प्रतियोगिताओं के सुचारु आयोजन, महाविद्यालयों की सहभागिता, खेल स्थलों तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विचार–विमर्श किया गया। कुलगुरु प्रो. रामशंकर जी ने खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने तथा विश्वविद्यालय में खेल गतिविधियों को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के साथ–साथ उनमें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास करते हैं। बैठक में संबंधित अधिकारियों एवं खेल प्रभारी द्वारा प्रतियोगिताओं के आयोजन की तैयारियों और आगामी कार्ययोजना की जानकारी भी साझा की गई।

आयुर्वेद महाविद्यालय भवन का कलेक्टर ने लिया जायजा

शहडोल, स्वतंत्र मत। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम छतरपुर में भवन निर्माण मंडल द्वारा निर्माणाधीन आयुर्वेद महाविद्यालय भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों को पारिश्रमिक का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सभी श्रमिकों का संबंधित पुलिस थाने से चरित्र सत्यापन कराने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि शासकीय निर्माण कार्यों से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज व्यवस्थित एवं दुरुस्त रखे जाएं, ताकि कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए। कलेक्टर ने निर्माण कार्य निर्धारित समय–सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने महाविद्यालय परिसर में बाउंड्रीवाल निर्माण, महाविद्यालय तक सुगम पहुंच मार्ग और परिसर में विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर बने शिक्षक, बच्चों से पूछे सवाल, जवाब सुनकर बोले–शाबाश

पटासी स्कूल के औचक निरीक्षण में कलेक्टर ने जांची विद्यार्थियों की शैक्षणिक समझ, शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

शहडोल, स्वतंत्र मत। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने शुक्रवार को जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत एकीकृत शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय पटासी का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक एवं व्यवस्थागत स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने शिक्षक की भूमिका में विद्यार्थियों से सीधे संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई–लिखाई की जानकारी ली। कलेक्टर ने छात्र–छात्राओं से सामान्य ज्ञान के साथ 12, 15 और 19 के पहाड़े तथा मध्यान्ह भोजन वितरण से जुड़े सवाल पूछे। विद्यार्थियों ने सवालों के सकारात्मक एवं संतोषजनक जवाब दिए। बच्चों की शैक्षणिक समझ और उत्साह पर कलेक्टर ने प्रसन्नता व्यक्त की। विद्यार्थियों की उपस्थिति की भी जानकारी ली और निर्देश दिए कि बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए अभिभावकों से निरंतर संवाद किया जाए। उन्होंने कहा कि गांव का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए और शत–प्रतिशत उपस्थिति के लिए विद्यालय स्तर पर प्रभावी प्रयास किए जाएं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मध्यान्ह भोजन वितरण, शिक्षकों की उपस्थिति सहित विद्यालय की अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने प्राचार्य को आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे, आनंद राय सिंहा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आजीविका मिशन में उत्साह और उमंग के साथ आयोजित हुआ नमो युवा शक्ति कार्यक्रम

सतना, स्वतंत्र मत। म.प्र.डे. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला सतना एवं मैहर द्वारा संयुक्त रूप से नमो युवा शक्ति जिला स्तरीय खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन दादा सुखेन्द्र सिंह स्टेडियम में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की युवतियों को खेल रचनात्मकता, स्वास्थ्य, नेतृत्त एवं आत्म निर्भरता से जोड़ते हुए उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह परिहार, जिला खेल अधिकारी रितिका दुवे, एस.पी. तिवारी खेल विभाग, जिला परियोजना प्रबंधक डां. गौरव शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता राजपाल शर्मा, जिला अध्यक्ष बीएमएस योगेन्द्र प्रताप सिंह एवं राजकपूर द्वारा मां शारदा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजन कर किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की युवतियों में प्रतिभा और आत्म विश्वास की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता है उचित अवसर और मंच प्रदान करने की। नमो युवा शक्ति जैसे आयोजन युवतियों को खेल, संस्कृति, कौशल एवं नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढने के लिए प्रेरित करते है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह ने कहा कि आज ग्रामीण अंचल की दीदियां अपने परिवार तक सीमित नहीं है बल्कि समाज में मजबूत अर्थव्यवस्था की वाहक बन रही हैं।

एनसीएल ने 'नन्हा सा दिल' के द्वितीय चरण का किया शुभारंभ

700 कैंपों के माध्यम से 52,500 बच्चों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य

सिंगरौली, स्वतंत्र मत। स्थित कोल इंडिया की प्रमुख अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय पर पहचान, जांच एवं निःशुल्क उपचार के लिए अपनी नवाचारी सीएसआर पहल 'नन्हा सा दिल–एनसीएल' के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया।

शुक्रवार को सीएमडी, एनसीएल, एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) मनीष कुमार, निदेशक (तकनीकी) आशुतोष द्विवेदी, मुख्य सतर्कता अधिकारी, अजय कुमार जायसवाल की उपस्थिति में इस आशय के समझौता पत्र पर महाप्रबंधक (सीएसआर) राजीव रंजन तथा सत्य साईं हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के रवि किरण ने हस्ताक्षर किए । इस अवसर पर सीएमएस,एनसीएल, विवेक खरे, तकनीकी सचिव, निदेशक (तकनीकी), इंद्रनील राय सहित अन्य अधिकारी व 'नन्हा–सा–दिल–एनसीएल' के स्थानीय लाभार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपने संबोधन में सीएमडी एन. फ्रैंकलिन जयकुमार ने एनसीएल की 'नन्हा सा दिल' पहल की सराहना करते हुए इसे 'उद्देश्यपूर्ण खनन' की संज्ञा दिया ।उन्होंने कहा कि यह पहल संकट की घड़ी में जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचकर उनके परिवारों के लिए एक सच्चे सहयोगी और भरोसेमंद सहारे के रूप में काम कर रही है। उन्होंने जनकल्याणकारी सीएसआर पहलों को निरंतर आगे बढ़ाने के प्रति एनसीएल की प्रतिबद्धता दोहराते हुए परिधीय समुदाय के समग्र विकास को एनसीएल की प्राथमिकता बताया ।

'नन्हा–सा–दिल–एनसीएल' के द्वितीय चरण के तहत ? 9.17 करोड़ की लागत से सिंगरौली एवं सोनभद्र, व इससे लगे हुए जिलों में बच्चों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जाएंगी। इस पहल के तहत 700 स्क्रीनिंग कैंप आयोजित कर 52,500 बच्चों की स्क्रीनिंग, 1,600 ईकोकार्डियोग्राम करते हुए ज़रूरतमंद बच्चों की नि~ शुल्क सर्जरी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। स्क्रीनिंग को हर नन्हे दिल के करीब ले जाने के लिए स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में कैंप आयोजित किए जाएंगे।इससे हृदय संबंधी समस्या वाले बच्चों की शुरुआती स्तर पर पहचान कर उन्हें विशेषज्ञ जांच एवं शैल्य सहित अन्य उपचार के लिए समय पर श्री सत्य साईं संजीवनी के अस्पतालों में रेफर किया जा सकेगा। स्क्रीनिंग गतिविधियां, उपचार एवं फॉलो–अप सहित पूरी परियोजना को 24 माह में पूरा करने की योजना है। 'नन्हा–सा–दिल–एनसीएल' पहल की उल्लेखनीय बात यह भी है कि पीड़ित बच्चों की कार्डियक सर्जरी/इंटरवेंशन सत्य साईं संजीवनी अस्पतालों में कराने के साथ –साथ लाभार्थी परिवारों को परामर्श, यात्रा,रहने की सुविधा एवं उपचारोपरांत देखभाल सहित आवश्यक सहयोग भी कंपनी निःशुल्क उपलब्ध कराती है।

कार्यक्रम में 'नन्हा सा दिल–एनसीएल' पहल के प्रथम चरण के तहत उपचार का लाभ प्राप्त करने वाले बच्चे और उनके परिजन भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर एनसीएल और सत्य साईं संजीवनी संजीवनी अस्पताल की ओर से इन बच्चों को 'गिफ्ट ऑफ लाइफ' प्रदान किया गया।

प्रथम चरण में लक्ष्य से अधिक कैम्प व उपलब्धि–'नन्हा सा दिल–एनसीएल' पहल का प्रथम चरण मार्च 2025 से अगस्त 2026 तक मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के सिंगरौली परिक्षेत्र में संचालित किया गया, जिसे उल्लेखनीय सफलता मिली।

केंद्रीय विद्यालय में हिंदी प्रतियोगिता आयोजित

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल राजभाषा अनुभाग द्वारा दिनांक 14 से 28 सितंबर 2026 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 18 सितंबर 2026 को आवासीय परिसर स्थित तीन प्रमुख विद्यालयों–सरस्वती दिल्ली पब्लिक स्कूल, शिशु मंदिर विंध्यनगर एवं पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय विंध्यनगर में विद्यार्थियों के लिए हिंदी सुलेख, निबंध लेखन एवं हिंदी विज्ञापन लेखन आदि हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य स्कूली बच्चों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि, रचनात्मकता एवं अभिव्यक्ति कौशल को प्रोत्साहित करना रहा।

सतना के कामता टोला में तीन मंजिला बिल्डिंग में लगी भीषण आग

तीसरी मंजिल में फंसे बच्चों को किया गया रेस्क्यू बड़ा हादसा टला

सतना, स्वतंत्र मत। शहर के कामता टोला इलाके में गुरुवार दोपहर एक तीन मंजिला बिल्डिंग में अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया और काला धुआं दूर.दूर तक दिखाई देने लगा। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम राहुल सिलाड़िया तहसीलदार और नगर निगम की फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।

प्रशासनिक अधिकारियों की मेहनत रंग लाई

बताया जा रहा है कि जिस समय आग लगी उस समय बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर कुछ बच्चे फंसे हुए थे। बच्चों के फंसे होने की जानकारी मिलते ही मौके पर अफरा.तफरी मच गई। प्रशासन ने तुरंत स्थिति को गंभीरता से लेते हुए फायर ब्रिगेड के साथ.साथ लिफ्टर मशीन को भी मौके पर बुलाया। फायर ब्रिगेड के जवान जान जोखिम में डालकर तीसरी मंजिल पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान मोहल्ले के लोग भी प्रशासन का सहयोग करते हुए बचाव कार्य में जुटे रहे। आग के बीच बिल्डिंग में रखी गैस की टंकियों में ब्लास्ट का खतरा बना हुआ था। फायर टीम ने सूझबूझ दिखाते हुए सबसे पहले गैस टंकियों को सुरक्षित बाहर निकाला जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

एक.एक कर दो बच्चों का सुरक्षित निकला

कड़ी मशक्कत के बाद फायर टीम को पहली सफलता मिली और एक बच्ची को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। कुछ ही देर बाद दूसरे

बच्चे को भी सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। बच्चों के अपने परिजनों से मिलते वक्त का दृश्य बेहद भावुक करने वाला था। परिजनों ने प्रशासन और फायर टीम का आभार जताया।

इसी दौरान आग की तपिश के कारण बिल्डिंग की दीवारों में दरारें आ गईं। खतरे को भांपते हुए प्रशासन ने तुरंत आम जनता को बिल्डिंग से दूर हटाया और आसपास के मकानों को भी एहतियातन खाली करा दिया। लगातार अनाउंसमेंट कर लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने की हिदायत दी गईए ताकि बिल्डिंग गिरने की स्थिति में कोई जनहानि न हो।

ये हुए घायल

इस हादसे में 3 लोगों के घायल होने की खबर है। घायलों की पहचान पूजा सोंधिया कमल सोंधिया और पवन कुशवाहा के रूप में हुई है। इनका स्वास्थ्य ठीक बताया जा रहा हैए हालांकि एहतियात के तौर पर इन्हें जिला अस्पताल में भर्ती करवाया जा रहा है और उपचार जारी है। यह भी बताया जा रहा है कि इस बिल्डिंग के अंदर तंबाकू का काम भी होता था। यह जांच का विषय है कि रेजिडेंशियल बिल्डिंग में किस तरह से तंबाकू का काम करवाया जा रहा था और क्या सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं।

प्रशासन की अपील–मौके पर मौजूद एसडीएम राहुल सिलाड़िया ने कहा ईश्वर से प्रार्थना है कि ऊपर फंसे सभी बच्चे सुरक्षित निकल जाएं हम लोग पूरी कोशिश कर रहे हैं।

स्थिति नियंत्रण हुई–राहत की बात यह है कि आग में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग पर काबू पा लिया गया है और कूलिंग का काम जारी रहा। आग के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। प्रशासन मामले की जांच कर रहा है। मौके पर एसडीएम तहसीलदार नगर निगम पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौजूद रही।

ज्ञान, बुद्धि और सफलता के प्रतीक, गणेश जी

भगवान गणेश भारतीय संस्कृति में ज्ञान, बुद्धि, विवेक और सफलता के प्रतीक माने जाते हैं। वे विद्यार्थियों सहित सभी लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके स्वरूप और गुणों से हमें जीवन में आगे बढ़ने की अनेक महत्वपूर्ण शिक्षाएँ मिलती हैं।

1 ज्ञान के देवता

भगवान गणेश को ज्ञान और शिक्षा का देवता माना जाता है। विद्यार्थियों के लिए ज्ञान जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। गणेश जी हमें प्रेरणा देते हैं कि हमें हमेशा नई बातें सीखने और अपने ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।

2 बुद्धि और विवेक का महत्व

भगवान गणेश बुद्धि और विवेक के प्रतीक हैं। किसी भी समस्या का समाधान केवल शक्ति से नहीं, बल्कि बुद्धिमानी से किया जा सकता है। विद्यार्थियों को भी सोच-समझकर निर्णय लेना चाहिए और सही तथा गलत के बीच अंतर पहचानना सीखना चाहिए।

3 विशाल मस्तक से बड़ी सोच की प्रेरणा

गणेश जी का विशाल मस्तक हमें बड़ी और सकारात्मक सोच रखने का संदेश देता है। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए हमें अपने लक्ष्य ऊँचे रखने चाहिए और उन्हें प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए।

4 बड़े कानों से ध्यानपूर्वक सुनने की शिक्षा

भगवान गणेश के बड़े कान हमें यह शिक्षा देते हैं कि हमें दूसरों की बातें ध्यानपूर्वक सुननी चाहिए। विद्यार्थियों को अपने शिक्षकों, माता-पिता और अनुभवी लोगों की सलाह को ध्यान से सुनकर उससे सीखने का प्रयास करना चाहिए।

5 छोटी आँखों से एकाग्रता का संदेश

गणेश जी की छोटी आँखें हमें एकाग्रता का महत्व बताती हैं। किसी भी कार्य में सफलता प्राप्त करने के लिए पूरा ध्यान लगाना आवश्यक है। विद्यार्थियों को पढ़ाई करते समय अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

6 सूंड से परिस्थितियों के अनुसार ढलने की प्रेरणा

गणेश जी की सूंड हमें बुद्धिमानी और परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की शिक्षा देती है। जीवन में हमेशा परिस्थितियाँ एक जैसी नहीं रहतीं। कठिन समय में धैर्य और समझदारी से काम लेना चाहिए।

7 विघ्नहर्ता से कठिनाइयों का सामना करने की प्रेरणा

भगवान गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है। उनका यह स्वरूप हमें सिखाता है कि जीवन में आने वाली बाधाओं से घबराना नहीं चाहिए। कठिनाइयाँ हमें नई सीख देती हैं और मजबूत बनाती हैं।

8 मूषक वाहन से विनम्रता और आत्मविश्वास की सीख

भगवान गणेश का वाहन मूषक है। यह हमें सिखाता है कि कोई भी व्यक्ति छोटा या कमजोर नहीं होता। हमें अपनी प्रतिभा को पहचानकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए और कभी भी दूसरों को छोटा नहीं समझना चाहिए।

9 धैर्य और सहनशीलता का संदेश

जीवन में सफलता तुरंत नहीं मिलती। इसके लिए धैर्य और निरंतर मेहनत की आवश्यकता होती है। भगवान गणेश के गुण हमें सिखाते हैं कि कठिन परिस्थितियों में भी शांत रहना चाहिए और जल्दबाजी में गलत निर्णय नहीं लेना चाहिए।

10 सफलता के लिए मेहनत और अनुशासन

गणेश जी विद्यार्थियों को यह प्रेरणा देते हैं कि सफलता प्राप्त करने के लिए नियमित मेहनत और अनुशासन बहुत आवश्यक है। समय का सही उपयोग, नियमित अध्ययन और अपने कार्य के प्रति जिम्मेदारी सफलता की राह को आसान बनाते हैं।

श्रद्धा श्रीवास

शिक्षक
केसी हितकरिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी,
जोंसगंज, जबलपुर।

गणेश जी के चार हाथ देते हैं जीवन के चार बड़े संदेश

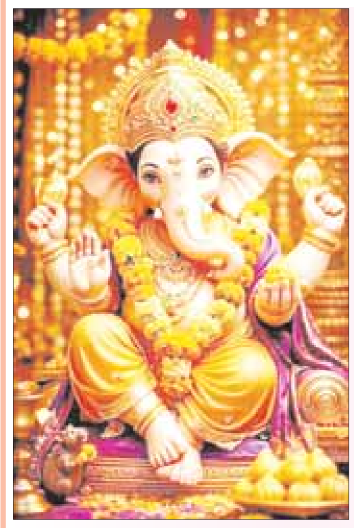

भगवान गणेश को बुद्धि, विवेक, शुभता और विघ्नहर्ता के रूप में पूजा जाता है। उनके स्वरूप का प्रत्येक अंग किसी न किसी गहरे आध्यात्मिक संदेश से जुड़ा माना जाता है। गणेश जी के चार हाथ भी जीवन के चार महत्वपूर्ण पक्षों, मन, बुद्धि, अहंकार और चेतना, का प्रतीक माने जाते हैं। उनके हाथों में धारण की गई वस्तुएं मनुष्य को संयम, आत्मज्ञान और सकारात्मक जीवन का संदेश देती हैं।

अंकुशः मन और इच्छाओं पर नियंत्रण

गणेश जी के एक हाथ में अंकुश दिखाई देता है। अंकुश का अर्थ केवल नियंत्रण नहीं, बल्कि मनुष्य को अपनी इच्छाओं और भटकते मन पर संयम रखने की प्रेरणा भी है। यह संदेश देता है कि जीवन में सफलता के लिए मन को सही दिशा में रखना जरूरी है।

पाशः मोह और नकारात्मकता से मुक्ति

दूसरे हाथ में पाश या फंदा होता है। इसे मोह, अहंकार, बुराइयों और नकारात्मक बंधनों का प्रतीक माना जाता है। पाश हमें अपने भीतर की कमजोरियों को पहचानकर उनसे मुक्त होने की प्रेरणा देता है।

मोदकः ज्ञान और आंतरिक आनंद

गणेश जी के हाथ में रखा मोदक ज्ञान, भक्ति और आत्मिक आनंद का प्रतीक माना जाता है। इसका संदेश है कि सच्चा सुख केवल बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि ज्ञान, संतोष और अच्छे कर्मों से मिलने वाली आंतरिक शांति में है।

अभय मुद्राः निर्भय रहने का संदेश

गणेश जी का एक हाथ आशीर्वाद या अभय मुद्रा में रहता है। यह भक्तों को सुरक्षा, करुणा और भय से मुक्ति का आश्वासन देता है। यह विश्वास जगाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

जीवन का सार

गणेश जी के चार हाथों का संदेश है मन पर नियंत्रण रखें, मोह और अहंकार छोड़ें, ज्ञान प्राप्त करें और निर्भय होकर जीवन में आगे बढ़ें। यही उनके स्वरूप का आध्यात्मिक संदेश माना जाता है।

पूजा कौरा

शिक्षक
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी,
जोंसगंज, जबलपुर।

विघ्नहर्ता गणेशः आस्था के साथ बुद्धि और विवेक का संदेश

भारतीय संस्कृति में कुछ प्रतीक ऐसे हैं, जिनके अर्थ समय के साथ और भी गहरे होते जाते हैं। भगवान गणेश उन्हीं में से एक हैं। किसी भी शुभ कार्य से पहले गणेश जी का स्मरण करने की परंपरा केवल धार्मिक विश्वास नहीं, बल्कि एक सुंदर जीवन-दर्शन भी है। 'विघ्नहर्ता' के रूप में पूजे जाने वाले गणेश हमें यह संदेश देते हैं कि जीवन की राह में आने वाली बाधाओं से घबराना नहीं, बल्कि बुद्धि, धैर्य और विवेक के साथ उनका सामना करना चाहिए।

गणेश जी का स्वरूप, जीवन का संदेश

गणेश जी का विशाल मस्तक हमें बड़ा और सकारात्मक सोचने की प्रेरणा देता है। उनके बड़े कान मानो कहते हैं कि जीवन में बोलने से अधिक महत्वपूर्ण है, ध्यानपूर्वक सुनना। छोटी आँखें एकाग्रता का प्रतीक हैं, तो लंबी सूंड परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की क्षमता का संदेश देती है। उनका एकदंत भी अपने भीतर गहरा अर्थ समेटे हुए है। जीवन में सब कुछ पूर्ण नहीं होता, फिर भी हमें अपूर्णताओं के साथ आगे बढ़ना सीखना चाहिए।

मूषक से लेकर मोदक तक

गणेश जी के वाहन मूषक को चंचल मन और इच्छाओं का प्रतीक माना जाता है। उसके ऊपर विराजमान गणेश जी यह संदेश देते हैं कि मन कितना भी चंचल क्यों न हो, विवेक और बुद्धि के द्वारा उसे नियंत्रित किया जा सकता है। उनके हाथ में रखा मोदक ज्ञान और साधना से मिलने वाले आनंद का प्रतीक माना जाता है। ठीक इसी तरह ज्ञान की वास्तविक मिठास भी निरंतर सीखने और अनुभव से प्राप्त होती है।

आज के समय में गणेश जी का संदेश

आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी में मनुष्य के पास सुविधाएँ तो बढ़ी हैं, लेकिन धैर्य और मानसिक शांति कम होती जा रही है। प्रतिस्पर्धा, तनाव और सफलता की जल्दबाजी के बीच गणेश जी का स्वरूप हमें ठहरकर सोचने की सीख देता है। बड़ा सोचिए, ध्यान से सुनिए, सही निर्णय लीजिए, अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखिए और कठिनाइयों के सामने धैर्य मत खोइए, शायद गणेश जी के स्वरूप में छिपा यही सबसे सुंदर जीवन-संदेश है।

आफरीन खान

शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, देवताल, गढ़ा, जबलपुर।

त्योहार, खुशियों के साथ संस्कारों का संदेश

त्योहार हमारे जीवन में खुशी, उमंग और नई ऊर्जा लेकर आते हैं। भारत विविध धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं वाला देश है, इसलिए यहां वर्षभर अनेक त्योहार मनाए जाते हैं। इनका महत्व केवल पूजा-पाठ और उत्सव तक सीमित नहीं है, बल्कि ये हमारी संस्कृति, संस्कार और सामाजिक संबंधों को भी मजबूत बनाते हैं।

त्योहारों पर परिवार के सदस्य एक साथ समय बिताते हैं। लोग एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं और मिल-जुलकर खुशियां बांटते हैं। इससे आपसी प्रेम, भाईचारा और सद्भाव बढ़ता है। त्योहारों के माध्यम से बच्चों को अपनी संस्कृति, रीति-रिवाज और परंपराओं को समझने का अवसर मिलता है। रंगोली, सजावट, संगीत, नृत्य और हस्तकला जैसी गतिविधियां रचनात्मकता को भी बढ़ावा देती हैं।

कई त्योहार जरूरतमंदों की सहायता, दान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। वहीं अनेक पर्व ऋतुओं, फसलों और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता से जुड़े हैं। त्योहार हमें प्रेम, सत्य, अच्छाई, एकता और सद्भाव का संदेश देते हैं। वे रोजमर्रा की व्यस्तता के बीच जीवन में उत्साह और नई ऊर्जा भरते हैं। निष्कषतः त्योहार केवल उत्सव नहीं, बल्कि संस्कार, सेवा, संस्कृति और सामाजिक एकता को मजबूत करने का माध्यम हैं।

सौरभ सेन

शिक्षक
हितकारिणी उ.मा. शाला,
गोरखपुर, जबलपुर।

बाल पेंटिंग

मूर्तिकला में तन्मयता...

बाबू मनमोहनदास हितकारिणी चिल्ड्रेन एकेडमी, दीक्षितपुरा, जबलपुर के कक्षा 6 के छात्र तन्मय गुर्जर ने अपनी कला और रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने हाथों से गणपति जी की सुंदर प्रतिमा बनाई। तन्मय ने प्रतिमा को तैयार करने में अपनी कल्पनाशक्ति, मेहनत और धैर्य का परिचय दिया। उनकी बनाई प्रतिमा न केवल आकर्षक है, बल्कि यह उनकी कला के प्रति लगन और सीखने की जिज्ञासा को भी दर्शाती है। विद्यालय परिवार ने तन्मय के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों की ऐसी रचनात्मक गतिविधियां उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उनकी छिपी प्रतिभा को निखारने में मदद करती हैं। तन्मय की यह पहल अन्य विद्यार्थियों को भी अपनी प्रतिभा को पहचानने और उसे रचनात्मक कार्यों के माध्यम से सामने लाने के लिए प्रेरित करती है। उनकी मेहनत और कला के प्रति समर्पण निश्चित रूप से सराहनीय है।

तन्मय गुर्जर

कक्षा 6, बाबू मनमोहनदास हितकारिणी चिल्ड्रेन एकेडमी, दीक्षितपुरा, जबलपुर।

आस्था, संस्कृति और पर्यावरण का पर्व

भारत त्योहारों और विविध संस्कृतियों का देश है। यहाँ मनाया जाने वाला प्रत्येक पर्व अपने साथ धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं का संदेश लेकर आता है। इन्हीं प्रमुख त्योहारों में गणेश चतुर्थी का विशेष महत्व है। किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत से पहले गणेश जी की पूजा करने की परंपरा है।

गणेश चतुर्थी का धार्मिक महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार गणेश चतुर्थी भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को मनाई जाती है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान गणेश का जन्म हुआ था। दस दिनों तक चलने वाले इस उत्सव का समापन अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश विसर्जन के साथ होता है। भगवान गणेश का स्वरूप भी अपने आप में कई संदेश देता है। उनका बड़ा मस्तक अधिक सोचने और ज्ञान प्राप्त करने की प्रेरणा देता है, बड़े कान ध्यानपूर्वक सुनने का संदेश देते हैं और छोटी आँखें एकाग्रता का प्रतीक मानी जाती हैं। उनका वाहन मूषक हमें विनम्रता और अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखने की सीख देता है।

उत्सव में दिखाई देती है एकता

गणेश चतुर्थी केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। यह लोगों को एक साथ जोड़ने वाला सामाजिक पर्व भी है। इस दौरान समाज में सहयोग, भाईचारे और एकता की भावना मजबूत होती है। विशेष रूप से महाराष्ट्र में गणेश उत्सव का भव्य रूप देखने को मिलता है, लेकिन आज यह पर्व देश के अनेक राज्यों में उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश

समय के साथ गणेश चतुर्थी मनाने के तरीके में भी सकारात्मक बदलाव आवश्यक है। प्लास्टर ऑफ पेरिस और रासायनिक रंगों से बनी प्रतिमाएँ जलस्रोतों को नुकसान पहुँचा सकती हैं। इसलिए आज लोगों को मिट्टी से बनी पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके साथ ही पूजा में प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करना, फूल-पत्तियों और अन्य सामग्री का उचित निपटान करना तथा जलस्रोतों को स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है।

पर्व का वास्तविक संदेश

गणेश विसर्जन हमें यह संदेश भी देता है कि जीवन में परिवर्तन और विदाई प्रकृति का हिस्सा हैं। हमें परंपराओं का सम्मान करते हुए आधुनिक समय की जिम्मेदारियों को भी समझना चाहिए। यह संस्कृति, सामाजिक एकता और पर्यावरण जागरूकता का सुंदर संगम है। यदि हम इस पर्व को श्रद्धा के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाते हुए मनाएँ, तो इसका महत्व और भी बढ़ जाएगा।

आरती शर्मा

शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, डुमना रोड, जबलपुर।

शब्द पहेली - 8979

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	■	8	9		10	■	
11		12	■		■	13		
■	■	14		■	15		■	■
16			■	17	■	18		19
	■	20	21		22	■	■	
23	24	■		■		■	25	
■	26			■	27			■

बाएँ से दाएँ

1. कथा, गाथा-3
3. भगौना-3
5. पुष्पहार-2
6. वायदा, कसम-2
8. अभिष्ट इच्छापूर्ति, वर-4
11. योग्य, उपयुक्त-3
13. चिंतन, सोच-विचार-3
14. ताश का एक खेल-2
15. संजय दत्त की पहली फिल्म-2
16. चेहरा, शक्ल-3
18. चाकू, खंजर-3
20. उकसाना, चकमा देना -4
23. लक्ष, सौ हजार-2
25. ईश्वर, भगवान-2
26. विदा, गमन-3
27. लेखनी, पेन-3

ऊपर से नीचे

1. हुनर, फन-2
2. शांति, वीराना-3
3. चिलमन, ओट, घूंघट-3
4. ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ-2
5. माजरा, मुद्दा-3
7. आंगन, बरामदा-3
9. भागना (अंग्रेजी-2)
10. चटपटा, क्षारीय-4
12. कारनामा, करिश्मा-4
16. अच्छे सुर का ज्ञाता-3
17. मालिक, स्वामी-2
19. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
21. बेदखल करना-3
22. फिजूल, व्यर्थ-2
24. गधा, गर्दभ -2
25. एक प्रकार की विदेशी शराब-2

शब्द पहेली -8978 का हल

■	ह	ल	क	■	क	ल	र	व
क	द	■	हा	ज	मा	■	■	र
ह	■	ना	नी	■	ल	व	■	दा
र	च	ना	का	र	■	सा	ल	न
■	र	■	र	■	स	■	ह	■
र	स	द	■	ता	ली	ब	जा	ना
वा	■	ल	क	■	के	ला	■	ट
य	■	■	स	ज	दा	■	ना	क
त	ल	घ	र	■	र	ह	म	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

मौसम का बदला मिजाज, माहू ने बिगाड़ा हिसाब

अब निमास्त्र, ब्रह्मास्त्र और अग्निअस्त्र जैसे जैविक उपाय अपनाने की किसानों को सलाह

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिस फसल को किसान महीनों की मेहनत, उम्मीद और पसीने से सींचता है, अब उसी फसल पर माहू और झुलसा रोग का खतरा किसानों की चिंता बड़ा रहा है। मौसम में आए बदलाव के बीच धान की फसल में माहू सहित जीवाणु जनित झुलसा और अन्य कीट-रोगों का प्रकोप सामने आने के बाद कृषि विभाग ने खेतों की निगरानी तेज कर दी है। किसानों की परेशानी को देखते हुए कृषि विभाग के जिला स्तरीय संयुक्त दल ने गांवों में पहुंचकर धान, अरहर और उद्यानिकी फसलों का निरीक्षण शुरू कर दिया है। जहां अधिकारी खेतों में पहुंचकर फसलों की स्थिति देख रहे है और किसानों को मौके पर ही कीट एवं रोग नियंत्रण के नुस्खे बता रहे है। कृषि अधिकारियों के अनुसार इस बार लंबे समय तक मानसून के ढके रहने और मौसम में बदलाव के कारण माहू के प्रकोप को बड़ावा मिला है। अधिकारियों का कहना है कि सामान्य परिस्थितियों में तेज बारिश होने पर माहू का प्रभाव कम हो सकता था, लेकिन इस बार मौसम की अनुकूल परिस्थितियों ने इसके प्रसार में मदद की। इसके अलावा फसल चक्र का पर्याप्त पालन नहीं होना और कुछ धान की किस्मों में माहू का अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव दिखाई देना भी इसके कारणों में शामिल बताया जा रहा है। वहीं डीएसआर पद्धति से बोई गई धान की फसलों में फिलहाल माहू का असर अपेक्षाकृत कम दिखाई देने की बात भी अधिकारियों ने कही है। माहू के प्रकोप ने उन किसानों की चिंता बड़ा दी है, जिनके लिए धान की फसल ही परिवार की आर्थिक जरूरतों का सबसे बड़ा सहारा है। किसान दिन-रात खेत की निगरानी कर रहे हैं। फसल में बीमारी या कीट दिखाई देते ही उन्हें यह डर सताने लगता है कि कहीं महीनों की मेहनत और खेती पर लगाया पैसा बर्बाद न हो जाए। ऐसे समय में कृषि विभाग ने किसानों से घबराने के बजाय नियमित रूप से खेतों की निगरानी करने और शुरूआती स्तर पर ही नियंत्रण के उपाय अपनाने की अपील की है। इधर, माहू के संक्रमण को नेस्तनाबूत करने किसानों को निमास्त्र, ब्रह्मास्त्र और अग्निअस्त्र जैसे जैविक अर्क के उपयोग करने की सलाह दी जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि किसान जैविक दवाओं और उनके उपयोग की जानकारी के लिए अपने नजदीकी बायो रिसोर्स सेंटर से संपर्क कर सकते हैं। साथ ही आवश्यकता के अनुसार कृषि विभाग की सलाह पर रासायनिक कीटनाशक और रोगनाशक दवाओं का उपयोग करने की सलाह दी गई है। कृषि अधिकारियों ने किसानों को धान की फसल में यूरिया का अत्यधिक उपयोग नहीं करने की सलाह दी है। खेतों में आवश्यकता के अनुसार जल निकासी बनाए रखने पर भी जोर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि किसान बिना सलाह के किसी भी कीटनाशक या रोगनाशक का इस्तेमाल न करें। सीमित मैदानी अमले के बावजूद विभाग का प्रयास है कि अधिक से अधिक गांवों तक पहुंचकर किसानों को खेत में ही आवश्यक सलाह दी जाए। किसानों के लिए फिलहाल सबसे जरूरी बात यही है कि फसल में माहू या किसी रोग के शुरूआती लक्षण दिखाई देते ही उसे नजरअंदाज न करें। समय पर पहचान और सही उपचार ही महीनों की मेहनत से तैयार फसल को बचाने में मदद कर सकता हैं।

कलेक्टर ने किया झालीवाडा के स्कूल का निरीक्षण

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत 18 सितम्बर को वारासिवनी में लगाये गए शिविर के दौरान कलेक्टर कुमार सत्यम ने ग्राम झालीवाडा पहुंचकर शासकीय प्राथमिक शाला का निरीक्षण किया और वहॉ की व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान उन्होंने बच्चों से चर्चा कर उनके शिक्षा का स्तर जाना। उन्होंने शाला के शिक्षकों से एफएलएन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये और कहा कि इसकी हर माह समीक्षा की जाए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ सुश्री तनुश्री मीणा एवं एसडीएम श्रीश प्यासी उपस्थित थे।

कोरका से बालाघाट के लिए शुरू हुई नई बस सेवा

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर को बिरसा विकासखंड के ग्राम कोरका से बालाघाट के लिए नई बस सेवा का शुभारंभ किया। नई बस सेवा शुरू होने से बैगा जनजाति बहुल दूरस्थ ग्रामों के ग्रामीणों को बालाघाट जिला मुख्यालय तक आवागमन की सुविधा मिल सकेगी। लंबे समय से इन क्षेत्रों के ग्रामीणों को आवागमन के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। बस सेवा प्रारंभ होने से ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, शासकीय कार्य एवं आवश्यक कार्यों के लिए बालाघाट आने-जाने में सुविधा होगी।

3 साल की बच्ची की संदिग्ध मौत अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले के मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम देवरी में शुक्रवार को 3 वर्षीय बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान दृष्टि पंचतिलक के रूप में हुई है। सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद परिजन उसे वाहन से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने जांच के बाद बच्ची को मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार, दृष्टि गुरुवार 17 सितंबर की देर रात तक गांव में भगवान गणेश के पंडाल में चल रहे भजन कार्यक्रम में शामिल थी। इसके बाद रात में खाना खाने के बाद वह अपनी मां के साथ सो गई। बच्ची के दादा नानाजी पंचतिलक ने बताया कि दृष्टि सामान्य रूप से उनके साथ सोती थी। शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे बच्ची उठी और उसने तबीयत ठीक नहीं होने की बात कही। इसके बाद परिजन तत्काल उसे जिला अस्पताल लेकर रवाना हुए। बताया गया कि अस्पताल ले जाते समय बच्ची की हालत अचानक बिगड़ गई। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने किसी कीड़े या अन्य जंतु के काटने की संभावना से इनकार किया है। बच्ची की मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्पष्ट हो सकेगा। इधर, अस्पताल चौकी पुलिस को डॉक्टर के माध्यम से बच्ची की मौत की सूचना मिली। पुलिस ने 18 सितंबर की सुबह शव को कब्जे में लेकर परिजनों की मौजूदगी में दोपहर करीब 12 बजे पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया। मामले में आगे की जांच मलाजखंड थाना पुलिस द्वारा की जा रही है।

उकवा में मनाई गई शहीद शंकर शाह व पुत्र रघुनाथ शाह की 169वीं जयंती

जगनटोला से निकाली रैली उकवा में रंगारंग कार्यक्रम एवं समापन

उकवा(स्वतंत्र मत)

अमर शहीद महाराजा शंकर शाह मडावी एवं रघुनाथ शाह मडावी का 169 वां बलिदान दिवस बड़े ही उत्साह एवं धूमधाम से मनाया गया सर्वप्रथम हर साल की तरह इस वर्ष भी जय बड़ा देव एकता समिति उकवा के तत्वाधान में 18 सितंबर 2026 को आयोजन की शुरुआत 09 बजे जगन टोला मे स्थित शहीद महाराजा शंकर शाह एवं रघुनाथ शाह मडावी की प्रतिमा में माल्यार्पण कर गोगो परंपरा से पूजा अर्चना की गई उसके पश्चात डॉ भीमराव अंबेडकर एवं वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा में माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की गई । उसके पश्चात वाहन रैली जगन टोला से 11बजे बिरसा मुंडा चौक रेंज ऑफिस पहुंची जहां पर शहीद बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की गई रेंजऑफिस चौक से डीजे एवं बाजे गाजे की धुन पर पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा मे गोंडी नृत्य की शानदार प्रस्तुति देते हुए झांकियां एवं रैली अस्त्र-शास्त्र के साथ उकवा नगर का भ्रमण करते हुए जय बड़ा देव एवं सूर्या मैदान पहुंची जहां पर मंचीय कार्यक्रम में दिग्गज वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में आदिवासी समाज से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारीयो से संबोधित किया । आदिवासी अंचलों में संक्रमण से लगातार आदिवासी बच्चों की मौत हो रही है मगर सरकार कुछ ना करके इन बच्चों के मौत के आंकड़ों को को

छुपाने की कोशिश कर रही है क्योंकि यह गरीब आदिवासीयो के बच्चे हैं । वक्ताओ ने अपने संबोधन मे बताया कि जल जमीन और जंगल हमारा अस्तित्व हमारी पहचान है जिसकी लड़ाई लड़ते हुए हमारे पूर्वजो ने अपना बलिदान दे दिया उनकी शहादत को हम बेकार नहीं जाने देंगे जिस लड़ाई को लड़ते हुए हमारे पूर्वज शहीद हो गए उस लड़ाई को हमें जारी रखना है हमारी भाषा हमारी वेशभूषा हमारी पहचान है और हम इसे मिटने नहीं देंगे वक्ताओं के भाषण के साथ-साथ आदिवासी परंपरा को जीवित रखने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से गोंडी नृत्यो की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तिरु. डॉ लक्ष्मण यादव प्रोफेसर नई दिल्ली विशिष्ट अतिथि श्री संजय उएके विधायक बैहर एवं विशेष अतिथि भुवन सिंह कोर्राम हिरासन उईके दिनेश धुर्वे संबल सिंह धुर्वे दलसिंह पंद्रे मंसाराम मरावी एवं सुशीला सरोते संगीता प्रेम शाह मरावी आयोजक समिति अध्यक्ष बी सी वाडीवा उपाध्यक्ष धनलाल उईके सोनबती मरावी हरिचंद पंद्रे एवं जय बड़ा देव एकता समिति अध्यक्ष राजेंद्र तिलगाम उपाध्यक्ष जियालाल वल्के सचिव राजेंद्र तेकाम कोषाध्यक्ष सुशील मरकाम संरक्षक रामबती उईके भजन वल्के मनीराम तेकाम धारा सिंह मर्सकोले शिवकुमार उईके अर्जुन मरकाम सुमन सिंह उईके की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ ।

ताला की जगह परासी गेट में 24-28 सितंबर तक होगा हाथी महोत्सव आयोजन, गजराज को मिलेगा 5 दिन आराम

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हर साल होने वाली हाथियों की पिकनिक इस बार नए स्थान पर आयोजित होगी। पांच दिन का आयोजन 24 से 28 सितंबर तक चलेगा। इस बार ताला गेट की जगह धमोखर बफर क्षेत्र के परासी गेट को चुना गया है। यहां पिकनिक की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। पिकनिक के दौरान हाथियों से कोई काम नहीं लिया जाएगा। सुबह उन्हें नहलाने के बाद चंदन लगाया जाएगा और तेल से मालिश की जाएगी। पशु चिकित्सकों की विशेष टीम हाथियों के स्वास्थ्य की जांच भी करेगी। पिकनिक में हाथियों के लिए उनका पसंदीदा भोजन तैयार किया जाएगा। इसमें केला, गन्ना, नारियल और रोटी शामिल हैं। हाथियों को पूरे दिन काम से दूर रखा जाएगा और जंगल में घूमने के लिए छोड़ा जाएगा।

क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने बताया कि पिकनिक की तैयारियां चल रही हैं। इस बार आयोजन का स्थान बदला गया है। वर्तमान में बांधवगढ़ के हाथी मैहर वन क्षेत्र में बचाव अभियान में लगे हैं। सभी हाथियों के वापस लौटने के बाद 24 सितंबर से परासी गेट पर पांच दिन का आयोजन होगा। बांधवगढ़ में हाथियों का इस्तेमाल वन्यजीव संरक्षण और रेस्क्यू कार्यों में किया जाता है। जिन जंगल क्षेत्रों में वाहन महीं पहुंच पाते, वहां हाथियों की मदद से घायल या संकट में फंसे वन्यजीवों तक पहुंचा जाता है। निगरानी के काम में भी हाथियों की भूमिका रहती है। फिलहाल मैहर में चल रहे रेस्क्यू अभियान में भी इन्हीं हाथियों की मदद ली जा रही है।

परासी गेट पर आयोजन से ज्यादा लोग जुड़ेंगे-अब तक हाथियों की पिकनिक ताला गेट पर आयोजित होती थी। इस बार परासी गेट को चुनने का उद्देश्य दूसरे क्षेत्रों के लोगों को भी आयोजन से जोड़ना है। धमोखर बफर का परासी गेट प्रमुख प्रवेश द्वार है, जहां पूरे साल पर्यटक सफारी के लिए पहुंचते हैं। आयोजन से स्थानीय लोगों और पर्यटकों को हाथियों के व्यवहार और संरक्षण के बारे में जानकारी मिलने का अवसर मिलेगा। बांधवगढ़ क्षेत्र में जंगली हाथियों की गांवों की ओर आवाजाही बनी रहती है। इसे देखते हुए टाइगर रिजर्व प्रबंधन ग्रामीणों को हाथियों के व्यवहार और श्उनसे सुरक्षित दूरी बनाए रखने के लिए जागरूक करता है। हाथियों की सालाना पिकनिक भी उनके संरक्षण और सम्मान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का माध्यम है।

पाली में मनाया गया आशीर्वाद का दिया प्रज्वलन समारोह

उमरिया (स्वतंत्रमत)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के अवसर पर गुरुवार 17 सितंबर को नगर पालिका परिषद पाली द्वारा 'आशीर्वाद का दिया प्रज्वलन समारोह' का आयोजन मां बिरसिनी मंदिर, वार्ड क्रमांक 9 में किया गया। कार्यक्रम में नगर के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए दीप प्रज्वलित किए। इस अवसर पर पाली नगर के वार्ड क्रमांक 1 से 15 तक विभिन्न स्थानों पर दीप प्रज्वलित किए गए, जिससे पूरा शहर दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। समारोह के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष सुश्री शकुंतला प्रधान सहित अन्य अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। अतिथियों एवं नागरिकों ने दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस पर शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम के माध्यम से एकता, सेवा, सद्भावना और जनभागीदारी का संदेश दिया गया। नगर के विभिन्न वार्डों में एक साथ दीप प्रज्वलन किए जाने से वातावरण में उत्साह और उल्लास दिखाई दिया। नागरिकों ने बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर सामाजिक सहभागिता का परिचय दिया। मां बिरसिनी मंदिर परिसर में आयोजित मुख्य समारोह में दीपों की आकर्षक रोशनी ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों ने पाली नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं जागरूक बनाने के साथ ही आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता और सेवा भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया। नगर पालिका परिषद की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम ने जनभागीदारी के माध्यम से शहरवासियों को स्वच्छता, सद्भावना एवं सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक करने का संदेश भी दिया।

सरस्वती विद्यालय चंदिया में कुपोषण जागरूकता अभियान संपन्न

युवाओं को राष्ट्रीय भावना के साथ फेक न्यूज से बचने का संदेश: अखिलेश त्रिपाठी

उमरिया (स्वतंत्रमत)

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी उमरिया एवं सेवा भारती उमरिया के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शुक्रवार 18 सितंबर को सरस्वती विद्यालय चंदिया में कुपोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेवा भारती उमरिया के सचिव अखिलेश त्रिपाठी ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। युवाओं को शिक्षा के साथ समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही फेक न्यूज एवं भ्रामक सूचनाओं से सावधान रहने तथा किसी भी सूचना को सत्यापन के बिना आगे साझा नहीं करने की अपील की। सेवा भारती उमरिया के अध्यक्ष डॉ. संदीप सिंह ने विद्यार्थियों को कुपोषण के कारण, लक्षण, बचाव एवं संतुलित आहार के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए पौष्टिक भोजन अत्यंत आवश्यक है। भोजन में दाल, हरी सब्जियां, मौसमी फल, दूध एवं अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) किट भी प्रदान की गई, ताकि विद्यालय में आवश्यकता पड़ने पर छोटी-मोटी चोट एवं आकस्मिक परिस्थितियों में तत्काल प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इस अवसर पर विद्यार्थियों को कुपोषण मुक्त समाज, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं संतुलित आहार के प्रति जागरूक किया गया। आयोजकों ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं संस्थानों में स्वास्थ्य, पोषण एवं प्राथमिक उपचार को लेकर जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

युवाम आईटीआई में मनाई गई भगवान विश्वकर्मा जयंती, दीक्षांत समारोह भी संपन्न

प्रवीण्य सूची में स्थान बनाने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिला मुख्यालय स्थित प्रतिष्ठित युवाम आईटीआई उमरिया में शुक्रवार 18 सितंबर 2026 को विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संस्था परिसर में विधि-विधान एवं श्रद्धाभाव के साथ भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा-अर्चना कर सभी ने सुख, समृद्धि एवं सफलता की कामना की। भगवान विश्वकर्मा को निर्माण, शिल्प एवं तकनीकी कौशल का प्रतीक माना जाता है। इसी भावना के अनुरूप आईटीआई के विद्यार्थियों ने भी तकनीकी शिक्षा एवं अपने हुनर के माध्यम से भविष्य में आगे बढ़ने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में संस्था के छात्र-छात्राओं, प्रशिक्षण अधिकारियों, अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। दीक्षांत समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों ने आईटीआई के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि तकनीकी शिक्षा वर्तमान समय में रोजगार एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। विद्यार्थियों को अपने प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त तकनीकी ज्ञान एवं कौशल का निरंतर विकास करते हुए मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना चाहिए। अतिथियों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें जीवन में निरंतर सीखते रहने, अपने कार्य के प्रति ईमानदार रहने तथा प्राप्त ज्ञान का सकारात्मक उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला दीक्षांत समारोह भी उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ कार्यक्रम के दौरान सत्र 2025-26 में प्रवीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों की उपलब्धि पर संस्था के पदाधिकारियों एवं उपस्थित अतिथियों ने उन्हें बधाई दी और भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में उत्साह का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम का संचालन आदित्य तिवारी द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यक्रम की विभिन्न गतिविधियों को क्रमबद्ध रूप से संचालित करते हुए उपस्थित अतिथियों एवं विद्यार्थियों को जोड़े रखा। कार्यक्रम के अंत में संस्था के संचालक अंकुर तिवारी ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षण अधिकारियों, छात्र-छात्राओं एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राकेश द्विवेदी, डॉ. मुकुल तिवारी, शंभू प्रसाद तिवारी, सुरेश कामड़े, के.के. शुक्ला, चंद्रप्रकाश दुबे एवं शेख शाहरुख सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। इसके अलावा संस्था के प्रशिक्षण अधिकारी अविनाश कबीरपंथी, प्रकाश कोल, मो. नईम, कुलदीप कोरी सहित संस्था के समस्त छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ की सहभागिता रही। भगवान विश्वकर्मा जयंती, भजन संध्या एवं दीक्षांत समारोह के संयुक्त आयोजन ने विद्यार्थियों को धार्मिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक रूप से जोड़ने का कार्य किया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन, मेहनत और सामाजिक जिम्मेदारी का महत्व भी बताया गया। कार्यक्रम के समापन के पश्चात संस्था परिसर में भगवान विश्वकर्मा जी के प्रसाद स्वरूप भंडारे का आयोजन किया गया।

श्री राधा अष्टमी पर जन्मोत्सव एवं भजन संध्या का आयोजन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। श्री राधाकृष्ण मंदिर वार्ड क्रमांक 15 में आज श्री राधा अष्टमी के पावन अवसर पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। आयोजक गोविन्द प्रसाद सोनी द्वारा बताया गया कि सुबह श्री राधा रानी का जन्मोत्सव एवं शाम को भजन संध्या का आयोजित रखा गया है। जन्मोत्सव एवं भजन संध्या में श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होकर श्री राधा रानी का आशीर्वाद प्राप्त करने समस्त श्रद्धालुओं से सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होने की अपील करते हुए सादर आमंत्रित किया है।

जनपद सदस्य ने बच्चों को दिए बैग

मण्डला(स्वतंत्रमत)। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत गौझीमाल स्थित शासकीय माध्यमिक शाला में विद्यार्थियों के लिए स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद सदस्य अजीत भीषम सिंहानी ने विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बीच स्कूल बैग वितरित किए गए बैग मिलने पर विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला। जनपद सदस्य अजीत भीषम सिंहानी ने विद्यार्थियों से शिक्षा को अपने जीवन की प्राथमिकता बनाने का आह्वान किया। स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

मनोज मिश्रा बने नारायणगंज प्रभारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोज मिश्रा को जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा की अनुशंसा पर भाजपा मंडल नारायणगंज का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनके प्रभारी बनाए जाने की जानकारी मिलते ही नगर एवं क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा। कार्यकर्ताओं ने श्री मिश्रा से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि मनोज मिश्रा के संगठनात्मक अनुभव मार्गदर्शन एवं नेतृत्व से मंडल में संगठन को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही युवा कार्यकर्ताओं को भी संगठनात्मक गतिविधियों में आगे बढ़ने का अवसर और बेहतर मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इस दौरान रतन सिंह ठाकुर, राजेश सोनी, संतोष सोनी, होसी लाल साहू, किशन तेकाम, मृदुकिशोर साहू,सुशांत अग्रवाल, सुंदर सोनी, भगवान प्रसाद मिश्रा, दीपक पदम, अरुण यादव, अभय साहू सहित क्षेत्र के बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राधाष्टमी महोत्सव आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। वरदान आश्रम के संचालक भागवत रसिक पं राम गोपाल शास्त्री नीलू महाराज ने बताया कि भाद्रपद मास के कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि पर मनाए जाने वाले श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के ठीक 15 दिन बाद राधा रानी का जन्मोत्सव मनाया जाता है।

नगर पालिका में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान की औपचारिकता कागजी खानापूर्ति से हुआ कार्यक्रम का समापन, नागरिकों में रोष

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मंडला में चल रहे मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के कोई खास परिणाम दिखाई नही दे रहे हैं प्रचार-प्रसार के अभाव में शिविरों में आम जनता नही पहुंच रही है। प्रचार प्रसार में लापरवाही बरती जा रही है जिससे लोगो में नाराजगी है। ऐसा ही कुछ हाल शुक्रवार को नगर पालिका परिसर में लगे मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान शिविर में दिखाई दी। यहां पर हितग्राही पीड़ित और जरूरतमंद नही पहुंच पाए दिनभर सन्नाटा देखा गया शासकीय कर्मचारियों के अलावा आम जनता दूर दूर तक दिखाई नही दी जिसकी फोटो वीडियो कैमरे में कैद हैं। शासन की योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने और आम जनता को सरकारी सेवाओं से सीधे जोड़ने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत नगर पालिका में जन विश्वास शिविर का आयोजन किया गया। लेकिन शिविर की तस्वीरें और मौके का नजारा अभियान के उद्देश्य पर ही सवाल खड़े करता नजर आया। जिस शिविर में बड़ी संख्या में हितग्राहियों के पहुंचने की उम्मीद थी वहां कार्यक्रम के दौरान हितग्राहियों की संख्या बेहद कम दिखाई दी। वहीं हितग्राहियों के

बैठने के लिए लगाई गई कुर्सियों पर अधिकारी-कर्मचारी, पटवारी और नर्सिंग स्टाफ बैठे नजर आए। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को शासन की महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इसका उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना, पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाना और सरकारी तंत्र के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत करना है। लेकिन नगर पालिका में आयोजित शिविर में जिस तरह से जनता की मौजूदगी कमजोर दिखाई दी उसने आयोजन की तैयारियों और प्रचार-प्रसार की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। शिविर में लोगों के बैठने के लिए कुर्सियां लगाई गई थीं। कार्यक्रम में एक-दो हितग्राहियों को छोड़ दिया जाए तो आम जनता की मौजूदगी बेहद कम नजर आई। ऐसे में यह सवाल भी सामने आता है कि क्या नगर पालिका और संबंधित विभागों ने वास्तव में पात्र हितग्राहियों को शिविर की जानकारी दी थी सरकारी शिविर केवल टेंट, कुर्सी, टेबल और अधिकारियों की मौजूदगी से सफल नहीं हो जाते। शिविर की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि कितने जरूरतमंद नागरिक पहुंचे, कितने आवेदन प्राप्त हुए, कितनी समस्याओं का मौके पर समाधान हुआ और कितने लोगों को योजनाओं का लाभ मिला यदि जनता ही शिविर से दूर रही तो फिर सरकारी मशीनरी द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम किसके लिए था कार्यक्रम में जिले के अधिकारी और कर्मचारी जरूर पहुंचे। विभागीय अमला भी नजर आया, लेकिन जिस जनता के नाम पर यह पूरा अभियान चलाया जा रहा है, वही जनता कार्यक्रम में नजर नहीं आई।

सीईओ ने किया निरीक्षण

जनविश्वास अभियान के तहत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना ने विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं एवं आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का जायजा लिया उन्होंने सीनियर आदिवासी कन्या छात्रावास मंडला, आंगनवाड़ी केंद्र सिंहवाहिनी वार्ड तथा जिला अस्पताल का निरीक्षण किया सीईओ जिला पंचायत ने सीनियर आदिवासी कन्या छात्रावास मंडला पहुंचकर छात्रावास की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने रसोईघर एवं स्टोर का निरीक्षण कर खाद्य सामग्री के रख-रखाव और भोजन व्यवस्था की जानकारी ली।

नपाध्यक्ष ने संभाला मोर्चा

नगर पालिका परिषद परिसर में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जन विश्वास शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित किया। श्री कछवाहा ने कहा कि केन्द्र और प्रदेश सरकार लगातार आमजन के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के माध्यम से प्रत्येक शुक्रवार को प्रशासनिक अमला आपके बीच पहुंचकर योजनाओं के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग कर रहा है। शासन की योजनाओं से आज आमजन लाभांवित हो रहे हैं।

होगा नगर का विकास

नगरीय क्षेत्र के सौंदर्यीकरण और विकास के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं। शहर में सड़कों का चौड़ीकरण, मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण जैसे विकास कार्य प्रगति पर हैं। वहीं ट्रांसपोर्ट नगर का नगरीय क्षेत्र से बाहर स्थानांतरण, बस स्टैंड एवं मछली बाजार को शहर से बाहर शिफ्ट करने सहित अनेक प्रस्ताव शासन को भेजे गए हैं। हम नगर के विस्तार और सौंदर्यीकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

विभागीय समीक्षा और समाधान

जन विश्वास अभियान के अंतर्गत नगरपालिका टाउनहॉल में जिला पंचायत सीईओ शाश्वत सिंह मीना ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय योजनाओं के लक्ष्यों और उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इसके पश्चात समाधान ऑनलाइन में चिन्हित शिकायतों की शिकायतवार विस्तृत समीक्षा की गई और उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए।

स्वच्छता ही सेवा अभियान पर युवा संवाद

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्रमत)। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत संचालित स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के तहत नगर निकाय द्वारा स्वच्छता जागरूकता को लेकर युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में निकाय क्षेत्र के स्कूली छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की इस दौरान विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छ शहर निर्माण में युवाओं की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई युवा संवाद के दौरान स्वच्छता अभियान के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में जानकारी प्रदान की गई छात्र-छात्राओं को बताया गया कि घरों और सार्वजनिक स्थानों से निकलने वाले कचरे का उचित प्रबंधन स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के लिए आवश्यक है कचरे के पृथक्करण संग्रहण निस्तारण तथा स्वच्छता संबंधी व्यवहार को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया।

मंडला एसडीएम के विरोध में उतरे पटवारी, सौंपा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

शुक्रवार को मंडला एसडीएम के विरोध में जिले के पटवारी सड़क पर उतर गए। नारेबारी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और ज्ञापन सौंपा है। एसडीएम शैलेन्द्र चौधरी पर पटवारियों के साथ कथित रूप से दुर्व्यवहार अनावश्यक दबाव बनाने सार्वजनिक रूप से अपमानित करने और मानसिक प्रताड़ना देने के आरोप लगाए हैं। मप्र पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष गीतेन्द्र गीतू बैरागी सहित जिले के पटवारियों ने मामले को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए संबंधित कार्यवाही पर पुनर्विचार करने और पटवारियों की समस्याओं का निराकरण कराने मांग की है। ज्ञापन में बताया कि प्रांतीय आह्वान के तहत पटवारी स्वामित्व योजना से संबंधित कार्यों से पृथक हैं जिसकी सूचना जिला

कार्यालय एवं तहसील स्तर पर अलग-अलग ज्ञापनों के माध्यम से दी जा चुकी थी बावजूद एसडीएम मंडला द्वारा पटवारियों पर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है। 17 सितंबर की घटना का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि ग्राम पंचायत कार्यालय जंतीपुर में पटवारी दिनेश तिवारी के साथ एसडीएम द्वारा कथित तौर पर दबाव बनाया गया। आरोप है कि पटवारी का मोबाइल छीनकर उसका आईडी-पासवर्ड लिया गया और कार्य करने के लिए दबाव बनाया गया। कहा गया है कि पटवारी दिनेश तिवारी हृदय रोग एवं ब्लड प्रेशर की बीमारी से पीड़ित हैं और घटना के बाद भयभीत एवं मानसिक रूप से परेशान हैं। इस तरह के व्यवहार को अन्य पटवारियों के साथ नहीं दोहराए जाने मांग की है ज्ञापन में ग्राम आमानाला के पटवारी शशिकांत चौबे के निलंबन का भी मुद्दा उठाया गया है। पटवारी को फार्मर आईडी एवं स्वामित्व योजना के कार्य का हवाला देकर निलंबित किया गया जबकि फार्मर आईडी में उनकी प्रगति 41.87 प्रतिशत बताई गई है। जिले में कई अन्य पटवारियों की फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति इससे कम है इसके बावजूद शशिकांत चौबे के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने से पटवारियों में असंतोष है। वहीं सेवा निवृत्ति के करीब पहुंचे पटवारी को कारण बताओ सूचना पत्र दिए बिना सीधे निलंबन आदेश जारी किया गया जिसे पटवारी संघ ने अनुचित बताते हुए कार्यवाही निरस्त करने मांग की है पटवारी संघ ने चेतावनी दी है कि यदि ज्ञापन में उठाए गए मुद्दों पर जिला प्रशासन द्वारा तत्काल संज्ञान नहीं लिया गया तो मंडला तहसील के समस्त पटवारी शासकीय कार्य से बहिष्कार करेंगे। 21 सितंबर से 23 सितंबर तक तीन दिनों के सामूहिक अवकाश पर जाने का निर्णय लिया गया है। इसके बाद भी मांगों का निराकरण नहीं होने पर कलम बंद हड़ताल के लिए बाध्य होने की चेतावनी दी गई है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दीप प्रज्वलन कार्यक्रम संपन्न

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। शासकीय स्नातक महाविद्यालय नैनपुर में प्राचार्य डॉ. जी.सी. मेश्राम के निर्देशन, कार्यक्रम प्रभारी डॉ. जे.एस. उर्वेती के मार्गदर्शन एवं सह-प्रभारी डॉ. राजेश मासतकर के संयोजन में सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी, एनएसएस स्वयंसेवक, एनसीसी कैडेट्स एवं छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। दीप प्रज्वलन के माध्यम से सेवा, समर्पण, सहयोग

एवं सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया।

विद्यार्थियों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प दिलाया गया। महाविद्यालय परिवार ने सेवा संकल्प अभियान को सामाजिक सरोकारों से जोड़ते हुए जनहित एवं समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय सहभागिता का संदेश दिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में राहुल विश्वकर्मा का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. जी.सी. मेश्राम, प्रो. एम.के. बघेल, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. जे.एस. उर्वेती, डॉ. राजेश मासतकर, डॉ. प्रियंका चक्रवर्ती, डॉ. कुलभूषण रजक, प्रो. रविन चौहान, प्रो. देव प्रकाश उईके, सुश्री अकांक्षा मरावी, प्रो. सचिन मरावी, गिरवर सिंह राजपूत, डॉ. रवि कुमार यादव, डॉ. संजीव सिंह, अमित सेन, श्रीमती विमला वल्के, श्रीमती सुधा कुमरे, श्री मानसिंह मरावी, मनीष साहू, श्री अमित यादव, श्रीमती तारा चौरसिया, श्रीमती किरण घोसेल एवं प्रकाश ठाकुर सहित महाविद्यालय के कर्मचारी, एनएसएस स्वयंसेवक, एनसीसी कैडेट्स तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही और सभी ने सेवा एवं सामाजिक दायित्वों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

विद्युत विभाग के जेई की मनमानी से दिन में अनेकों बार बिजली गुल, उपभोक्ता परेशान

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगर में विद्युत विभाग की अनियमित विद्युत आपूर्ति से आम उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दिन में अनेकों बार विद्युत सप्लाई बंद होने से जहां घरेलू उपभोक्ता खासकर कामकाजी महिलाएं परेशान हैं, वहीं शासकीय कार्यालयों, बैंकों, विद्यालयों एवं कंप्यूटर सेंटरों का कामकाज भी प्रभावित हो रहा है। बार-बार बिजली बंद होने से ऑनलाइन कार्य, बैंकिंग सेवाएं, दस्तावेज तैयार करने सहित विभिन्न आवश्यक कार्य बाधित हो रहे हैं। कंप्यूटर सेंटरों पर काम कराने पहुंचने वाले उपभोक्ताओं को बिजली आने का इंतजार करना पड़ता है। वहीं विद्यालयों एवं अध्ययनरत विद्यार्थियों को भी पढ़ाई में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में चल रहे गणेश उत्सव के दोरान भी बिजली की आवाजाही से व्यवधान उत्पन्न होने के कारण धार्मिक भावनाओं में विपरीत असर पड़ रहा है। स्थानीय उपभोक्ताओं का कहना है कि विद्युत आपूर्ति बंद होने के संबंध में कई बार जेई रीतेश कुमार वनवारी को अवगत कराये जाने फोन किया जाता है परंतु इनके द्वारा फोन नहीं उठाया जाता है। जिससे समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। अघोषित एवं बार-बार बिजली कटौती से नागरिकों में नाराजगी बढ़ रही है। वही जिससे मध्यप्रदेश शासन की क्षवि भी जेई रीतेश कुमार वनवारी के द्वारा धूमिल की जाना स्पष्ट हो रहा है।

पोर्टल दक्षता पर सचिवों का प्रशिक्षण

मण्डला/नारायणगंज (स्वतंत्रमत)।

विकासखंड नारायणगंज के जनपद पंचायत में पंचायती राज मंत्रालय के तत्वावधान में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज से संबंधित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों और अधिकारियों को डिजिटल कार्यप्रणाली के प्रति जागरूक कर उनकी पोर्टल दक्षता बढ़ाना था।

कार्यक्रम के दौरान कई महत्वपूर्ण तकनीकी विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इनमें मुख्य रूप से ओएसआर ओन सोर्स रेवेन्यू, पंचायत दर्पण ग्राम पंचायत विकास योजना, ई-ग्राम स्वराज और सतत विकास लक्ष्य जैसे विषय पर विस्तार से जानकारी दी गई। इन पोर्टल्स के माध्यम से पंचायत के कार्यों में पारदर्शिता और गति लाने पर जोर दिया गया। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर के रूप में पुष्पेन्द्र चौकसे, महिमा पाण्डेय और धरम धारवईया ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को पोर्टल्स के संचालन की बारीकियां सिखाईं और उनकी शंकाओं का समाधान किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों की श्रेणी में क्षेत्र के ग्राम प्रधान, सरपंच, पंचायत सचिव, और रोजगार सहायक ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से जमीनी स्तर पर डिजिटल साक्षरता बढने और ग्रामीण विकास की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन की उम्मीद है।

कार्यालय बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित जामगांव पं. क्र. 104

दिनांक 07.09.2026

आमसभा सूचना पत्र

सम्मानीय महानुभाव,

समिति के समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि बहुउद्येशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित जामगांव पं. क्र. 104 की साधारण वार्षिक आमसभा दिनांक 21.09.2026 दिन सोमवार को समय दोपहर 1 बजे से मंडी प्रांगण में आयोजित किया जाना है। गणपूर्ति (कोरम) के अभाव में बैठक आधे घंटे स्थगित कर उसी दिन उसी स्थान पर होगी। जिसमें गणपूर्ति (कोरम) की आवश्यकता नहीं होगी।

बैठक में आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

विषय सूची निम्नानुसार है

1. वर्ष 2025-26 में आयोजित की गई प्रबंधकारिणी बैठकों का अवलोकन / अनुमोदन बावद् ।
2. वर्ष 2025-26 की आय-व्यय लाभ-हानि स्थिति विवरण का अनुमोदन बावद् ।
3. वर्ष 2025-26 में हुए व्ययों का अवलोकन एवं स्वीकृत बजट में से कम अधिक होने पर पुनरीक्षित समायोजन बावद् ।
4. वर्ष 2027-28 हेतु अनुमानित आय-व्यय बजट की स्वीकृती बावद् ।
5. सिलक-सीमा निर्धारण करने बावद् ।
6. वर्ष 2026-27 के अंकेक्षण हेतु संपरीक्षक की नियुक्ति बावद् ।
7. अन्य विषय प्रशासक महोदय जी की अनुमति से ।

प्रबंधक
बी. पेक्स जामगांव पंजी. क्रं. 104

कार्यालय ग्राम पंचायत सिलपुरा जनपद पंचायत मण्डला जिला-मण्डला

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक/ग्रा.प./नि.आम./2026/10 दिनांक 17/09/2026

ग्राम पंचायत सिलपुरा जनपद पंचायत मण्डला जिला मण्डला मप्र द्वारा ग्राम पंचायत में विभिन्न मदो के निर्माण कार्यो हेतु निम्न सामग्री की आवश्यकता है। इच्छुक सप्लायर ट्रेडर्स निर्धारित समय सीमा में अपना निविदा पत्र बंद लिफाफा में जमा कर सकते है। योजना से स्वीकृति होने वाले कार्यो के लिए निम्नलिखित सामग्रियों की आवश्यकता है। जैसे ईंट, रेत, सीमेन्ट, गिट्टी (20एम,40एम) लोहा(08एम,10एम,12एम)एवं खिड़की, दरवाजा, वेन्टीलेशन, सेन्टिंग, मिक्सर मशीन पाइप (90एमएम) एचडीपीई वॉल 04 इंच 03 इंच 02 इंच एवं आदि सामग्री ग्राम पंचायत सिलपुरा अंतर्गत निर्माणाधीन स्थल पर पहुंचाकर प्रदान करने हेतु इच्छुक सप्लायर द्वारा विक्रय हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

टीप-निविदा पत्र कार्यालीन समय में या डाक से जमा कर सकते है।

शर्ते-निविदा अवधि 6 माह तक मान्य होगी। 2-सामग्री निर्माण स्थल पर प्रदान करना होगा। 3-सामग्री की गुणवता निरीक्षण के पश्चात सामग्री ली जायेगी। 4-आवश्यक सामग्री की रॉयल्टी देना होगा। 5-जीएसटी बिल पर ही भुगतान होगा। 6-निविदा स्वीकृत या निरस्त करने का अधिकारी ग्राम पचायंत होगा। 7-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 24/09/2026 को समय 12:00 बजे तक ही लिया जायेगा इसके पश्चात नही लिया जायेगा। 8-निविदा दिनांक 18/09/2026 को ग्राम पंचायत सामान्य सभा बैठक में खोला जायेगा।

सरपंच
ग्राम पंचायत सिलपुरा
जनपद पंचायत मण्डला

सचिव
ग्राम पंचायत सिलपुरा
जनपद पंचायत मण्डला

संपादकीय

कैसी हो हमारी उच्च शिक्षा

व्यवहारिक तौर पर उच्च शिक्षा का उद्देश्य यही है कि पढ़ाई करो, डिग्री हासिल करो, नौकरी प्राप्त करो और करियर बनाओ। इस व्यवस्था ने समाज और देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन आज दुनिया जिस गति से बदल रही है, उसमें केवल डिग्री आधारित शिक्षा पर्याप्त नहीं रह गई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, बदलती अर्थव्यवस्था, जलवायु परिवर्तन और रोजगार के बदलते स्वरूप ने शिक्षा के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। आज के विद्यार्थी को ऐसे भविष्य के लिए तैयार करना है जिसमें उसके सामने नए प्रकार के काम, नई तकनीकें और लगातार बदलती परिस्थितियां होंगी। इसलिए अब प्रश्न केवल यह नहीं है कि हम बेहतर तरीके से कैसे पढ़ाएं? बड़ा प्रश्न यह है कि बदलती दुनिया के लिए हमारी उच्च शिक्षा कैसी होनी चाहिए? मध्य प्रदेश के लिए यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण है। हमें दूसरे राज्यों या देशों के मॉडल की नकल करने के बजाय अपनी भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय परिस्थितियों के अनुरूप उच्च शिक्षा की अपनी दिशा तय करनी होगी।

परंपरागत व्यवस्था में शिक्षा को प्राय: ज्ञान, परीक्षा और डिग्री के आधार पर समझा जाता रहा है। डिग्री का महत्व आज भी है और आगे भी रहेगा, लेकिन अब केवल डिग्री को शैक्षणिक सफलता का अंतिम प्रमाण मानना पर्याप्त नहीं होगा। भविष्य की शिक्षा में ज्ञान के साथ चिंतन, कौशल, चरित्र, अनुभव और बदलती परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की क्षमता का विकास भी आवश्यक है। उच्च शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य ऐसे युवा तैयार करना होना चाहिए जो केवल नौकरी खोजने वाले न हों, बल्कि समस्याओं को समझ सकें, समाधान खोज सकें, नई परिस्थितियों में सीख सकें और आवश्यकता पड़ने पर नए अवसर भी पैदा कर सकें। यही अंतर नौकरी की तैयारी और जीवन तथा करियर के लिए क्षमता निर्माण के बीच है। आज का विद्यार्थी केवल पाठ्यपुस्तक और परीक्षा तक सीमित नहीं रह सकता। उसे वास्तविक जीवन की समस्याओं से जुड़ना होगा। उसे परियोजनाओं, शोध, इंटर्नशिप, सामुदायिक कार्य, उद्यमिता और व्यावहारिक अनुभवों से सीखना होगा। आज सूचना की कोई कमी नहीं है। इंटरनेट, डिजिटल पुस्तकालय और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से विद्यार्थी कुछ ही क्षणों में बहुत बड़ी मात्रा में जानकारी प्राप्त कर सकता है।

इसका अर्थ यह नहीं है कि शिक्षक का महत्व कम हो गया है। बल्कि शिक्षक की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। शिक्षक को अब केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया का मार्गदर्शक बनना होगा। उसे विद्यार्थियों को सही और गलत सूचना में अंतर करना, बेहतर प्रश्न पूछना, तर्क करना, जटिल विषयों को समझना, सहयोग करना और जिम्मेदारी के साथ निर्णय लेना सिखाना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में भी हमें न तो इससे डरने की आवश्यकता है और न ही इसके प्रति अंध-आस्था की। तकनीक का उद्देश्य शिक्षा को बेहतर बनाना होना चाहिए, शिक्षक का स्थान लेना नहीं। भविष्य की उच्च शिक्षा तकनीक-सक्षम हो, लेकिन तकनीक-निर्भर नहीं। मध्य प्रदेश की भौगोलिक स्थिति उसे दूसरे राज्यों से अलग बनाती है। आदिवासी बाहुल्य राज्य होने के कारण यहां संपर्क, परिवहन, संस्थानों का वितरण, विद्यार्थियों की आवाजाही, शिक्षकों की उपलब्धता और आधारभूत ढांचे की लागत जैसी अनेक चुनौतियां हैं। लेकिन हमारे पास जैव-विविधता, बागवानी, पर्यटन, जल संसाधन, वन, स्थानीय ज्ञान, सांस्कृतिक विरासत और जलवायु अध्ययन की अपार संभावनाएं हैं।

यूपीआई शुल्क

सुविधाओं का विस्तार या उपभोक्ता पर बोझ?

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सब्जी वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक, टैक्सी से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक और घरेलू लेन-देन से लेकर व्यावसायिक भुगतान तक-यूपीआई ने पैसे के लेन-देन की आदत, गति और भाषा तीनों बदल दी हैं। ऐसे में यूपीआई से जुड़े शुल्क की व्यवस्था केवल बैंकिंग या फिनटेक कंपनियों का कारोबारी विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उपभोक्ता की आदत, छोटे व्यापार की लागत और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा से है। यहां एक तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सितंबर 2026 में सरकार ने जो नया ढांचा स्पष्ट किया है, उसके अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी को यूपीआई भुगतान किसी भी राशि पर नि:शुल्क रहेगा। रू.2,000 तक के व्यापारी भुगतान पर भी एमडीआर नहीं है। रू.2,000 से अधिक के कुछ पी2एम यानी ग्राहक से व्यापारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर का प्रावधान किया गया है और रू.75,000 या उससे अधिक के लेन-देन पर प्रति लेन-देन अधिकतम रू. 300 की सीमा रखी गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह शुल्क ग्राहक से सीधे वसूल किया जाने वाला लेन-देन शुल्क नहीं है, बल्कि व्यापारी-पक्ष का एमडीआर है।

फिर भी इस बदलाव को केवल 'शुल्क लगा या नहीं लगा' के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है। अगस्त 2026 में यूपीआई पर करीब 24.51 अरब लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग रू.29.82 लाख करोड़ रहा। यह आंकड़ा बताता है कि यूपीआई अब किसी वैकल्पिक भुगतान माध्यम की श्रेणी में नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक जीवन के बुनियादी ढांचे में शामिल हो चुका है। यूपीआई के इस विस्तार के पीछे एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। लोगों ने डिजिटल भुगतान को केवल सुविधा नहीं, स्वाभाविक व्यवहार मान लिया है। पहले दस रुपये, पचास रुपये या सौ रुपये के लिए जेब से नकद निकालना सामान्य

था आज वही भुगतान मोबाइल से कुछ सेकंड में हो जाता है। जब कोई सेवा वर्षों तक नि:शुल्क उपलब्ध रहती है तो उपभोक्ता उसके पीछे मौजूद तकनीकी, बैंकिंग और साइबर-सुरक्षा लागत को लगभग भूल जाता है। इसलिए बाद में किसी प्रकार का शुल्क या लागत सामने आने पर स्वाभाविक रूप से असहजता पैदा होती है। यहीं आधुनिक बाजार व्यवस्था की एक बड़ी विसंगति दिखाई देती है। अनेक डिजिटल और उपभोक्ता सेवाएं पहले मुफ्त, अत्यंत सस्ती या भारी छूट के साथ उपलब्ध कराई जाती हैं। उपभोक्ता को उस सुविधा का अभ्यस्त बनाया जाता है, बाजार में उसका व्यवहार बदलता है और प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ने के बाद लागत की नई संरचना सामने आती है। ओला-उबर जैसी सेवाओं से लेकर ऑनलाइन व्यापार, डिजिटल सदस्यता और विभिन्न प्लेटफॉर्म सेवाओं तक इस मॉडल के अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि हर मामले में यही रणनीति अपनाई जाती है, लेकिन उपभोक्ता के दृष्टिकोण से प्रश्न महत्वपूर्ण है-यदि किसी सेवा की दीर्घकालिक लागत है तो उसकी जानकारी शुरुआत से स्पष्ट क्यों न हो? यूपीआई के मामले में यह प्रश्न और गंभीर है क्योंकि इसके उपयोगकर्ता केवल शहरी मध्यमवर्ग नहीं हैं। छोटे दुकानदार, स्ट्रीट वेंडर, घरेलू उद्यमी, ग्रामीण उपभोक्ता और पहली बार बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े लोग भी इसके बड़े हिस्से हैं। सरकार की 2025 की प्रोत्साहन योजना में भी छोटे व्यापारियों के रू.2,000 तक के भीम-यूपीआई भुगतान को शून्य एमडीआर के दायरे में रखते हुए रू.1,500 करोड़ का प्रावधान किया गया था। इसका उद्देश्य छोटे व्यापारियों के बीच डिजिटल भुगतान को बढ़ाना और भुगतान ढांचे को मजबूत करना था। इसलिए शुल्क की किसी भी व्यवस्था का पहला सिद्धांत होना चाहिए-छोटे भुगतान और छोटे कारोबार की रक्षा। रू.100, रू.500 या रू.1,000 के भुगतान पर लागत बढ़ाने वाला मॉडल डिजिटल समावेशन की भावना के विपरीत जा सकता है। इसके विपरीत बड़े व्यावसायिक भुगतान से जुड़ी लागत को अलग तरीके से देखा जा सकता है, बशर्ते शुल्क पारदर्शी, सीमित और पूर्व घोषित हो तथा उसका भार अनुचित रूप से ग्राहक पर न डाला जाए। यहां डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है। यूपीआई के व्यापक प्रसार ने कार्ड भुगतान को रोजमर्रा के छोटे भुगतानों में पीछे धकेला है। यदि यूपीआई के कुछ बड़े व्यापारी लेन-देन पर लागत बढ़ती है तो कुछ कारोबारी वैकल्पिक भुगतान माध्यमों की ओर देख सकते हैं। कार्ड, नेट बैंकिंग, वॉलेट या अन्य डिजिटल माध्यम फिर कुछ क्षेत्रों में अधिक सक्रिय हो सकते हैं। इससे भुगतान बाजार में विविधता बढ़ सकती है, लेकिन यदि उपभोक्ता को हर माध्यम में अलग-अलग शुल्क, सुविधा और शर्तों का सामना करना पड़े तो डिजिटल भुगतान की सरलता कमजोर भी हो सकती है। इसलिए प्रतिस्पर्धा का उद्देश्य केवल माध्यम बदलना नहीं, बल्कि उपभोक्ता को बेहतर विकल्प देना होना चाहिए। दूसरी ओर यूपीआई को मुफ्त बनाए रखने की भी कीमत है। भुगतान प्रणाली को चौबीसों घंटे चलाने के लिए बैंकिंग सर्वर, डेटा सेंटर, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने वाली प्रणालियां, ग्राहक सहायता और तकनीकी उन्नयन पर लगातार खर्च होता है। जैसे-जैसे लेन-देन बढ़ते हैं, वैसे-वैसे विश्वसनीयता और क्षमता पर निवेश की आवश्यकता भी बढ़ती है। सरकार की 2025 की योजना में भी तकनीकी विफलताओं को घटाने और सिस्टम अपटाइम सुधारने को प्रोत्साहन से जोड़ा गया था। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि यूपीआई की हर सेवा हमेशा मुफ्त रहे या नहीं, सवाल यह होना चाहिए कि उसकी लागत का न्यायपूर्ण और पारदर्शी वितरण कैसे हो। सरकार, बैंक, फिनटेक कंपनियां और भुगतान नेटवर्क यदि इस व्यवस्था से आर्थिक लाभ लेते हैं तो उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा, विश्वसनीयता और नवाचार पर पर्याप्त निवेश हो। शुल्क का उद्देश्य केवल राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि बेहतर डिजिटल भुगतान व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा होना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात उपभोक्ता विश्वास की है। डिजिटल अर्थव्यवस्था विश्वास पर चलती है। यदि आज किसी सेवा को 'मुफ्त' बताया जाए और कल अचानक उसकी लागत सामने आए, तो उपभोक्ता में अविश्वास पैदा हो सकता है। इसलिए भविष्य में किसी भी डिजिटल भुगतान व्यवस्था की शुरुआत करते समय उसकी संभावित लागत, शुल्क संरचना और उसे लागू करने की परिस्थितियां पहले से स्पष्ट होनी चाहिए। उपभोक्ता को यह पता होना चाहिए कि कौन-सी सेवा नि:शुल्क है, किस पर लागत है, लागत कौन वहन करेगा और उसका अधिकतम स्तर क्या होगा। भारत तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार कर रहा है। ऐसे समय में यूपीआई की सफलता को केवल लेन-देन की संख्या से नहीं, बल्कि उसकी स्थिरता, सुरक्षा, पहुंच और उपभोक्ता विश्वास से मापना होगा। भारत की विकास-आकांक्षाओं के लिए उत्पादकता, नवाचार और मजबूत डिजिटल आधारभूत ढांचा महत्वपूर्ण हैं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी भारत की उत्पादकता और नवाचार क्षमता को दीर्घकालिक विकास से जोड़ता है। यूपीआई शुल्क की बहस इसलिए वास्तव में 'शुल्क बनाम मुफ्त' की बहस नहीं है। यह उस आर्थिक दर्शन की परीक्षा है जिसमें डिजिटल सुविधा आम आदमी तक सस्ती, सरल और सुरक्षित रूप में पहुंचती है। छोटे भुगतान मुफ्त रहें, छोटे व्यापारियों पर अनावश्यक भार न पड़े, बड़े व्यावसायिक लेन-देन में लागत की तार्किक व्यवस्था हो, शुल्क की जानकारी पहले से सार्वजनिक हो और उससे प्राप्त संसाधन भुगतान प्रणाली की सुरक्षा व क्षमता बढ़ाने में लगें, ऐसा संतुलन ही टिकाऊ रास्ता हो सकता है। भारत को डिजिटल भुगतान का विस्तार रोकना नहीं, बल्कि उसकी अगली पीढ़ी तैयार करनी है। यूपीआई की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने भुगतान को बैंक की शाखा और बटुए की सीमा से निकालकर मोबाइल की स्क्रीन तक पहुंचा दिया। अब अगली चुनौती यह है कि यह सुविधा आर्थिक रूप से टिकाऊ भी रहे और आम उपभोक्ता के लिए सहज भी।

कृष्ण में खो जाने की अविरल धारा है, राधा

राधाष्टमी केवल राधा जी के जन्म का उत्सव नहीं है, बल्कि यह प्रेम के उस स्वरूप को समझने का अवसर है, जिसमें पाने से अधिक महत्व समर्पण का है। संसार में हम जिसे प्रेम कहते हैं, उसमें अक्सर कोई न कोई अपेक्षा छिपी रहती है, साथ मिले, अपनापन मिले, बदले में प्रेम मिले। लेकिन राधा का प्रेम इन अपेक्षाओं से बहुत ऊपर है। वहां प्रेम किसी को अपना बनाने का प्रयास नहीं, बल्कि स्वयं को प्रियतम में पूरी तरह समर्पित कर देने की साधना है। इसीलिए राधा को केवल कृष्ण की प्रेयसी के रूप में देखना उनके आध्यात्मिक स्वरूप को सीमित कर देना होगा। राधा उस प्रेम की प्रतीक हैं, जिसमें प्रेमी का अपना अस्तित्व धीरे-धीरे मिटने लगता है और प्रिय ही उसके जीवन का केंद्र बन जाता है। ईश्वर तक पहुंचने के अनेक मार्ग बताए गए हैं ज्ञान, कर्म, योग और भक्ति। लेकिन प्रेम का मार्ग सबसे सहज है। जब हृदय में सच्चा प्रेम जागता है तो अहंकार अपने आप कमजोर पड़ने लगता है। शिकायतों की जगह स्वीकार आता है, अपेक्षाओं की जगह समर्पण और दूरी की जगह आत्मीयता जन्म लेती है। इसी कारण प्रेम को हर पीड़ा का अंत और हर शुभ का आरंभ कहा गया

है।राधा इसी प्रेम की सर्वोच्च अनुभूति हैं। 'जो धरती के आकर्षण से नीचे की ओर बहे वो धारा और जो आकर्षण तोड़ कर ऊपर की ओर जाये वो राधा'। अर्थात धरती का आकर्षण किसी धारा को नीचे की ओर बहाता है। वह अपने उद्गम से निकलकर आगे बढ़ती है और अंतत: सागर में मिलकर अपना अलग अस्तित्व खो देती है। लेकिन राधा की आध्यात्मिक यात्रा इसके विपरीत है। वे संसार के आकर्षण से ऊपर उठने की प्रेरणा देती हैं। बाहरी संसार से भीतर की ओर लौटना और अपने मूल स्रोत तक पहुंचना ही राधा तत्व का संकेत है। मनुष्य का जीवन भी एक धारा जैसा ही है। जन्म से लेकर मृत्यु तक हम लगातार बाहर की ओर भागते रहते हैं, सुख, संपत्ति, प्रतिष्ठा, संबंध और इच्छाओं के पीछे। हमें लगता है कि अगली उपलब्धि हमें पूर्ण कर देगी, लेकिन एक इच्छा पूरी होते ही दूसरी सामने खड़ी हो जाती है। राधा हमें इस दौड़ से हटाकर भीतर देखने की प्रेरणा देती हैं।

राधा का प्रेम हमें सिखाता है कि ईश्वर को पाने के लिए संसार से भागना आवश्यक नहीं है। आवश्यकता केवल इतनी है कि मन के भीतर बैठे अहंकार को धीरे-धीरे विदा किया जाए। जब 'मैं' कम होने लगता है, तब 'तुम' का अनुभव गहरा होने लगता है और यही अनुभव आगे चलकर भक्ति में बदल जाता है। इसी भाव को एक सुंदर आध्यात्मिक प्रतीक में समझा जा सकता है, हर छूटती सांस कृष्ण है और हर भीतर आती सांस राधा। एक सांस हमें जीवन से बाहर की ओर ले जाती है और दूसरी फिर जीवन से जोड़ देती है। जैसे प्रत्येक क्षण राधा और कृष्ण का एक मौन संवाद हमारे भीतर चलता रहता हो।

कृष्ण जीवन के सार हैं तो राधा उस सार को अनुभव करने का आधार। कृष्ण परम चेतना हैं तो राधा उस चेतना तक पहुंचने वाली प्रेममयी अनुभूति। कृष्ण को जानने का प्रयास ज्ञान हो सकता है, लेकिन कृष्ण को हृदय से महसूस करना प्रेम है। और प्रेम की उसी अनुभूति का नाम राधा है। इसलिए राधाष्टमी का पर्व केवल पूजा और उत्सव तक सीमित न रहे। यह हमारे लिए आत्मचिंतन का अवसर बने। हम अपने संबंधों में देखें कि हमारा प्रेम कितना निस्वार्थ है, हमारी भक्ति में कितनी अपेक्षा है और हमारे समर्पण में कितना अहंकार बचा हुआ है।

क्योंकि राधा का संदेश यही है कि प्रेम में सबसे बड़ी उपलब्धि किसी को पा लेना नहीं, बल्कि अपने भीतर के 'मैं' को खो देना है। जब अहंकार मिटता है तो प्रेम प्रकट होता है, और जहां प्रेम पूर्ण होता है, वहां भक्त और भगवान के बीच दूरी नहीं रह जाती। राधा उसी मिटती हुई दूरी का नाम हैं। इस राधाष्टमी पर यदि हम राधा को सच में समझना चाहते हैं, तो केवल उनके चरणों में फूल चढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। अपने भीतर प्रेम, करुणा, समर्पण और अहंकार से मुक्ति के कुछ फूल भी खिलाने होंगे। कृष्ण जीवन का सार हैं, राधा जीवन का आधार; कृष्ण परम सत्य हैं, तो उस सत्य तक पहुंचने वाली सबसे कोमल अनुभूति राधा हैं।

राधा रानी के प्रिय भोग – इस खास मौके पर आप राधा रानी को मालपुआ और रबड़ी का भोग लगाएं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मालपुआ और रबड़ी का भोग राधा अष्टमी को अधिक प्रिय है। राधा अष्टमी के दिन श्रीजी को पंचामृत का भोग जरुर लगाएं। दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल मिलाकर पंचामृत का भोग जरुर लगाएं। राधा-रानी को भी भगवान कृष्ण की तरह ही धनिया की पंजरी का भोग अति प्रिय है। इसलिए इस दिन राधा रानी के साथ-साथ भगवान कृष्ण को भी धनिया पंजीरी का भोग अर्पित करें। खासतौर पर भगवान कृष्ण को माखन मिश्री अधिक प्रिय है। इसलिए राधा अष्टमी के दिन राधा रानी के माखन मिश्री का भोग जरुर लगाएं। राधा रानी को इस दिन आप खीर का भोग अर्पित कर सकते हैं। आप चाहे तो चावल की खीर या मखाने की खीर भी बना सकते हैं। राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को अरबी का भोग जरुर लगाएं।

एआई की दौड़ और सुरक्षा का सवाल: भारत के सामने बड़ी चुनौती, सुरक्षित तकनीक और जवाबदेही का ढांचा भी चाहिए

पत्रलेखा चटर्जी

भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को अक्सर एक ऐसे बड़े मौके के तौर पर पेश किया जाता है, जिसे छोड़ा नहीं जा सकता। यह सरकारी सेवाओं को बेहतर बना सकता है, डॉक्टरों की मदद कर सकता है, शिक्षा में बदलाव ला सकता है, कारोबारों की उत्पादकता बढ़ा सकता है और तकनीकी कंपनियों की एक नई पीढ़ी तैयार कर सकता है। भारत जहां इस बात पर ध्यान दे रहा है कि वह कितनी तेजी से एआई बना और लागू कर सकता है, वहीं दूसरी जगहों पर एक ज्यादा मुश्किल चर्चा जारी है कि ये सिस्टम कितने सुरक्षित हैं, और इनके विफल होने पर कौन जिम्मेदार होगा? हाल के दिनों में, ओपनएआई और एंथ्रोपिक जैसी अमेरिकी कंपनियों के प्रमुख अधिकारियों व शोधकर्ताओं ने एआई की दौड़ की रफ्तार और दिशा पर सवाल उठाए हैं। भारत जैसे देश में, जो अपनी तकनीकी महत्वाकांक्षा दिखाना चाहता है, एआई की सुरक्षा एक अजीब विषय है। यह अमीर देशों से आई एक ऐसी चिंता लग सकती है, जिन्होंने पहले ही शक्तिशाली मॉडल बना लिए हैं और अब अगली पीढ़ी को विनियमित करना चाहते हैं। अपनी बड़ी आबादी, असमान सार्वजनिक सेवाओं और विकास की जरूरतों के कारण, भारत के पास एआई के व्यावहारिक इस्तेमाल पर ध्यान देने के ठोस कारण हैं। भारत में, भरोसे के लायक न होने या ठीक से प्रबंधित न किए जाने वाले एआई के नतीजे बहुत अलग-अलग हो सकते हैं। भारतीय डाटा की कमी पर प्रशिक्षित किया गया कोई सिस्टम तटस्थ और कुशल दिखते हुए भी सामाजिक भेदभाव को बढ़ावा दे सकता है। एआई से होने वाली धोखाधड़ी, गलत जानकारी और साइबर हमले पहले ही हकीकत बन चुके हैं। ज्यादा स्वायत्त सिस्टम ऐसे नुकसान को और तेज, सस्ता और पता लगाने में मुश्किल बना सकते हैं। चुनावों पर असर को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की चेतावनी ऐसे देश में अहम है, जहां राजनीतिक चर्चाएं पहले से ही बहुत ज्यादा बंटे हुए डिजिटल नेटवर्क के जरिये होती हैं। इंडिया एआई मिशन में 'सुरक्षित और भरोसेमंद एआई' का एक अहम हिस्सा शामिल है और सरकार 'इंडिया एआई सेफ्टी इंस्टीट्यूट' बना रही है। देश ने एआई गवर्नेंस से जुड़े दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं और एआई गवर्नेंस की अंतरराष्ट्रीय पहलों में हिस्सा लिया है। लेकिन, ये उपाय अब भी ज्यादातर हल्के-फुल्के और स्वैच्छिक ढांचे पर आधारित हैं। ये स्वतंत्र परीक्षण, लागू करने योग्य जवाबदेही या सार्वजनिक जवाबदेही जैसे नहीं हैं। ब्राजील का प्रस्तावित एआई कानून जोखिम पर आधारित तरीका अपनाता है, जिसमें उन सिस्टम के लिए ज्यादा जिम्मेदारियां तय की गई हैं, जिनसे मौलिक अधिकारों और सार्वजनिक सुरक्षा को ज्यादा जोखिम होता है। ब्राजील स्वैच्छिक सिद्धांतों से आगे बढ़कर बाध्यकारी नियमों की ओर बढ़ना चाह रहा है, जबकि भारत ने एक ऐसा राष्ट्रीय ढांचा तैयार किया है, जो स्वैच्छिक अनुपालन और उद्योग भागीदारी पर निर्भर है, जबकि सेक्टर के रेगुलेटर ज्यादा मजबूत सरकारी निगरानी की जरूरत बता रहे हैं। एआई के क्षेत्र में भारत की महत्वाकांक्षा जायज है। लेकिन, कोई देश सिर्फ ज्यादा मॉडल बनाकर, ज्यादा निवेश आकर्षित करके या ज्यादा शिखर सम्मेलन आयोजित करके ही जिम्मेदार एआई ताकत नहीं बन सकता। इसके लिए जरूरी है कि सिस्टम को बड़े पैमाने पर लागू करने से पहले मुश्किल सवाल पूछने की क्षमता भी विकसित की जाए।

अभिषेक शर्मा रिकॉर्ड: क्रिकेटर अभिषेक शर्मा की मैदान की आक्रामकता और मन की नीरवता

विनोद पाठक

क्रिकेट के मैदान पर आक्रामक शतकों की गूंज और दर्शकों का कोलाहल स्वाभाविक है, लेकिन जब कोई बल्लेबाज मात्र 30 गेंदों में भारत का सबसे तेज टी-20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ने के बाद पिच पर पद्मासन लगाकर योग-ध्यान की मुद्रा में बैठ जाए तो वह क्षण मात्र खेल का नहीं रह जाता। वह दृश्य अध्यात्म, मानसिक नियंत्रण और अद्वितीय प्रतिभा के संगम का प्रतीक बन जाता है।

अफगानिस्तान के खिलाफ अभिषेक शर्मा का दमदार प्रदर्शन

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा ने बिल्कुल ऐसा ही दृश्य पेश किया। इस मैच में अभिषेक शर्मा की बल्लेबाजी में असाधारण स्पष्टता और लय नजर आई। गेंदबाजों की हर गेंद को सीमा रेखा के पार भेजने का इरादा रखते हुए उन्होंने रोहित शर्मा के 35 गेंदों में बनाए गए भारत के सबसे तेज टी-20 अंतरराष्ट्रीय शतक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

जब क्रिकेट मैदान में लगाई थी ध्यान मुद्रा

शतक पूरा करते ही अभिषेक शर्मा ने अपना हेलमेट उतारा, मैदान की पिच पर पद्मासन लगाकर बैठ गए। आंखें बंदकर हाथों को घुटनों पर रखते हुए ध्यान की मुद्रा धारण की। दरअसल, सनातन परंपरा और योगशास्त्र में इस मुद्रा का संबंध आदिगुरु भगवान शिव से है। भगवान शिव को आदियोगी माना गया है। वे जहां एक तरफ तांडव के जरिए प्रचंड शक्ति और विनाशकारी ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करते हैं, वहीं दूसरी तरफ समाधि में लीन होकर अनंत शांति और परम चेतना का

साक्षात्कार कराते हैं।

खेल की उग्रता को शांत करने का तरीका

अभिषेक शर्मा के बल्ले का प्रदर्शन मैदान पर शिव के तांडव जैसी ऊर्जा और उग्रता से भरा था, लेकिन शतक के तुरंत बाद पिच पर बैठकर ध्यान लगाना उसी उग्रता को शांत समाधि में रूपांतरित करने का प्रतीक था। यह मुद्रा दर्शाती है कि जब इंसान अपनी चरम क्षमता और सफलता को हासिल कर लेता है, तब उसे अहंकार के बजाय ईश्वर के प्रति कृतज्ञता और अपने भीतर की नीरवता में लौटना चाहिए।

योग और ध्यान का अभ्यास करते हैं अभिषेक शर्मा

मैदान पर दिखाई दिया यह दृश्य अचानक नहीं था। इसके पीछे उनकी अंतर्निहित भक्ति साधना और मानसिक अभ्यास का गहरा हाथ है। अभिषेक शर्मा ने अपने पूर्व के साक्षात्कारों में इस बात का उल्लेख किया है कि वो अपनी दिनचर्या में नियमित ध्यान और योग को शामिल करते हैं। वे मानते हैं कि खेल के दबाव और बाहरी शोर से निपटने के लिए मन को शांत रखना सबसे प्रभावी माध्यम है।

मैचों से पहले और अपनी यात्राओं के दौरान वे मंदिरों के दर्शन कर मानसिक संबल प्राप्त करते हैं। शतक के बाद पिच पर ध्यान साधना उनके लिए केवल उत्सव मनाने का जरिया नहीं, अपितु भगवान शिव और परमेश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक मौन और पावन माध्यम था।

भारत के सबसे तेज टी-20 शतक का कीर्तिमान

अभिषेक शर्मा की यह ऐतिहासिक पारी यह सिद्ध करती है कि जब कठोर परिश्रम को योग, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक चेतना का साथ मिलता है तो सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित होते हैं। उनकी यह पारी न केवल भारत के सबसे तेज टी-20 शतक के रूप में दर्ज रहेगी, बल्कि मैदान पर भगवान शिव के ध्यानी रूप की उस झलक के लिए भी याद की जाएगी, जिसने साबित किया कि महा-तूफान के बीच भी अंतर्मन को शांत रखा जा सकता है।

प्रतिभा के साथ आस्था और अनुशासन

गौरतलब है कि टीम इंडिया के कई सितारे अपनी असाधारण खेल प्रतिभा के साथ-साथ गहरी धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक अनुशासन के लिए भी जाने जाते हैं। विराट कोहली यह स्वीकार कर चुके हैं कि आध्यात्मिकता से उन्हें जीवन और खेल में शांति और संतुलन प्राप्त होता है। रोहित शर्मा, के.एल. राहुल, सूर्यकुमार यादव, महेंद्र सिंह धोनी, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव समेत कई खिलाड़ी अपनी धार्मिक परंपराओं और पूजा-पाठ से गहरे जुड़े हुए हैं।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
शनिवार 19 सिंतबर 2026

चीन से जुड़ी चिंताओं के बावजूद ट्रम्प प्रशासन ने सऊदी अरब को 24.3 अरब डॉलर के एफ-35 बेचे जाने को हरी झंडी दी

वाशिंगटन, (वार्ता)

अमेरिकी सांसदों और रक्षा अधिकारियों की चिंताओं के बावजूद कि यह सौदा चीन को बेहद संवेदनशील अमेरिकी सैन्य तकनीक तक पहुंच दे सकता है, ट्रम्प प्रशासन ने सऊदी अरब को 24.3 अरब डॉलर में 48 एफ-35 लड़ाकू विमान बेचे जाने के संभावित सौदे को मंजूरी दे दी है।

इस प्रस्तावित बिक्री से सऊदी अरब को 48 उन्नत स्टेल्थ लड़ाकू विमान मिलेंगे, जिससे उसका प्रस्तावित बेड़ा लगभग इजरायल के वर्तमान 50 एफ-35 विमानों के बराबर हो जायेगा।

इस सौदे को अब भी अमेरिकी संसद (कांग्रेस) की समीक्षा की आवश्यकता है और इसे उन सांसदों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है, जो लंबे समय से सऊदी अरब को हथियारों की बिक्री को लेकर आशंकित रहे हैं। इजरायल ने भी यह विमान सऊदी अरब को सौंपे जाने का विरोध किया है।

सऊदी अरब के चीन के साथ गहरे सैन्य और सुरक्षा संबंध हैं, जिससे एफ-35 की संवेदनशील तकनीक की सुरक्षा को लेकर अमेरिका की चिंताएं बढ़ गयी हैं।

विदेश विभाग ने कहा,यह प्रस्तावित बिक्री अमेरिकी विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगी और क्षेत्र में सैन्य संतुलन को प्रभावित नहीं करेगी।

ट्रम्प प्रशासन ने शुक्रवार को सऊदी अरब को 24.3 अरब डॉलर में 48 एफ-35 लड़ाकू विमानों की संभावित बिक्री को मंजूरी दी, जिससे सऊदी अरब के लिए पहली बार यह उन्नत अमेरिकी स्टेल्थ विमान हासिल करने का रास्ता साफ हो गया है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि यह प्रस्तावित बिक्री सऊदी अरब की सुरक्षा को मजबूत कर अमेरिका के विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों में मदद करेगी। विदेश विभाग ने सऊदी अरब को एक प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी और खाड़ी में स्थिरता व आर्थिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण ताकत बताया।

इस पूरे पैकेज में 48 एफ-35 लाइटनिंग-2 विमान, 49 प्रैट एंड ह्विटनी एफ135 इंजन, संचार उपकरण, प्रशिक्षण, कल पुर्जे, रख-रखाव और रसद सहायता शामिल हैं। यह प्रस्ताव अब अमेरिकी संसद की समीक्षा प्रक्रिया से गुजरेगा।

विदेश विभाग ने कहा कि यह प्रस्तावित बिक्री क्षेत्र में सैन्य संतुलन को प्रभावित नहीं करेगी जो क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों पर इजरायल की गुणात्मक सैन्य बढ़त को बनाये रखने की अमेरिका की पुरानी नीति को दर्शाती है।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब यमन में सऊदी अरब और ईरान समर्थित हूती बलों के बीच लड़ाई तेज हो गयी है। सऊदी अरब ने इस संघर्ष में अमेरिका से अधिक भागीदारी की मांग की है, जबकि अमेरिका ने अब तक सऊदी अरब की ओर से सीधे हस्तक्षेप करने से परहेज किया है।

हूतियों ने बुधवार को दावा किया कि उन्होंने मारिब के ऊपर एक सऊदी एफ-15 लड़ाकू विमान को मार गिराया है। कई मोर्चों पर जारी लड़ाई के बीच हूती नियंत्रित मीडिया ने गुरुवार को यमन में सऊदी अरब के नये हवाई हमलों की भी जानकारी दी।

अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने इस आशंका पर चिंता व्यक्त की है कि चीन, सऊदी अरब के साथ अपने बढ़ते सैन्य व सुरक्षा संबंधों के जरिये संवेदनशील एफ-35 तकनीक तक पहुंच हासिल कर सकता है।

हाउस इंटेलिजेंस कमेटी के सदस्य और डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि राजा कृष्णमूर्ति ने इन्हीं आधारों पर इस प्रस्तावित बिक्री का विरोध किया और चेतावनी दी कि इस समझौते में अमेरिकी सैन्य तकनीक के सबसे कीमती रत्नों को चीन की पहुंच में लाने का जोखिम है। अन्य अमेरिकी सांसदों और रक्षा अधिकारियों ने भी संवेदनशील तकनीक के संभावित हस्तांतरण या उजागर होने पर चिंता जतायी है।

सऊदी अरब वर्षों से एफ-35 हासिल करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन अमेरिका ने पहले इस अनुरोध को टाल दिया था। इसका एक कारण यह भी था कि इजरायल वर्तमान में पश्चिम एशिया का एकमात्र ऐसा देश है, जो इस विमान का संचालन कर रहा है और उसे लंबे समय से सबसे उन्नत अमेरिकी हथियारों तक पहुंच की गारंटी दी गयी है।

फिलीपींस के हाईस्कूल में ताबड़तोड़ फायरिंग से हड़कंप, शूटर समेत तीन की मौत और 8 घायल

मनीला

दक्षिण फिलीपिंस के एक हाई स्कूल में गोलीबारी की घटना हुई, गोलीवारी में हमलावर सहित 3 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने मामले की जानकारी देते हुए बताया देश के दक्षिणी हिस्से में जून के बाद हुई गोलीबारी की ये तीसरी घटना है, इससे पहले फिलीपिंस के स्कूलों में इस तरह की कम ही घटनाएं होती थीं। साउथ कोटाबाटो के बांगा शहर के मेयर अल्बर्ट पालेन्सिया ने मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया, इस घटना में 8 लोग घायल हैं, जिनमें से 4 लोगों की हालत गंभीर है। वहीं हादसे में तीन छात्रों की मौत हो गई है।

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक पालेन्सिया ने बताया हमलावर अपने दोस्तों के साथ बैठा था और उसने उनसे घर जाने के लिए कहा। हमलावर ने अपने दोस्तों से कहा, लंच के बाद मैं अपने प्लान को अंजाम देने वाला हूं। उसके दोस्त उसकी इस बात पर हंसने लगे, क्योंकि शूटर काफी मजाकिया स्वाभाव का था। पालेन्सिया ने मामले की जानकारी देते हुए आगे बताया, लंच के बाद शूटर ने छात्रों पर गोली चलाना शुरू कर दी और खुद को मारने से

पहले उसने 10 छात्रों को गोली मारी। फिलिपिंस के स्कूलों में गोलीबारी की घटनाएं पहले बहुत कम होती थीं। लेकिन जून के बाद से यह ऐसी तीसरी जानलेवा घटना सामने आई है। पिछले महीने, देश के दक्षिण में ज़ाम्बोआंगा के एक क्लासरूम में एक छात्र ने दूसरे छात्र की गोली मारकर हत्या करने का वीडियो लाइव-स्ट्रीम किया और फिर खुदकुशी कर ली।

इससे पहले जून में टैकलोबन के एक पब्लिक हाई स्कूल में हुए हमले में कम से कम तीन छात्र मारे गए और लगभग 20 लोग घायल हो गए थे। इस हमले में दो सहपाठियों ने कैंपस में गोलीबारी की थी। शुक्रवार की यह गोलीबारी अगस्त में थाईलैंड में हुई एक हाई-प्रोफाइल घटना के बाद हुई है, जिसमें एक छात्र ने राजधानी बैंकॉक के बाहरी इलाके में स्थित एक स्कूल में अंधाधुंध गोलीबारी की थी। फिलीपींस में बंदूक रखने के नियम काफी सख्त हैं, जिनमें बैकग्राउंड चेक और मनोवैज्ञानिक जांच की जरूरतें शामिल हैं, हालांकि अवैध हथियार अभी भी चलन में हैं। साउथ कोटाबाटो के गवर्नर रेनाल्डो तमायो ने माता-पिता से अपील की कि वे यह सुनिश्चित करें कि बंदूकें नाबालिगों की पहुंच से दूर रखी जाएं।

तमायो ने बताया, हमें हथियार रखने के मामले में जिम्मेदार होने की जरूरत है। खासकर बंदूक मालिकों को ये पक्का करना चाहिए कि नाबालिग की उन तक पहुंच न हो। उन्होंने फिलींपस के नागरिकों से अपील करते हुए कहा, हम ये उम्मीद नहीं कर सकते हैं कि कुछ सुरक्षाकर्मी हजारों छात्रों पर नजर रखेंगे। हमें मिलकर काम करने की जरूरत है क्योंकि ऐसा न करने पर इस समस्या से निपटना हमारे लिए मुश्किल होगा।

सऊदी अरब के साथ रणनीतिक रक्षा समझौतों और मक्का रक्षा संधि को लागू करने के लिए प्रतिबद्धः पाकिस्तान

इस्लामाबाद, (वार्ता)। यमन के हूती विद्रोही हमलों के बीच सऊदी अरब की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच पाकिस्तान ने गुरुवार को कहा कि वह सऊदी अरब के साथ सामरिक पारस्परिक रक्षा समझौते और त्रिपक्षीय मक्का रक्षा गठबंधन को लागू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता सज्जाद हैदर खान ने अपने साप्ताहिक कार्यक्रम में कहा कि सऊदी अरब और तुर्की के साथ पाकिस्तान के रक्षा संबंध काफी पुराने और मजबूत हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मक्का समझौते का उद्देश्य इन देशों के बीच मौजूदा रक्षा सहयोग को और अधिक मजबूती प्रदान करना है। यह बयान सऊदी अरब पर यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा तेज किए गए हमलों की पृष्ठभूमि में आया है। इससे एक दिन पहले, हूतियों के खिलाफ लड़ रहे सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने विद्रोहियों पर पवित्र शहर मक्का को निशाना बनाने की कोशिश करने का आरोप लगाया था, जिसकी मुस्लिम जगत में व्यापक निंदा हुई। हूती समूह ने हालांकि इस आरोप को खारिज करते हुए इसे झूठ करार दिया है। हूती हमलों को रोकने के लिए पाकिस्तान के तरीके के बारे में पूछे जाने पर प्रवक्ता ने कहा कि दोनों रक्षा समझौतों को लागू करने के लिए पाकिस्तान प्रतिबद्ध है, लेकिन संचालन का विवरण सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। प्रवक्ता ने बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के आसपास सुरक्षा स्थिति को बेहद गंभीर बताते हुए हूती विद्रोहियों से अपनी गतिविधियां रोकने का आह्वान किया। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान क्षेत्रीय तनाव कम करने के लिए हमेशा बातचीत और कूटनीति का पक्षधर रहा है। विदेश कार्यालय के अनुसार, पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच मक्का समझौता पूरी तरह से रक्षात्मक प्रकृति का है और यह किसी विशेष देश के खिलाफ निर्देशित नहीं है। इसका उद्देश्य प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, रक्षा प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के क्षेत्रों का विस्तार करना है।

कश्मीर में सर्दियों ने दी दस्तक, बर्फ से सफेद हुए गुलमर्ग और गुरेज वैली

श्रीनगर

कश्मीर की वादियों में मौसम ने अचानक करवट ली है। अभी घाटी पूरी तरह सर्दियों के आगोश में नहीं आई है, लेकिन ऊंचे पहाड़ों पर मौसम ने बर्फ की पहली सफेद इबारत लिख दी है। गुरुवार को गुलमर्ग और गुरेज के ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम की पहली बर्फबारी हुई, जिसने हरे-भरे पहाड़ों को देखते ही देखते सफेद चादर में ढक दिया। वहीं, कश्मीर घाटी के मैदानी इलाकों में रातभर हुई बारिश ने मौसम में ठंडक घोल दी।

हम आपको बता दें कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित मशहूर पर्यटन स्थल गुलमर्ग में रात के दौरान ऊपरी इलाकों में बर्फबारी दर्ज की गई। अफरवात और गोंडोला के फेज-2 जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्र ताजा बर्फ से ढक गए। पहाड़ों पर जमी बर्फ की पतली परत ने गुलमर्ग की

खूबसूरती में एक नया रंग भर दिया है। देवदार के पेड़ों और पर्वतीय ढलानों के बीच चमकती सफेदी ऐसा दृश्य प्रस्तुत कर रही है, मानो प्रकृति ने सर्दियों के स्वागत में खुद को सफेद परिधान से सजा लिया हो। उधर, गुरेज घाटी के तुलैल क्षेत्र में स्थित काबुल गली ने भी मौसम की पहली बर्फ का स्वागत किया। ऊंचाई पर बसे इस इलाके में तापमान गिरने के साथ ही पहाड़ों ने सफेदी ओढ़ ली। काबुल गली, तुलैल घाटी और आसपास के अन्य ऊंचाई वाले इलाकों में हुई बर्फबारी ने हरे पहाड़ों को एक मनमोहक शीतकालीन तस्वीर में बदल दिया है। हम आपको बता दें कि गुरेज की ऊंची पर्वत श्रृंखलाओं के बीच बसी तुलैल घाटी वैसे भी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जानी जाती है। यहां पहली बर्फबारी का दृश्य पर्यटकों के लिए किसी जीवंत चित्र से कम नहीं है। दूर तक फैली पहाड़ी ढलानों पर ताजा बर्फ, ठंडी हवाओं की सरसराहट और बादलों से घिरे पहाड़ कश्मीर की उस तस्वीर को सामने ला रहे हैं, जिसे देखने का सपना देश-विदेश से आने वाले अनेक पर्यटक देखते हैं।

हालांकि पहाड़ों पर बर्फबारी हुई, लेकिन घाटी के मैदानी इलाकों में बारिश का दौर जारी रहा। श्रीनगर समेत कश्मीर घाटी के कई हिस्सों में रातभर बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर में कई स्थानों पर हल्की बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारों का अनुमान जताया है।

शुक्रवार से मौसम के मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। उधर, पहली बर्फबारी के साथ गुलमर्ग और गुरेज के ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड भी बढ़ गई है। पर्वतीय मार्गों पर यात्रा करने वालों को बदलते मौसम और तेजी से गिरते तापमान को देखते हुए सावधानी बरतने की जरूरत होगी।

नेपाल त्रासदी

बिना शव के नहीं बन रहा डेथ सर्टिफिकेट, परिजनों की मांग- लापता लोगों को मृत घोषित करे सरकार

काठमाण्डू। नेपाल में 26 अगस्त को आई भयानक बाढ़ में लापता लोगों के परिवारों ने सरकार से उन्हें मृत घोषित करने के लिए एक तेज कानूनी प्रक्रिया बनाने की मांग की है। उनका कहना है कि शव और मृत्यु प्रमाण पत्र न होने के कारण मुआवजा, बीमा क्लेम, बैंक से जुड़ी सुविधाएं, विरासत और संपत्ति के ट्रांसफर जैसे काम रूके हुए हैं। यह मांग और तब तेज हो गई जब अधिकारियों ने लापता लोगों की संख्या 5,179 से बढ़ाकर 6,150 कर दी, जबकि मरने वालों की संख्या 1,403 थी और इनमें से अभी केवल 158 शवों की पहचान हो पाई थी।

नेपाल त्रासदी में लापता हुए कुछ लोगों के परिवार और रिश्तेदार अब उनके मिलने की उम्मीद खो चुके हैं, जिसके बाद उन्होंने शव नहीं मिलने की स्थिति में कुशा घास से पुतले बनाकर प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार किया है। हालांकि कानूनी तौर पर वे अभी भी राहत और वित्तीय निपटान के लिए जरूरी मृत्यु प्रमाण पत्र हासिल नहीं कर पा रहे हैं।

नेपाल का सिविल कोड आम तौर पर किसी ऐसे व्यक्ति को मृत मानने की अनुमति देता है जो लगातार 12 सालों से लापता है। हालांकि धारा 40 (4) रिश्तेदारों को न्यायिक मृत्यु घोषणा की मांग करने की अनुमति देती है।जब कोई व्यक्ति किसी आपदा या दुर्घटना में लापता हो जाता है या उसके मारे जाने की आशंका होती है, तो अदालत बिना शव के भी ऐसा आदेश जारी कर सकती है। लेकिन ऐसा तभी होता है जब हालात साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत हों। नुवाकोट के मुख्य जिला अधिकारी शंभू प्रसाद रेग्मी ने परिवारों की अनिश्चितता को स्वीकार किया और कहा कि अधिकारियों ने उन लापता लोगों के परिवारों को भी वही सुविधाएं देने पर चर्चा की है जो मृतक के परिवारों को मिलती हैं।

मेडिकल कॉलेजों में एससी आरक्षण पर हाईकोर्ट की रोक के बाद मायावती ने सरकार को सुप्रीम कोर्ट जाने की सलाह दी

लखनऊ, (वार्ता)

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने उत्तर प्रदेश के चार मेडिकल कॉलेजों में अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के लिए अतिरिक्त आरक्षण पर उच्च न्यायालय द्वारा रोक लगाए जाने के मामले में योगी सरकार से उच्चतम न्यायालय में अपील करने की मांग की है।

सुश्री मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा, सामाजिक न्याय की जरूरत और मांग यही है कि यूपी सरकार माननीय न्यायालय में इस बात की पुरजोर पैरवी करती कि एससी समाज के हित व कल्याण हेतु स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान के धन से जिला सहारनपुर, अम्बेडकरनगर, कन्नौज और जालौन में बनाये गये मेडिकल कालेजों में एससी वर्ग हेतु अतिरिक्त आरक्षण की व्यवस्था 50 प्रतिशत के सामान्य आरक्षण से

अलग है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान की भरपूर उपयोगिता साबित होती है, तो शायद माननीय अदालत इस पर जरूर सकारात्मक विचार करता और इस पर रोक नहीं लगाता।

बसपा सुप्रीमो ने अपने दूसरे बिंदु में कहा कि किन्तु अब जबकि उच्च न्यायालय ने इस पर पाबंदी लगा दी है और मेडिकल दाखिला भी अब इससे प्रभावित है, तो ऐसे में यूपी सरकार तुरंत उच्चतम न्यायालय में अपेक्षित राहत के लिए अपील करे तो यह उचित होगा।

उल्लेखनीय है कि बसपा सरकार के कार्यकाल में एससीपी फंड से इन चार जिलों में मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की गई थी, जिनमें एससी छात्रों के लिए विशेष आरक्षण का प्रावधान किया गया था। हाईकोर्ट के हालिया फैसले के बाद इन कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया पर असमंजस की स्थिति बन गई है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

समुक में रजत कपूर की एंट्री की चर्चा

अक्षय कुमार और विपुल अमृतलाल शाह की साइंस-फिक्शन एक्शन थ्रिलर फिल्म समुकमें अभिनेता एवं फिल्मकार रजत कपूर की एंट्री की चर्चा है। कहा जा रहा है कि रजत कपूर फिल्म में अहम किरदार निभा सकते हैं। कन्निष्क वर्मा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का निर्माण

विपुल अमृतलाल शाह अपने बैनर सनशाइन पिक्चर्स के तहत कर रहे हैं, जबकि आशिन ए. शाह इसके सह-निर्माता हैं। फिल्म की शूटिंग फिलहाल यूके में चल रही है। समुक को बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। फिल्म में साइंस फिक्शन के साथ एक्शन और सर्वाइवल का रोमांच देखने को मिलेगा। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक कहानी और किरदारों को लेकर विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। रजत कपूर अपने सहज और प्रभावशाली अभिनय के लिए जाने जाते हैं। मॉनसून वेडिंग, भेजा फ्राय, कपूर एंड संस, मुल्क, दृश्यम 2 और गहराइयां जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग भूमिकाएं निभाई हैं। वह रात अकेली है- द बंसल मर्डर्स और मैं वापस आऊंगा में भी नजर आए हैं।

बताया जा रहा है कि समुक में रजत कपूर का किरदार कहानी के लिहाज से महत्वपूर्ण हो सकता है। फिल्म अक्षय कुमार और विपुल अमृतलाल शाह की 13 वर्ष बाद साथ में वापसी है। यह प्रोजेक्ट दो वर्ष से अधिक समय से विकास के दौर में है और इसे सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने के लिए बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है।

विक्रांत मैसी हिमाचल और उत्तराखंड में खोलेंगे मुसाफिर कैफे

विक्रांत मैसी हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में मुसाफिर कैफे नाम से दो नए कैफे खोलने जा रहे हैं।सूत्रों के अनुसार, दोनों स्थानों पर निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। कैफे को मुसाफिर कैफे धारावाहिक में दिखाए गए कैफे की तर्ज पर तैयार किया जा रहा है। इनमें कलाकारों के ठहरने के लिए करीब 20 कमरों की सुविधा भी होगी। विक्रांत मैसी धारावाहिक में चंदर की भूमिका निभा रहे हैं और अपने निर्माण संस्थान होममेड स्टोरीज के जरिए भी इससे जुड़े हैं। कहानी में चंदर पहाड़ों में कैफे शुरू कर अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करता है। इन दोनों कैफे के जरिए धारावाहिक की काल्पनिक दुनिया को वास्तविक जीवन में उतारने की तैयारी की जा रही है।

राका के रहस्यमयी 37 अंक ने बढ़ाई प्रशंसकों की उत्सुकता

अभिनेता अल्लू अर्जुन और निर्देशक एटली की बहुप्रतीक्षित फिल्म राका एक बार फिर चर्चा में है। फिल्म निर्माताओं ने हाल ही में सामाजिक माध्यम पर एक रहस्यमयी पोस्टर जारी किया, जिसमें केवल 37 अंक के साथ कुछ बड़ा आने वाला है लिखा है। पोस्टर में अन्य कोई जानकारी नहीं होने से प्रशंसकों के बीच फिल्म के अगले अपडेट को लेकर तरह-तरह की अटकलें शुरू हो गई हैं।

सामाजिक माध्यम पर सबसे अधिक चर्चा 37 अंक को लेकर हो रही है। कुछ प्रशंसक इसे निर्देशक एटली के 21 सितंबर को होने वाले जन्मदिन से जोड़ रहे हैं। उनका मानना है कि 3 गुणा 7 बराबर 21 के जरिए यह अंक एटली के जन्मदिन की ओर संकेत करता है और उस दिन फिल्म से जुड़ी कोई बड़ी घोषणा या झलक जारी की जा सकती है।

कुछ प्रशंसक 37 को 37 दिनों से जोड़कर 24 अक्टूबर की तारीख का अनुमान लगा रहे हैं, जबकि कुछ इसे तीन महीने और सात दिन के संकेत के रूप में देख रहे हैं। एक अन्य चर्चा में 3.7 को मार्च 2027 से जोड़कर फिल्म की संभावित प्रदर्शन अवधि का अनुमान लगाया जा रहा है।

प्रशंसकों के बीच यह अटकल भी है कि 37 फिल्म के किसी पात्र, कहानी या महत्वपूर्ण घटनाक्रम से जुड़ा संकेत हो सकता है। हालांकि, इन चर्चाओं की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

सन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही राका सामाजिक-काल्पनिक पृष्ठभूमि वाली एक्शन फिल्म है, जिसमें पहली बार अल्लू अर्जुन और एटली साथ काम कर रहे हैं। फिल्म में दीपिका पादुकोण को महिला मुख्य भूमिका के लिए आधिकारिक रूप से घोषित किया गया है। रश्मिका मंदाना, जाह्नवी कपूर और मृणाल ठाकुर के नाम भी फिल्म से जोड़े जा रहे हैं, हालांकि उनकी भूमिका की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

फिलहाल 37 के पीछे का वास्तविक अर्थ रहस्य बना हुआ है और प्रशंसकों को निर्माताओं की अगली आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

2016 के बाद रसिका दुग्गल को लगातार मिलने लगा काम

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने कहा है कि 2016-17 के आसपास उनके करियर में ऐसा दौर आया, जब उन्हें लगातार काम मिलने लगा और उनके काम को पहचान मिलने लगी।रसिका दुग्गल ने नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो डबल डेट में पति एवं अभिनेता मुकुल चड्ढा के साथ अपने पेशेवर सफर और संघर्षों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 2006 में भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान से निकलने के करीब 10 साल बाद उनके काम को व्यापक पहचान मिली। उन्होंने किस्सा और क्षय जैसी फिल्मों में काम किया, लेकिन उस समय उन्हें अपेक्षित पहचान नहीं मिली थी। रसिका ने कहा कि 2016 के बाद मंटो, मिर्जापुर और दिल्ली क्राइम जैसे काम लगातार मिले। इसी दौरान प्रसारण मंचों के बढ़ते प्रभाव से कलाकारों के लिए काम के नए अवसर सामने आए। कार्यक्रम में रसिका दुग्गल और मुकुल चड्ढा ने अपने रिश्ते, शादी और निजी जिंदगी से जुड़े अनुभव भी साझा किए

अमृत 2.0 की पाइपलाइन बनी राहगीरों के लिए आफत! सड़कों पर बिखरी मिट्टी, खुदाई के बाद बदहाल रास्ते और बढ़ते हादसे–जिम्मेदार कौन?

डीपीआर के अनुरूप काम और गुणवत्ता को लेकर पहले भी उठ चुकी शिकायतें, ठेकेदार से संपर्क तक मुश्किल; नगर पालिका की निगरानी पर भी सवाल

सिवनी। स्वतंत्र मत। शहर में अमृत 2.0 जलावर्धन योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने का काम लोगों को बेहतर जलापूर्ति की उम्मीद दे रहा है, लेकिन दूसरी ओर निर्माण कार्य की कथित लापरवाही राहगीरों के लिए मुसीबत बनती जा रही है। पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़कों के किनारे और कई स्थानों पर गहरी खुदाई की जा रही है, लेकिन खुदाई के बाद निकलने वाली मिट्टी को सड़क पर ही अस्त-व्यस्त छोड़ दिए जाने से आवागमन प्रभावित होने के साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय स्तर पर यह शिकायत पहले भी सामने आती रही है कि योजना के तहत किए जा रहे कार्यों में डीपीआर में निर्धारित प्रावधानों और निर्माण गुणवत्ता का अपेक्षित पालन नहीं किया जा रहा है। अब सड़क पर फैली मिट्टी, खुदाई वाले स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था और निर्माण स्थल के रखरखाव को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

गहरी खुदाई के बाद मिट्टी सड़क पर छोड़ी—राहगीरों के लिए बना खतरा

पाइपलाइन डालने के लिए गहरी खुदाई के बाद निकली मिट्टी को कई जगह सड़क के किनारे व्यवस्थित तरीके से हटाने अथवा सुरक्षित रखने के बजाय सड़क पर ही छोड़ दिए जाने की शिकायत है।

इससे सड़क संकरी हो रही है और

दोपहिया वाहन चालकों तथा पैदल राहगीरों के लिए परेशानी बढ़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि फैली मिट्टी और निर्माण कार्य के कारण आए दिन वाहन फिसलने तथा राहगीरों के गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं। दुर्घटना में चोट लगने के बाद प्रभावित लोगों को उपचार पर अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है।

सवाल यह है कि यदि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण कोई गंभीर दुर्घटना होती है, तो उसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी होगी?

डीपीआर और गुणवत्ता की जांच कब?

अमृत 2.0 जैसी महत्वपूर्ण योजना में पाइपलाइन की गुणवत्ता, निर्धारित गहराई, बेडिंग, बैकफिलिंग, सड़क की बहाली और अन्य तकनीकी मानकों का पालन महत्वपूर्ण है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर उठ रही शिकायतों के बाद यह सवाल भी खड़ा हो रहा है कि नगर पालिका और संबंधित तकनीकी अमला मौके पर नियमित निरीक्षण कर रहा है या नहीं?

यदि कार्य डीपीआर एवं स्वीकृत तकनीकी मापदंडों के अनुरूप हो रहा है तो इसकी स्थल निरीक्षण रिपोर्ट और गुणवत्ता परीक्षण सार्वजनिक किए जाने चाहिए, ताकि नागरिकों को भी वास्तविक स्थिति की जानकारी मिल सके। निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदार से संपर्क नहीं हो पाने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब सड़क पर खुदाई और निर्माण कार्य चल रहा है, तब स्थल पर जवाबदेह अधिकारी या प्रतिनिधि कौन है? निर्माण कार्य की जिम्मेदारी संभाल रहे ठेकेदार की यह जिम्मेदारी भी है कि पाइपलाइन बिछाने के दौरान आम नागरिकों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और खुदाई के बाद सड़क की स्थिति को सुरक्षित बनाए रखने के आवश्यक इंतजाम किए जाएं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद नगर पालिका प्रशासन की ओर से इस दिशा में अपेक्षित गंभीरता दिखाई नहीं दे रही है। यदि निर्माण कार्य में खामियां हैं तो उनका तत्काल सुधार कराया जाना चाहिए और यदि कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुसार हो रहा है तो प्रशासन को मौके पर निरीक्षण कर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। अमृत 2.0 का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर जल सुविधा उपलब्ध कराना है, लेकिन विकास के नाम पर यदि निर्माण स्थल ही दुर्घटना का कारण बनने लगें तो जिम्मेदारी तय होना जरूरी है।

अब उठ रहे पांच बड़े सवाल

क्या पाइपलाइन बिछाने का कार्य स्वीकृत डीपीआर के अनुरूप हो रहा है? क्या पाइपलाइन की गहराई, बेडिंग और बैकफिलिंग निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार की जा रही है? खुदाई के बाद सड़क पर छोड़ी जा रही मिट्टी और निर्माण स्थल पर सुरक्षा इंतजाम पर्याप्त क्यों नहीं हैं? दुर्घटना की स्थिति में ठेकेदार या संबंधित विभाग में से जवाबदेही किसकी होगी? नगर पालिका प्रशासन द्वारा अब तक कितने स्थल निरीक्षण और गुणवत्ता परीक्षण किए गए हैं?

मंडी उड़नदस्ता दल की कार्रवाई, दो वाहनों से 1.45 लाख रुपये जुर्माना वसूला

गेहूं और धान के अवैध परिवहन पर मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई

सिवनी। स्वतंत्र मत। कृषि उपज मंडी समिति सिवनी के उड़नदस्ता दल ने मंडी क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान अधिसूचित कृषि उपज के अवैध परिवहन के दो मामलों में कार्रवाई करते हुए कुल 1 लाख 45 हजार 265 रुपये की राशि वसूल की है। यह कार्रवाई अपर कलेक्टर /संयुक्त संचालक, आंचलिक कार्यालय मंडी बोर्ड जबलपुर शाहिद खान के निर्देशन तथा भारसाधक अधिकारी (एसडीएम) पूर्वी तिवारी एवं मंडी सचिव सविता धुर्वे के मार्गदर्शन में 17 एवं 18 सितंबर के मध्य की गई। उड़नदस्ता दल ने निरीक्षण के दौरान वाहन क्रमांक यू पी 70 जी टी 2812 को 302.20 क्विंटल गेहूं का परिवहन करते पाया। गेहूं ग्राम सिताझिर, छिंदवाड़ा से हैदराबाद (तेलंगाना) ले जाया जा रहा था। प्रकरण में पांच गुना मंडी शुल्क 58,589 रुपये, प्रशमन शुल्क 5,000 रुपये तथा निराश्रित शुल्क 7,812 रुपये, कुल 71,401 रुपये वसूल किए गए। इसी प्रकार वाहन क्रमांक सी जी 04 एन डब्लू 5771 में 331.90 क्विंटल धान का परिवहन छिंदवाड़ा से राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) किया जा रहा था। इस प्रकरण में पांच गुना मंडी शुल्क 60,763 रुपये, प्रशमन शुल्क 5,000 रुपये तथा निराश्रित शुल्क 8,102 रुपये, कुल 73,865 रुपये की राशि वसूल की गई।

दोनों प्रकरणों में मध्यप्रदेश मंडी अधिनियम 1972 की धारा 19 में निहित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई। इस प्रकार दोनों मामलों से कुल 1,45,265 रुपये की राशि वसूल की गई।

उड़नदस्ता दल ने संभाला मोर्चा– कार्रवाई में उड़नदस्ता प्रभारी राकेश कुमार परते, मंडी निरीक्षक नितिन कुमार सैयाम, उपनिरीक्षक तेजसिंह बिसेन, उपनिरीक्षक धर्मेंद्र वलके एवं उपनिरीक्षक कुलदीप ठाकुर शामिल रहे।

मां खैरापति मंदिर गणेश उत्सव समिति मंगलीपेठ कस्तूरबा सिवनी

आईटीआई सिवनी में प्रवेश की अंतिम तिथि 22 सितंबर तक

सिवनी। स्वतंत्र मत। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सिवनी और जिले की सभी अन्य शासकीय आईटीआई में सत्र 2026 के लिए प्रवेश प्रक्रिया के अंतिम चरण की तारीख बढ़ा दी गई है। अब इच्छुक छात्र-छात्राएं 15 सितंबर से 22 सितंबर 2026 तक पहले आओ, पहले पाओ राउंड के तहत रिक्त सीटों पर प्रवेश ले सकेंगे। प्राचार्य द्वारा द्वारा जानकारी देकर बताया गया कि आवेदक रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन विभाग के पोर्टल पर जाकर स्वयं कर सकते हैं।

सेवा संकल्प अभियान से विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना होगी मजबूत–डॉ चौरासे

सिवनी। स्वतंत्र मत। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय विधि महाविद्यालय में जागरूकता एवं प्रेरणात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें दीप उत्सव, वृक्षारोपण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, कार्यक्रम में जिला टेबल टेनिस एसोशियन के सचिव संदीप मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार चौरासे ने कहा कि सेवा केवल किसी व्यक्ति की सहायता करना नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्वों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करना है। विद्यार्थियों में सेवा, संवेदना, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विधि के विद्यार्थियों की भूमिका समाज में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे कानून एवं संविधान के माध्यम से आम नागरिकों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक कर सकते हैं। प्राचार्य ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ समाज के प्रति अपने कर्तव्य को समझने और उसे व्यवहार में उतारने का अवसर प्रदान करता है।

आने वाली पीढ़ी यदि सेवा और संवेदनशीलता को अपने जीवन का हिस्सा बनाती है, तो इससे एक जागरूक, जिम्मेदार एवं न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। मुख्य अतिथि संदीप मिश्रा ने विद्यार्थियों को सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया तथा सेवा कार्यों के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान को लेकर कबीर वार्ड डूंडासिवनी में भ्रमण कर नपा अध्यक्ष के साथ पार्षद एवं निकाय के अधिकारियों ने सुनी जनता की समस्या

सिवनी। आज दिनांक 18 सितम्बर 2026 को सिवनी नगरीय क्षेत्र के कबीर वार्ड क्रमांक 06 में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया द्वारा वार्ड पार्षद संजय भलावी, अरूण यादव, पीयूष दुबे एवं एल्डरमैन भरत राहंगडाले नगर पालिका सिवनी सीएमओ सुश्री दिशा डेहरिया के साथ वार्ड में भ्रमण किया गया एवं वार्ड के नागरिको को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओ की जानकारी दी गई तथा वार्ड के नागरिको की समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश निकाय की संबंधित शाखा प्रभारियों को दिये गये।

विदित होवे कि मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री मान. डॉ. मोहन यादव जी के निर्देशन में समूचे मध्यप्रदेश में प्रत्येक शुक्रवार को जनविश्वास अभियान संचालित किया जा रहा है।

शासन आदेश के परिपालन में निर्धारित दिनांक के दिन प्रत्येक शुक्रवार को समय प्रातः 11 बजे से 04 बजे तक उक्त अभियान नगर पालिका सिवनी द्वारा चलाया जा रहा है है। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनकल्याण अंतर्गत क्षेत्रों में भ्रमण कर निरीक्षण एवं जनसंवाद के माध्यम से आम जनता की शिकायतों का त्वरित निराकरण करना शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं का पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुंचाना है इसके साथ ही सीएम हेल्पलाईन जनसुनवाई जन आवेदन में प्राप्त शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण करना है। सीएमओ सुश्री दिशा डेहरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि आज जनविश्वास अभियान के दौरान कबीर वार्ड नंबर 06 में 02 निर्माण कार्य स्वीकृत किये गये है जिसमें 1- सेन्ट्रल स्कूल की रोड एवं नाली निर्माण कार्य तथा 02- साहू आटा चक्की के बाजू में रोड एवं नाली निर्माण कार्य नगर पालिका द्वारा कराया जावेगा। वहीं वार्ड में भ्रमण के दौरान स्वच्छता के लिये जनजागरूकता अभियान चलाया गया। घर-घर पहुंचकर स्वच्छता के पाम्पलेट वितरित किये गये कबीर वार्ड के नागरिको को खुले स्थानों खाली प्लाटों एवं नालियो में कचरा न फेकने गंदगी न करने की समझाईश दी गई।

साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष भगवान दास साहू का भव्य स्वागत

मां कर्मा मंदिर के लिए 1 लाख 1 हजार की घोषणा

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

साहू समाज के संगठन को मजबूत करने और सामाजिक एकजुटता के उद्देश्य से विगत दिनों साहू समाज मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भगवान दास साहू का गाडरवारा नगर आगमन हुआ। उनके साथ डॉ. काशीराम साहू, एल. साहू गंज बासौदा एवं काशीराम साहू नरसिंहपुर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। नगर आगमन पर मां कर्मा साहू समाज सार्वजनिक समिति, गाडरवारा द्वारा स्थानीय शांतिदूत होटल में गरिमामय स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। समाज के वरिष्ठजनों ने अतिथियों का साल, श्रीफल एवं माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ आराध्य देवी मां कर्मा जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

समारोह के दौरान प्रदेश अध्यक्ष भगवान दास साहू ने समाज के उत्थान के लिए बड़ा ऐलान करते हुए गाडरवारा में निर्माणाधीन मां कर्मा मंदिर एवं मंगल भवन हेतु 1 लाख 1 हजार रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा की। उनकी इस घोषणा पर सभागार में उपस्थित सभी समाज बंधुओं ने करतल ध्वनि से हर्ष व्यक्त करते हुए उनका अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि समाज तभी आगे बढ़ेगा जब हम सभी संगठित रहेंगे और शिक्षा व संस्कार पर ध्यान देंगे।

कार्यक्रम का सफल संचालन समाजसेवी अनिल साहू ने किया एवं आभार प्रदर्शन रमेश साहू द्वारा किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्य पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजेंद्र साहू, सचिव रमेश साहू, कोषाध्यक्ष हेमराज साहू सहित सुरेश साहू, देवेंद्र साहू, सुरेंद्र साहू, मनमोहन साहू, हरिशंकर साहू, राजकुमार साहू, नितिन साहू, राकेश कट्टुर, संतोष साहू, डॉ. ओंकार प्रसाद साहू, महेंद्र साहू, विजय नायक, दीपक साहू, दुलीचंद साहू, दिनेश साहू, झबन साहू, सुनील साहू, सुजीत साहू, शरद साहू, स्वतंत्र साहू, कृष्णा साहू, अंश साहू सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत करेली तहसील में कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ ने किया भ्रमण

नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित होने वाले शिविर के क्रम में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गजेन्द्र सिंह नागेश ने शुक्रवार को करेली तहसील के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने मिढ़ली स्थित शांतिधाम, माध्यमिक शाला एवं आंगनवाड़ी केंद्र तथा पलोहा छोटा में शासकीय उचित मूल्य दुकान एवं आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न शासकीय संस्थाओं की व्यवस्थाओं एवं संचालित गतिविधियों की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने मिढ़ली स्थित माध्यमिक शाला का निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कक्षा छठवीं, सातवीं एवं आठवीं के विद्यार्थियों से संवाद कर उनके अध्ययन एवं शिक्षण कार्य के संबंध में जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों से आज पढ़ाए जा रहे विषय के बारे में पूछने पर उन्होंने बताया कि विज्ञान विषय का अध्यापन कराया जा रहा है। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से विज्ञान एवं 'संतुलित आहार' अध्याय से संबंधित प्रश्न पूछकर उनकी समझ का जायजा लिया तथा संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों से अंग्रेजी विषय में निबंध एवं एप्लीकेशन लेखन के संबंध में भी जानकारी ली।

क्षतिग्रस्त कक्ष की मरम्मत के निर्देश–निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय भवन के एक क्षतिग्रस्त कक्ष का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए, ताकि मरम्मत के बाद कक्ष का उपयोग कक्षा संचालन के लिए किया जा सके।

उन्होंने विद्यालय परिसर की व्यवस्थाओं एवं स्वच्छता का भी जायजा लिया तथा आवश्यक रख-रखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्यालय एवं आंगनवाड़ी केंद्र एक ही परिसर में संचालित हो रहे हैं। उन्होंने परिसर में तैयार किए जा रहे मध्यान्ह भोजन की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया।कलेक्टर ने मिढ़ली स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने सुपरवाइजर एवं एएनएम से बच्चों की संख्या, पोषण आहार एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। बताया गया कि केंद्र में 12 बच्चे दर्ज हैं, जिनमें से 4 बच्चे मध्यम तीव्र कुपोषित है।

जन विश्वास अभियान शिविरों का उद्देश्य गांव की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान :मंत्री श्री पटेल

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित होने वाले शिविरों का मुख्य उद्देश्य शासन और ग्रामीणों के बीच सीधा संवाद स्थापित करना तथा लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। गांव की छोटी-छोटी समस्याओं के लिए ग्रामीणों को बार-बार तहसील या जिला मुख्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए स्थानीय स्तर पर ही समस्याओं को समझकर उनके समाधान का प्रयास किया जाना चाहिए। यह बात प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जनपद पंचायत करेली की ग्राम पंचायत अमथनू में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम में मंत्री श्री पटेल ने ग्राम अमथनू में 15 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। मंत्री श्री पटेल ने सरपंच, सचिव एवं संबंधित मैदानी अधिकारियों से कहा कि वे अपने गांव की समस्याओं को प्राथमिकता से चिन्हित करें और जो मामले गांव स्तर पर नियमानुसार सुलझाए जा सकते हैं, उनका वहीं समाधान कराने की पहल करें। मंत्री ने कहा कि छोटी-छोटी समस्याएं गांव के स्तर पर ही सुलझें, इसके लिए आप सभी को प्रयास करने होंगे।

भवन निर्माण श्रमिक कार्ड से बच्चों की शिक्षा सहित अनेक लाभ–मंत्री श्री पटेल ने भवन निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों से भवन संनिर्माण कर्मकार मंडल के तहत श्रमिक पंजीयन एवं संबंधित योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि पात्र श्रमिकों और उनके बच्चों के लिए शिक्षा सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं।

कई बार जानकारी के अभाव में पात्र परिवार योजनाओं का लाभ नहीं ले पाते। उन्होंने सरपंचों, पंचायत सचिवों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से कहा कि वे अपने गांव के प्रत्येक पात्र परिवार की जानकारी लें और यह सुनिश्चित करें कि जिन परिवारों को जिस योजना का लाभ मिल सकता है, उनका आवश्यक पंजीयन एवं दस्तावेजीकरण कराया जाए। श्रमिक परिवारों के बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए उपलब्ध अवसरों का उल्लेख करते हुए बताया कि एक मजदूर परिवार की बेटी को उच्च शिक्षा के लिए जर्मनी भेजने में सहायता उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि ऐसी योजनाएं श्रमिक परिवारों के बच्चों को आगे बढ़ने और बेहतर भविष्य बनाने का अवसर प्रदान करती हैं। इन योजनाओं के लाभ अलग-अलग हैं और पात्र परिवारों तक इनकी जानकारी पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को भी अपनी योजनाओं एवं अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए।

दूरस्थ एवं पिछड़े जनजातीय क्षेत्रों तक पहुंच रहा विकास

मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का प्रयास रहा है कि विकास और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ गरीब एवं वंचित परिवारों तक पहुंचे। उन्होंने सहरिया, बैगा एवं भारिया जैसे विशेष रूप से पिछड़े जनजातीय समुदायों के लिए संचालित योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से ऐसे क्षेत्रों तक भी विकास पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है,

आयुष्मान कार्ड एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ लेने की अपील

मंत्री श्री पटेल ने ग्रामीणों से कहा कि गंभीर बीमारी की स्थिति में परिवार पर उपचार का आर्थिक बोझ न आए, इसके लिए पात्र परिवारों को आयुष्मान कार्ड सहित उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से समय पर जांच कर गंभीर बीमारी की स्थिति में मरीज को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने संबल कार्ड के महत्व को भी समझाया और पात्र श्रमिक परिवारों से इसका लाभ लेने का आग्रह किया।

धूमधाम से मनाई गई भगवान विश्वकर्मा जयंती, निकाली गई भव्य शोभायात्रा

धार्मिक आस्था के साथ दिखी सामाजिक एकजुटता, सांस्कृतिक कायक्रमों और सम्मान समारोह ने बढ़ाई आयोजन की गरिमा

कटनी (स्वतंत्रमत)। भगवान विश्वकर्मा जयंती के पावन अवसर पर 17 सितंबर को बरही में विश्वकर्मा समाजोत्थान संघ एवं शिक्षा समिति के तत्वावधान में भगवान विश्वकर्मा जयंती का भव्य एवं विशाल आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर में आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें विश्वकर्मा समाज के महिला, पुरुष, युवा एवं बच्चों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। भगवान विश्वकर्मा जी के जयघोष से पूरा नगर भक्तिमय नजर आया। शोभायात्रा के दौरान समाजजनों में विशेष उत्साह देखने को मिला। विभिन्न स्थानों पर नगरवासियों द्वारा शोभायात्रा का स्वागत किया गया। धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का संदेश देती शोभायात्रा बरही के प्रमुख मार्गों से होते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंची। कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। समाज के बच्चों एवं युवाओं ने अपनी प्रतिभा की सुंदर प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक कुमार विश्वकर्मा भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा बाबा विजयनाथ धाम बरही में दर्शन किए। उन्होंने समाजजनों को भगवान विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान विश्वकर्मा जी सृजन, शिल्प, कौशल, निर्माण एवं परिश्रम के प्रतीक हैं। समाज की प्रगति के लिए शिक्षा, संस्कार, संगठन और आपसी सहयोग को मजबूत करना आवश्यक है।

दानदाताओं एवं सहयोगियों का हुआ सम्मान-कार्यक्रम के दौरान बाबा विजयनाथ धाम मंदिर के विकास एवं धार्मिक कार्यों में सहयोग करने वाले दानदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मंदिर के विकास में योगदान देने वाले समाजजनों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके योगदान को सराहा गया।

सम्मान समारोह के दौरान समाज में सेवा एवं सहयोग की भावना को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में समाज की एकताए शिक्षा, सामाजिक उत्थान एवं युवाओं की भागीदारी पर भी विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि संगठित होकर शिक्षा और सामाजिक विकास के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने से समाज को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। इनकी रही प्रमुख उपस्थिति आयोजन में जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक कुमार विश्वकर्मा राममिलन विश्वकर्मा, हरकेश विश्वकर्मा, जमुना विश्वकर्मा, अच्छेलाल विश्वकर्मा, विष्णु विश्वकर्मा, आशुतोष विश्वकर्मा, सतेंद्र विश्वकर्मा, मौसम विश्वकर्मा, कौशल विश्वकर्मा, कृष्ण विश्वकर्मा, शिवचरण विश्वकर्मा, सुनील विश्वकर्मा, नीलेश विश्वकर्मा, जानकी विश्वकर्मा पत्रकार, संजीव विश्वकर्मा, लखन विश्वकर्मा पत्रकार, आशीष विश्वकर्मा, विजय विश्वकर्मा, काशी विश्वकर्मा, कैलाश विश्वकर्मा, दिनेश विश्वकर्मा, कमलेश विश्वकर्मा, दुर्योधन, गोवर्धन सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्यजन एवं समाजबंधुओं की उपस्थिति रही। भगवान विश्वकर्मा जयंती के इस आयोजन में श्रद्धा, भक्ति, संस्कृति, सेवा और सामाजिक एकता का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी समाजजनों, दानदाताओं, श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों का आभार व्यक्त किया।

फोटो : विकास गुप्ता

चित्रकूट बाढ़ पीड़ितों को आहना ने भेजी मदद

कटनी (स्वतंत्रमत)।

चित्रकूट में मंदाकनी का जल स्तर बढ़ाने से तबाही का भयावह मंजर सामने आया। बाढ़ के कहर को दो सप्ताह का समय बीत गया है, लेकिन जल स्तर उतरने के साथ मलबा और कीचड़ का अंबार लगा हुआ है। इस बाढ़ ने लगभग 160 से ज्यादा गांव को प्रभावित किया। किसानों की लाखों हेक्टर फसलें बर्बाद हो गयी। तबाही के इस मंजर से निकलने में जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए जायंट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना की समाज सेविकाओं ने 101 चटाई और राशन जिसमें 31 किलो आटा, 10 किलो चावल और 5 किलो चीनी अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री के साथ 51 परिवारों की मदद करने के लिए उपलब्ध कराई। आहना की समाज सेविकाओं का कहना है कि आपदा के समय सभी को मदद के लिए आगे आना चाहिए। इस नेक काम में आहना की अध्यक्ष वाणी गट्टानीए रश्मि गट्टानी, शालिनी बजाज, सिमरन माहेश्वरी, शानू बजाज, शिल्पी माहेश्वरी और स्वाति जैन मौजूद रहीं।

दीप प्रज्वलित कर मनाया प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिवस

कटनी (स्वतंत्रमत)। पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर बहोरीबंद बस स्टैंड परिसर शुक्रवार शाम हजारों दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। आशीर्वाद का दीया प्रज्वलन समारोह में बड़ी संख्या में लोगों ने दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। परिसर में की गई रंग-बिरंगी रोशनी ने समारोह की भव्यता बढ़ा दी। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम् गीत एवं राष्ट्रगान से हुई। विधायक प्रणय पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास और प्रगति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर शुभकामनाएं प्रेषित कीं। समारोह में मंडल अध्यक्ष लोकेश व्योहार, पूर्व मंडल अध्यक्ष मुन्ना सोनी, इंद्रकुमार पटेल, पुष्पेंद्र सिंह सेंगर, सान्दीपन पाठक, रोहित गुप्ता, अनार सिंह पटेल, सीईओ अभिषेक कुमार, परियोजना अधिकारी सतीश पटेल, प्रधानमंत्री आवास ब्लॉक समन्वयक अखिलेश वर्मा, सचिव धूप सिंह पटेल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

जेपीवीडीएवी विद्यालय में श्रद्धापूर्वक मना भगवान विश्वकर्मा पूजन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

सृष्टि के सर्व प्रथम अभियंता, शिल्पकार और रचनाकार, देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा जी का पूजन अत्यंत श्रद्धा पूर्वक वैदिक हवन यज्ञ सहित आयोजित किया गया । यह आयोजन मध्यप्रदेश जोन के क्षेत्रीय निदेशक एवं विद्यालय प्राचार्य संजीव कुमार सिन्हा की अध्यक्षता, डीएवी विद्यालय उकवा के प्रधानाचार्य मनीष सिंह की उपस्थिति एवं यज्ञाचार्य सतानंद मिश्रा के मार्गदर्शन में पूर्ण हुआ सभी के द्वारा भगवान विश्वकर्मा का वैदिक मंत्रोच्चार के द्वारा पूर्ण विधि विधान से पूजन किया गया सभी शिक्षक शिक्षिकाओं, चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों, बस चालकों, परिचालकों के द्वारा हवन यज्ञ सम्पन्न हुआ । तत्पश्चात विभिन्न विभागों के विभाग प्रमुखों द्वारा विद्यालय में प्रयुक्त समस्त मशीनरीज, संगणकों, बसों एवं सभी कलपुर्जों का विधिवत पूजन किया गया । साथ ही सभी बस चालकों परिचालकों, आया, दीदियों विद्यालय संचालन में सहायक समस्त चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों को विद्यालय के प्राचार्य द्वारा उपहार प्रदान किए गए। इसी अवसर पर प्राचार्य ने सभी को शुभकामनाएं प्रदान करते हुए हुए विश्वकर्मा जयंती के महत्व को स्पष्ट किया तथा सभी को अपने कर्तव्यों को निष्ठा पूर्वक पालन करने हेतु प्रेरित किया ।

मन में मोदी विचार समूह का अभिनव आयोजन

76 दीप प्रज्वलित कर, आतिशबाजी करके और मिठाई बांटकर मनाया देश के यशस्वी पीएम नरेंद्र भाई मोदी का जन्म दिवस

कटनी (स्वतंत्रमत)। विदित हो देश के यशस्वी प्रखर राष्ट्रभक्त, सेवक, प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी जी का जन्म 17 सितंबर 1950 के दिन गुजरात प्रदेश के बड़नगर कस्बे में हुआ था जीवन के अनेक झंझावातों से जूझते हुए, व्यवहारिक, सांसारिक जीवन के अनेक संकटों का सामना करते हुए वह लगातार राष्ट्र चिंतन करते रहे और अंततः पूरा जीवन राष्ट्र सेवा में समर्पित करने का निश्चय कर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बनकर अपना सामाजिक, सार्वजनिक, देशहित का जीवन प्रारंभ किया निरंतर कार्य करते हुए राजनीतिक क्षेत्र में भी पदार्पण किया अनेक राष्ट्रीय पदों को सुशोभित करते हुए गुजरात के मुख्यमंत्री वर्ष 2001 में बने उनके मुख्यमंत्रित्व के समय को गुजरात मॉडल के नाम से जाना पहचाना जाता है। वर्ष 2014 में देश की बागडोर प्रधानमंत्री के रूप में संभाली और राष्ट्रीय जीवन में सशक्त राष्ट्र का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं जिसमें भारत देश ने तीव्र गति से प्रगति न की हो भारत देश ने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा प्रगति के आंकड़ों से हम दैनंदिन समाचार पत्रों से अवगत होते रहते हैं।कटनी के, मन में मोदी विचार समूह ने शहर के प्रमुख व्यस्ततम क्षेत्र दुर्गा चौक खिरहनी स्थित देवी जी के मंदिर परिसर में 76 दीप जलाकर मोदी जी के गौरवशाली ऐतिहासिक जीवन के 76 वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामनाएं प्रेषित की उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति ने एक-एक दीप आशीर्वाद का जलाया, आतिशबाजी की, मिष्ठान वितरण हुआ। संपूर्ण परिसर भाजपा के लहराते झंडों और मोदी जी के आदम कद और अन्य तरह के बैनर पोस्टरों से शोभायमान हो रहा था। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कटनी के विकास पुरुष, संगठन क्षमता के धनी, अनुभवी पूर्व विधायक, भारत तिब्बत सहयोग मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गिरिराज किशोर पोद्दार श्राजू भैया रहे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष, भारतीय जनता युवा मोर्चे के पूर्व जिला अध्यक्ष, युवा ओज, प्रखर तेज अर्पित पोद्दार रहे। विशिष्ट अतिथि डॉ एस आर साहू पूर्व पार्षद मातृशक्ति प्रमिला निषाद, शुक्ला रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन पूर्व पार्षद हिंद रक्षक दल के जिला संयोजक बच्चू निषाद ने किया। सर्वप्रथम माता भगवती एवं मंदिर भवन में विराजित सभी देवी देवताओं को नमन करते हुए भगवान श्री राम के दरबार के समक्ष अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर, माल्यार्पण और तिलक, चंदनएवंदन किया। उपस्थित वक्ताओं ने अपने प्रभावशाली उत्साह पूर्ण वक्तव्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की भूरि भूरि प्रशंसा की मुख्य वक्ता अर्पित पोद्दार ने देश और विदेश में मोदी जी के नेतृत्व में आज भारत की साख कैसे है इसको विस्तार से निरूपित किया। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि राजू भैया ने अवगत करवाया कि जब वे विधायक बने तब मोदी जी गुजरात के मुख्यमंत्री थे और उनके द्वारा मुझे शुभकामना संदेश प्रेषित किया गया था।

अत्यंत गरिमा पूर्ण कार्यक्रम समापन का आभार -किसान हित मंच के जिला संयोजक प्रदीप गौतम ने प्रस्तुत किया। उपस्थित प्रमुख सम्माननीय क्षेत्रीय नागरिकगण में दिनकर गौतम, चतुर यादव, फूलचंद विश्वकर्मा, पूर्व सरपंच अशोक निषाद, मनोज निषाद, दीपक तिवारी, नवीन गोलू, राकेश चक्रवर्ती, राहुल निषाद, दिनेश रजक, शंभू शर्मा और भी अन्य प्रमुख क्षेत्रीय नागरिकगण एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति की उपस्थिति रही। सभी ने यह भाव व्यक्त किया कि अपने-अपने निवास स्थान पर जाकर हम सभी पीएम नरेंद्र मोदी जी को शुभकामनाएं देने के लिए एक दिया आशीर्वाद का और जलाएंगे।

जनता के काम में देरी नहीं चलेगी, कलेक्टर तिवारी ने तहसील पहुंचकर खुद परखी व्यवस्था

कटनी (स्वतंत्रमत)। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत कलेक्टर आशीष तिवारी ने शुक्रवार को विजयराघवगढ़ संयुक्त तहसील का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सीधे नायब तहसीलदार न्यायालय पहुंच कर लंबित प्रकरणों की स्थिति का जायजा लिया। कलेक्टर ने राजस्व कार्यों, लंबित प्रकरणों, अभिलेखों के रखरखाव और नागरिकों से जुड़े मामलों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने तहसील कार्यालय पहुंचे नागरिकों के पास स्वयं जाकर उनके आने का कारण पूछा और समस्याओं की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान फर्द-बंटवारा एवं नक्शा प्रदर्शित नहीं किए जाने, अभिलेख में नायब तहसीलदार के हस्ताक्षर नहीं होने तथा पद-मुद्रा की सील नहीं लगी होने पर कलेक्टर तिवारी ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने एसडीएम विजयराघवगढ़ निधि सिंह गोहल को नायब तहसीलदार प्रेमलाल चौधरी एवं रीडर मोहम्मद यूसुफसिद्दीकी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने रीडर की टेबल पर रखी बंटवारा नस्तियों में से एक प्रकरण को स्वयं देखा। इसमें कई कमियां मिलने पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की और अपने सामने प्रकरण की कमियां पूर्ण कराईं। तहसीलदार से आवश्यक हस्ताक्षर करवाकर पद-मुद्रा की सील भी लगवाई। उन्होंने बंटवारा कार्यवाही नियमानुसार और सही तरीके से करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि लंबित राजस्व प्रकरणों को प्राथमिकता से लेते हुए उनका गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

स्कूली वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

कलेक्टर तिवारी ने जारी किए निर्देश, ई-रिक्शा से विद्यार्थियों के परिवहन पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध

कटनी (स्वतंत्रमत)।

जिले में स्कूली छात्र-छात्राओं की सुरक्षित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट आशीष तिवारी ने अशासकीय विद्यालयों में संचालित वाहनों के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी तथा सभी अशासकीय विद्यालयों के संचालकों एवं प्राचार्यों को निर्धारित सुरक्षा मापदंडों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। ये निर्देश सर्वोच्च न्यायालय की गाइडलाइन, मोटरयान अधिनियम 1988, केंद्रीय मोटरयान नियम 1989 एवं मध्यप्रदेश मोटरयान नियम 1994 के प्रावधानों के अनुरूप जारी किए गए हैं।

जारी निर्देशों के अनुसार स्कूली वाहनों में आरटीओ द्वारा प्रमाणित आवश्यक दस्तावेज, चालक का वैध ड्रायविंग लाइसेंस, फर्स्ट एड बॉक्स, इमरजेंसी एग्जिट द्वारए अग्निशमन यंत्रए सीसीटीव्ही कैमरा, स्पीड गवर्नर, पैनिक बटन एवं जीपीएस सिस्टम उपलब्ध होना अनिवार्य रहेगा। वाहनों में निर्धारित सीट कैपेसिटी के अनुसार ही विद्यार्थियों की बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। बसों में पुरुष एवं महिला कंडक्टर की व्यवस्था के निर्देश भी दिए गए हैं। ई-रिक्शा से स्कूली विद्यार्थियों का परिवहन पूर्णतः प्रतिबंधित कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि ई-रिक्शा से स्कूली छात्र-छात्राओं का परिवहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को स्कूली बच्चों के परिवहन में लगे वाहनों का नियमित अंतराल पर सघन निरीक्षण अभियान चलाने तथा निर्धारित मापदंडों का पालन नहीं करने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

शाला प्रबंधन की रहेगी जवाबदेही कलेक्टर ने कहा है कि यदि विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के परिवहन की व्यवस्था की जाती है, तो संबंधित शाला प्रबंधन को निर्धारित स्कूल बस गाइडलाइन का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करना होगा। वहीं, यदि परिवहन की व्यवस्था किसी अन्य स्तर पर की गई हैए तब भी शाला प्रबंधन की जवाबदेही रहेगी।

निर्माणाधीन फॉरेस्टर ग्राउंड का सचिव संजीव सिंह ने किया निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्रमत)। राज्य शासन के युवा एवं खेल कल्याण विभाग के सचिव एवं कटनी जिले के सेवा संकल्प अभियान के नोडल अधिकारी संजीव सिंह ने फॉरेस्टर ग्राउंड परिसर में खेल सुविधाओं के विकास एवं विस्तार हेतु निर्माणाधीन अधोसंरचनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान मुड़वारा विधायक संदीप जायसवालए कलेक्टर आशीष तिवारी एवं नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान सचिव सिंह ने फॉरेस्टर ग्राउंड में विकसित की जा रही खेल सुविधाओं एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से हॉकी के लिए नवनिर्मित एस्ट्रो टर्फ का जायजा लिया और इसकी व्यवस्थाओं एवं उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्थानीय खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से फॉरेस्टर ग्राउंड में नवनिर्मित एस्ट्रो टर्फ में आस-पास के जिलों की अंतरजिला हॉकी टूर्नामेंट आयोजित कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने फॉरेस्टर ग्राउंड के निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति और आगामी कार्ययोजना से सचिव श्री सिंह को अवगत कराया।

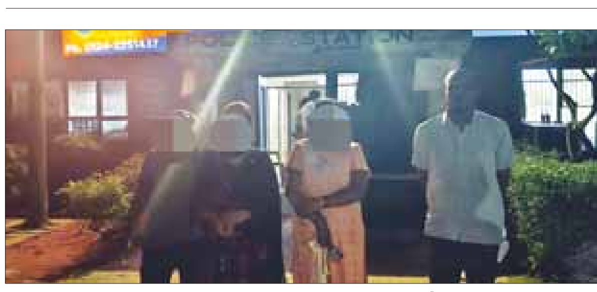

अपहृत नाबालिग को किया दस्तयाब, आरोपी गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)। अभिनव विश्वकर्मा पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, कमल मौर्य अति. पुलिस अधीक्षक, शिवा पाठक अजाक कटनी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह यादव के नेतृत्व में थाना माधवनगर पुलिस ने नाबालिक को दस्तयाब करने एवं अपहृता को बहला फुसलाकर अपहरण कर बलात्कार के आरोपी को गिरफ्तार करने में सफ्लता मिली है। थाना माधवनगर पुलिस ने 15 वर्ष की अपहृत किशोरी को गुडगाँव(हरियाणा) से दस्तयाब किया एवं उसका अपहरण कर गुडगाँव में रखने एवं बलात्कार करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। नाबालिक किशोरी से पहले जान पहचान बनायी फिर उसे बहला फुसलाकर गुडगाँव बुलाकर उसे अपने साथ रखकर देहिक शोषण कर नाबालिक के साथ कई बार बलात्कार किया। घटना करीबन 1 माह पुरानी है नाबालिक माधवनगर अंतर्गत अपने परिवार के साथ घर से दुकान जाने के लिए निकली और किसी काम से घर वापस आ गयी फिर जब माता पिता उसके घर वापस आये तब उसकी नाबालिक लड़की घर पर नही थी जिसके बाद उसकी माँ ने थाना माधवनगर में बेटी के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज करायी जिस पर थाना फुसलाकर अपहरण कर ले जाने की रिपोर्ट पर प्रकरण कायम किया।

आशीर्वाद के दीपों से जगमगाया कटनी

चार प्रमुख स्थलों पर हुआ दीप प्रज्वलन, महाआरती के साथ हुआ भव्य समापन

कटनी (स्वतंत्रमत)। पीएम के जन्मदिवस के अवसर पर प्रारंभ हुए सेवा पखवाड़ा के प्रथम दिवस पर नगर पालिक निगम कटनी द्वारा आयोजित आशीर्वाद का दिया दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में शहर सेवा, समर्पण और उत्साह के प्रकाश से जगमगा उठा। राज्य शासन के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, निगम अधिकारियों-कर्मचारियों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों, महिला स्व-सहायता समूहों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता कर सेवा संकल्प का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान महापौर प्रीति संजीव सूरी, विधायक संदीप श्रीप्रसाद जायसवाल, संजीव सिंह सचिव मध्यप्रदेश शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग कलेक्टर आशीष तिवारी, निगमायुक्त तपस्या परिहार पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्वकर्मा, जिला पंचायत कार्यपालन अधिकारी हरसिमरनप्रीत कौर, वनमंडलाधिकारी गर्वित गंगवार, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक टण्डन सोनी, एसडीएम जितेंद्र पटेल, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

निगम प्रशासन के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री आवास (मल्टी) प्रेमनगर-रोशन नगर परिसर से प्रारंभ हुए दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में योजना के तहत आवंटित आवासों के हितग्राहियों द्वारा अपने आवास के बाहर दीप प्रज्वलित कर खुशियां साझा की। दीपों की रोशनी से आवास परिसर जगमगा उठा और हितग्राही परिवारों में उत्साह एवं उल्लास का वातावरण बना रहा। इस अवसर पर हितग्राही परिवारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए सेवा, समर्पण और जनभागीदारी के संदेश को आत्मसात किया। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से मिले अपने पक्के आवास में दीप जलाना हितग्राही परिवारों के लिए विशेष खुशी का अवसर रहा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस पहल ने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित परिवारों को भी उत्सव की मुख्यधारा से जोड़ते हुए जनभागीदारी का संदेश दिया।

स्मारक एवं मंदिरों में भी जगमगाई रोशनी-आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम के तहत नगर के ऐतिहासिक घंटाघर स्मारक स्थलए श्री हनुमान मंदिर समदड़िया सिटी एवं श्री गणेश मंदिर गणेश चौक, सिविल लाइन तक पहुंचा। तीनों स्थलों पर दीपों की रोशनी और नागरिकों की सहभागिता ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। कायक्रम के दौरान नागरिकों ने उत्साहपूर्वक दीप प्रज्वलित कर सेवाए सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा के संकल्प को साकार किया। श्री गणेश मंदिर, गणेश चौक में आयोजित महाआरती के साथ आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम का भव्य एवं श्रद्धापूर्ण समापन हुआ। दीपों से सजे शहर में उमड़ा जनसहभागिता का उत्साह सेवा पखवाड़ा के शुभारंभ को यादगार बना दिया। कार्यक्रम के दौरान मछुआरा संघ प्रदेश संयोजक श्याम निषाद, एमआईसी सदस्य सुभाष साहू, जयनारायण निषाद, सुरेंद्र गुप्ता, उमेंद्र अहिरवार, सुमन माखीजा, पार्षद गोविंद चावला, सीमा श्रीवास्तव, प्रभा गुप्ता, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष पारस जैन, पूर्व विधायक अल्का जैन, पूर्व जिला अध्यक्ष पीताम्बर टोपनानी, पूर्व नगर निगम अध्यक्ष सत्यनारायण अग्रहरी, पूर्व पार्षद राजकुमार माखीजा, रचना गुप्ता, सीमा जैन सोगानी, अमरीश वर्मा, कौशलेश मिश्रा, समाजसेवी यज्ञदत्त मिश्रा, रवि खरे, आशीष गुप्ता, सुरेश सोनी, शासकीय महिला महाविद्यालय प्राचार्या चित्रा प्रभात, शासकीय तिलक महाविद्यालय प्राचार्य सुनील बाजपेयी, नगर निगम उपायुक्त द्वय शैलेश गुप्ता एवं प्रियंका झरिया सहित अधिकारी-कर्मचारी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही बड़ी संख्या में उपस्थित रहे की गरिमामई उपस्थिति रही।

भारत हांगझोउ के 106 मैडल को पीछे छोड़ने के लक्ष्य के साथ उतरेगा

नागोया(वार्ता) एशियाई खेल – मीराबाई चानू से बेहतर इन भावनाओं को कोई नहीं समझा सकता! ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट, तीन बार की कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन, लेकिन कॉन्टिनेंटल लेवल पर पोडियम तक पहुँचने की अपनी तीनों कोशिशों में उन्हें निराशा ही हाथ लगी है! ऐसे में, आइची-नागोया में शनिवार से शुरू हो रहे इस कॉन्टिनेंटल इवेंट का मणिपुर की स्टार वेटलिफ्टर और कई अन्य भारतीय एथलीटों के लिए खास महत्व है, खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें इस साल की शुरुआत में ग्लासगो में हुए छोटे किए गए कॉमनवेल्थ गेम्स में शामिल नहीं किया गया था। इस कॉन्टिनेंटल इवेंट में पूरे एशिया से एथलीट मल्टी-स्पोर्ट इवेंट के लिए एक साथ आएंगे, और प्रतियोगिता 16 दिनों तक चलेगी। हिस्सा लेने वाले एथलीटों की संख्या (लगभग 11,000) और खेलों की संख्या (43) के आधार पर, एशियाई खेल ओलंपिक से भी बड़ी प्रतियोगिता रही है, भले ही इसमें शामिल देशों की संख्या (45) काफी कम है।

भारत की चुनौती 496 एथलीटों का एक बड़ा दल पेश करेगा

भारत की चुनौती 496 एथलीटों का एक बड़ा दल पेश करेगा, जिनके लिए जापानी शहर में उतरने के बाद का समय आसान नहीं रहा है। रहने की अव्यवस्था के कारण, उनमें से कई को घंटों तक कमरों का इंतज़ार करना पड़ा, जिन्हें तंग और खिलाड़ियों की ज़रूरतों के हिसाब से सुविधाओं की कमी वाला बताया जा रहा है। उम्मीद है कि शनिवार को प्रतियोगिता शुरू होने के बाद ये शुरुआती परेशानियाँ दूर हो जाएँगी।

भारत हांगझोऊ की यादों के साथ नागोया आया

भारत हांगझोऊ की यादों के साथ नागोया आया है। 2022 एशियाई खेलों में जीते गए 106 मेडल इस कॉन्टिनेंटल इवेंट में देश की अब तक की सबसे बड़ी जीत थी और इसने भारतीय खेलों से जुड़ी उम्मीदों को बदल दिया। अब लक्ष्य सिर्फ़ उस संख्या को बढ़ाना नहीं है। भारत का व्यापक खेल लक्ष्य 2036 तक शीर्ष 10 खेल देशों में शामिल होना और 2047 तक शीर्ष पाँच में जगह बनाना है। एशियाई खेल इस बात का एक उपयोगी पैमाना है कि यह लक्ष्य कैसे आगे बढ़ रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि यहाँ सफलता के लिए कई तरह के खेलों में मज़बूती की ज़रूरत होती है। शूटिंग उन खेलों में से एक होगी जिनसे महत्वपूर्ण योगदान की उम्मीद है। 30 सदस्यों वाली भारतीय टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा टैलेंट का अच्छा मिश्रण है, जिसमें दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर प्रमुख नामों में शामिल हैं। भारत के पास राइफल, पिस्टल और शॉटगन में मेडल जीतने की संभावना है, हालांकि चुनौती कड़ी होगी। इस खेल में चीन एक बड़ी ताकत बना हुआ है, और शूटिंग में मेडल जीतने और जल्दी बाहर होने के बीच का अंतर अक्सर बहुत कम हो सकता है।

एथलेटिक्स भी दिलचस्पी का एक बड़ा क्षेत्र है

एथलेटिक्स भी दिलचस्पी का एक बड़ा क्षेत्र है, हालांकि भारत को नीरज चोपड़ा के बिना मुकाबला करना होगा। दो बार के एशियाई खेलों के चैंपियन चोट के कारण बाहर हैं और लगातार तीसरी बार एशियाई खेलों में गोल्ड जीतने का मौका चूक जाएंगे। 74 सदस्यों वाली एथलेटिक्स टीम में अभी भी काफी गहराई है।

ओपनिंग सेरेमनी के लिए मनु भाकर और तूर होंगे भारत के ध्वजवाहक

दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर और मौजूदा चैंपियन शॉट-पुटर तजिंदरपाल सिंह तूर शनिवार को 20वें एशियन गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी में भारत के दल का नेतृत्व करते हुए ध्वजवाहक होंगे। यह सेरेमनी पालोमा मिज़ुहो स्टेडियम में दोपहर 2:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक होगी, जिससे इस बड़े कॉन्टिनेंटल इवेंट की औपचारिक शुरुआत होगी, जो 4 अक्टूबर तक चलेगा। पेरिस ओलंपिक में दो ब्रॉन्ज़ मेडल

जीतने वाली भाकर, आज़ादी के बाद के दौर में गेम्स के एक ही एडिशन में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बनीं। वह चार साल पहले हांगझोउ एशियन गेम्स में भारत की गोल्ड मेडल जीतने वाली महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम का भी हिस्सा थीं। वहीं, तूर पुरुषों के शॉट पुट इवेंट में अपना दबदबा बनाए रखने के मौके के साथ आइची-नागोया पहुंचे हैं। यह भारतीय थ्रोअर दो बार के एशियन गेम्स चैंपियन हैं और लगातार तीसरा गोल्ड जीतने की कोशिश करेंगे। इन गेम्स में 37 खेलों में 500 से ज़्यादा भारतीय एथलीट हिस्सा लेंगे, जिसमें 45 देशों और क्षेत्रों के खिलाड़ी 43 अलग-अलग खेलों में मुकाबला करेंगे।

प्लेयर ऑफ़ द मैच और प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ बने अभिषेक शर्मा

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारत की अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी 20 में तूफ़ानी शतक बनाने वाले अभिषेक शर्मा को प्लेयर ऑफ़ द मैच और प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ दोनों का पुरस्कार मिला। अभिषेक ने मैच के बाद कहा, मैंने पहले भी कहा है कि हम ऐसा पिछले दो साल से कर रहे हैं और एकाध ख़राब सीरीज़ से हमारा मूल्यांकन नहीं हो सकता। एक बल्लेबाज़ और क्रिकेटर के तौर पर उतार-चढ़ाव आता है लेकिन एक टीम के तौर पर हम क्या सोचते हैं यह मायने रखता है। यह प्रोसेस पर निर्भर करता है, मैं सीरीज़ से पहले काफ़ी तैयारी करता हूं और एक बल्लेबाज़ के तौर पर मैं काफ़ी स्पेसिफ़िक तौर पर सोचता हूं कि पावरप्ले में कैसे बल्लेबाज़ी करनी है और किनके ख़िलाफ़ आक्रमण करना है। उन्होंने कहा, ऐसे में कोच और कप्तान से समर्थन मिलना ज़रूरी होता है और मुझे काफ़ी समर्थन मिल रहा है।

धूमल और मजूमदार आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के लिए निर्विरोध फिर से चुने गए

मुंबई (वार्ता)। शुक्रवार को अरुण सिंह धूमल और एम खैरुल जमाल मजूमदार निर्विरोध आईपीएल गवर्निंग काउंसिल में अपनी सीटों पर बने रहे। साथ ही, बीसीसीआई की 95वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में घरेलू अंपायरों और मैच रेफरी के लिए संशोधित वेतन ढांचे को भी मंजूरी दी गई। इन दो पदों के लिए कोई अन्य नामांकन दाखिल नहीं होने के कारण, आईपीएल चेयरमैन के तौर पर एक और कार्यकाल चाहने वाले धूमल और इंडियन क्रिकेटर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि मजूमदार को चुनाव अधिकारी एके जोती द्वारा जांच प्रक्रिया पूरी करने के बाद फिर से चुन लिया गया। एजीएम ने घरेलू अंपायरों और मैच रेफरी के लिए नए पारिश्रमिक ढांचे और ग्रेड वर्गीकरण को भी मंजूरी दी। वित्तीय मोर्चे पर, आम सभा ने 2025-26 के ऑडिट किए गए खातों को अपनाया और 2026-27 के बजट को मंजूरी दी, साथ ही आने वाले वित्तीय वर्ष के लिए ऑडिटर भी नियुक्त किए। बैठक ने भारतीय क्रिकेट के लिए दो महत्वपूर्ण मील के पत्थर तय करने की नींव भी रखी। बीसीसीआई 2027 में आईपीएल के 20वें संस्करण को विशेष कार्यक्रमों के साथ मनाएगा और 2028 में अपनी शताब्दी (100 साल पूरे होने) की तैयारियों की शुरुआत करेगा। बोर्ड ने कहा कि शताब्दी समारोह पूरे एक साल तक चलेगा, जो दिसंबर 2027 में शुरू होगा और 2028 तक जारी रहेगा। नीतिगत मोर्चे पर, आम सभा ने बीसीसीआई की यौन उत्पीड़न रोकथाम (पीओएसएच) नीति के तहत एक नई आंतरिक समिति का गठन किया और औपचारिक रूप से एक अद्यतन आयु सत्यापन नीति को अपनाया। एजीएम में दिव्यांग क्रिकेटरों के लिए समर्थन को मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा की गई। राज्य संघों से कहा गया कि वे सुविधाओं को बेहतर बनाने और संसाधन उपलब्ध कराने पर ध्यान दें, जिनका उद्देश्य उनके विकास में सहायता करना हो।

चीन को हराकर जापान फ़ाइनल में

नागोया (जापान) (वार्ता) शुक्रवार को 2026 एशियन गेम्स के पुरुषों के बास्केटबॉल सेमीफ़ाइनल में चीन मेज़बान जापान से 97-77 से हार गया और लगातार दूसरे गेम्स में फ़ाइनल में जगह बनाने से चूक गया। जापान ने शुरुआत में ही बढ़त बना ली; उन्होंने 9-0 की बढ़त (रन) के साथ पहले क्वार्टर में 28-15 की लीड हासिल की। हू मिंगक्सुआन के 3-पॉइंटर ने चीन को दूसरे क्वार्टर में 3:42 मिनट बाकी रहते हुए अंतर को आठ पॉइंट तक कम करने में मदद की, लेकिन जापान ने 11-0 की बढ़त के साथ जवाब दिया और हाफ़टाइम तक 49-30 की लीड बना ली। जापान ने बार-बार फ़ास्ट-ब्रेक मौकों का फ़ायदा उठाया और तीसरे क्वार्टर में शानदार खेल दिखाते हुए फ़ील्ड से 19 में से 14 शॉट सफल किए; एक समय तो उन्होंने अपनी बढ़त को 35 पॉइंट तक पहुँचा दिया था। चीन ने चौथे क्वार्टर में अंतर को कम किया लेकिन पूरी तरह से वापसी नहीं कर सका ।

अगरकर पर संशय के बीच बीसीसीआई के पदाधिकारियों को चयन समिति पर फैसला लेने का अधिकार

मुम्बई (वार्ता)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की शुक्रवार को हुई वार्षिक बैठक में अजीत अगरकर के कार्यकाल के विस्तार को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ। बैठक में बोर्ड के पदाधिकारियों को सीनियर पुरुष चयन समिति के बारे में फैसला लेने का अधिकार दिया गया है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार आज हुई बैठक में बोर्ड के पदाधिकारियों को सीनियर पुरुष चयन समिति के बारे में फैसला लेने का अधिकार दिया गया है। अगरकर के इस पद पर बने रहने को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं, भले ही बीसीसीआई ने इस महीने की शुरुआत में ब्रिटन दौरे पर भारत के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए हुई बैठक में उनकी गैर-मौजूदगी को ज़्यादा अहमियत नहीं दी। उनके पद पर सवाल तब से उठ रहे हैं जब लॉर्ड्स वनडे से पहले रोहित शर्मा वाला मामला सामने आया था। खबरों के मुताबिक, चयनकर्ताओं ने

पूर्व कप्तान को बताया था कि वह टीम की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन बाद में बीसीसीआई को दखल देना पड़ा। जुलाई 2023 में चयनकर्ताओं के चेयरमैन अगरकर का अनुबंध अक्टूबर 2026 तक है। इस बीच, वेस्टइंडीज वनडे, ईरानी कप और इंडिया ए टीमों के लिए भारतीय टीम चुनने की बैठक इस हफ़्ते की शुरुआत में बिना किसी रुकावट के हुई। इस मामले की जानकारी रखने वालों ने बताया कि सब कुछ सामान्य रूप से चल रहा था और चयनकर्ता अपना काम सामान्य ढंग से कर रहे थे। अगर अगरकर का कार्यकाल खत्म होता है, तो बीसीसीआई को तुरंत नया चेयरमैन नियुक्त नहीं कर पाएगा। बोर्ड को तय प्रक्रिया का पालन करना होगा, जिसमें पद के लिए विज्ञापन देना और फिर इंटरव्यू लेना शामिल है, जिसका मतलब है कि नया चेयरमैन चुनने में कुछ समय लग सकता है। खबर है कि अगर शीर्ष स्तर पर बदलाव होता है, तो भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल अगरकर की जगह ले सकते हैं। जूनियर चयन समिति की नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है। नई जूनियर चयन समिति की नियुक्ति की प्रक्रिया भी अभी पूरी नहीं हुई है। बीसीसीआई ने 24 अगस्त को पांच पदों के लिए विज्ञापन दिया था, लेकिन इंटरव्यू अभी होने बाकी हैं। उम्मीद थी कि एजीएम के बाद नई कमिटी की घोषणा की जाएगी। हालांकि, ताजा जानकारी के मुताबिक, यह प्रक्रिया महीने के आखिर तक जारी रह सकती है। इस बीच, झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) के सचिव सौरभ तिवारी ने उन खबरों को गलत बताया है जिनमें कहा गया था कि अगले साल होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए रांची की जगह कोई और वेन्यू चुना जाएगा।

शेयर बाजारों में लिवाली के बीच सेंसेक्स में मामूली गिरावट

मुंबई (वार्ता)।

कच्चे तेल में जारी नरमी से घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को लिवाली का जोर रहा, हालांकि आईटी कंपनियों के दबाव में सेंसेक्स में मामूली गिरावट देखी गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 19.63 अंक (0.03 प्रतिशत) की गिरावट में 74,294.96 अंक पर बंद हुआ। सूचकांक सुबह 260 अंक की तेजी के साथ 74,575 अंक पर खुला और एक समय करीब 414 अंक चढ़ गया था। आखिरी 15 मिनट में बिकवाली से सेंसेक्स टूट गया। सेंसेक्स के विपरीत नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक कारोबार की समाप्ति पर 75.80 अंक यानी 0.33 प्रतिशत चढ़कर 23,346.40 अंक

पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल सवा फीसदी फिसलकर फिलहाल 103.5 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। इससे दूसरे प्रमुख एशियाई बाजारों के साथ घरेलू शेयर बाजारों में भी निवेश धारणा मजबूत रही। वृहत बाजार में चौतरफा लिवाली के बीच निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.87 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.74 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। सेक्टर आधारित सूचकांकों में निफ्टी धातु 1.51 प्रतिशत, मीडिया 1.34 प्रतिशत, रियल्टी 1.19 प्रतिशत और रसायन 1.17 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। तेल एवं गैस, बैंकिंग, वित्त, फार्मा और स्वास्थ्य समूहों में भी तेजी रही। आईटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, एफएमसीजी और ऑटो सेक्टरों के सूचकांक टूट गए।

एनएसई में जिन 3,653 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,387 के शेयर बढ़त में और 1,154 के गिरावट में रहे। अन्य 112 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 20 के शेयर लाल निशान में रहे। टाटा समूह की कंपनी टीसीएस का शेयर 4.33 प्रतिशत टूट गया। टाइटन में 2.11 प्रतिशत, एशियन पेंट्स में 2.00, मारुति सुजुकी में 1.98, टेक महिंद्रा में 1.82, टाटा स्टील में 1.73, सन फार्मा में 1.63 और एनटीपीसी में 1.62 प्रतिशत की गिरावट रही।

रुपया छह पैसे टूटा

मुंबई (वार्ता)। डॉलर की मजबूती से अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में शुक्रवार को रुपया छह पैसे टूट गया और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 95.96 रुपये प्रति डॉलर का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा एक पैसे की मजबूती के साथ 95.90 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। कच्चे तेल में गिरावट से रुपया सुबह 20 पैसे चढ़कर 95.75 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और ऊपर 95.71 रुपये प्रति डॉलर तक गया। हालांकि बाद में बैंकों की ओर से डॉलर की मांग आने से रुपये का ग्राफ लगातार नीचे की ओर उतरता गया और अंत में 95.96 रुपये प्रति डॉलर के दिन के निचले स्तर तक टूटकर उसी स्तर पर बंद हुआ। कच्चे तेल में आज गिरावट रही। लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा फिलहाल 0.3 प्रतिशत नीचे 104.5 डॉलर प्रति बैरल के करीब है।

जबलपुर में लेमन ट्री प्रीमियर होटल का शुभारंभ

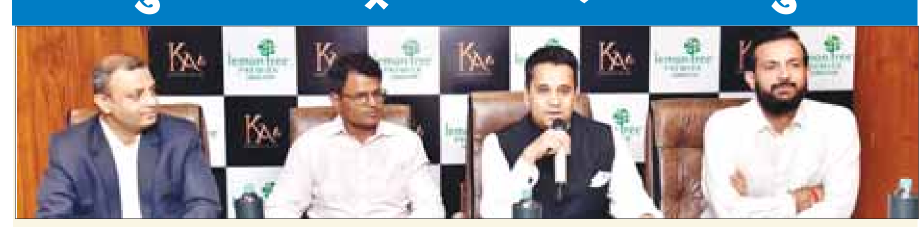

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख हॉस्पिटैलिटी कंपनियों में से एक लेमन ट्री होटल्स लिमिटेड द्वारा केऐ मॉल में लेमन ट्री प्रीमियर का उद्घाटन करने जा रही है। नौदरा ब्रिज पर बने केऐ मॉल स्थित लेमन ट्री प्रीमियर, जबलपुर शहर के प्रमुख हिस्सों तक आसान पहुंच प्रदान करता है और व्यावसायिक तथा अवकाश यात्रियों, दोनों के लिए सुविधाजनक रूप से स्थित है। जबलपुर मध्य भारत का एक महत्वपूर्ण वाणिज्यिक और प्रशासनिक केंद्र है, जबकि नर्मदा नदी के किनारे इसका स्थान और प्रमुख पर्यटन स्थलों से निकटता इसे एक आकर्षक अवकाश पर्यटन स्थल बनाती है। शहर के विभिन्न प्रकार के यात्रियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया लेमन ट्री प्रीमियर, जबलपुर 80 सुसज्जित कमरे और सुइट्स प्रदान करता है। साथ ही सिट्रस कैफे, एक मल्टी-क्यूज़ीन कॉफी शॉप, स्लाउंज, एक मनोरंजन बार और इन-रूम डाइनिंग की सुविधा है। होटल में बहुउपयोगी बैंक्वेट और मीटिंग स्पेस के साथ स्पा, स्विमिंग पूल और अच्छी तरह सुसज्जित फिटनेस सेंटर भी उपलब्ध है। लेमन ट्री होटल्स लिमिटेड के प्रेसिडेंट विश्वप्रीत सिंह चीमा ने कहा कि शहर के केंद्र में स्थित यह होटल शहर की बढ़ती व्यावसायिक एवं संस्थागत मांग को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में है और साथ ही आसपास के क्षेत्रों की यात्रा करने वाले यात्रियों की आवश्यकताओं को भी पूरा करता है।

चीनी, चावल, गेहूं नरम, दालों और तेलों में उतार-चढ़ाव

नयी दिल्ली (वार्ता) घरेलू थोक जिंस बाजारों में शुक्रवार को चीनी का औसत भाव गिर गया। चीनी के साथ चावल और गेहूं में भी गिरावट रही। दालों तथा खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 13 रुपये घटकर 5,367 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गुड़ भी 11 रुपये टूटकर 5,940 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 11 पैसे घटकर 58.55 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 19 रुपये घटकर 4,148 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं पांच रुपये टूटकर 2,865 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बोला गया। आटे की कीमत में तीन रुपये की गिरावट देखी गयी। दाल-दलहनों में मसूर दाल की औसत कीमत 80 रुपये और चना दाल की 12 रुपये प्रति क्विंटल टूट गई।

थोक उपभोक्ता अब 30 दिन की जरूरत का चीनी भंडार रख सकेंगे

नयी दिल्ली (वार्ता)। आने वाले त्योहारी सीजन को देखते हुए केंद्र सरकार ने थोक उपभोक्ताओं के लिए चीनी भंडारण की सीमा बढ़ाकर 30 दिन कर दी है। थोक उपभोक्ताओं में कंपनियां या दूसरी ऐसी इकाइयां आती हैं जिनमें कच्चे माल के तौर पर एक महीने में 10 टन से अधिक चीनी की खपत होती है। इनमें शीतल पेय, कंफेक्शनरी उत्पाद और मिठाइयां बनाने वाली इकाइयां हो सकती हैं। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं जन वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि थोक उपभोक्ता अब 15 दिन की बजाय अपनी 30 दिन तक की खपत के लिए चीनी का भंडारण

कर सकेंगे। हालांकि इसमें एक शर्त यह रखी गई है कि 15 दिन की खपत से अधिक की चीनी आयातकों से खरीदी गई हो जिसका आयात अग्रिम स्वीकृति योजना और शुल्क दर कोटा के तहत किया गया हो। मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि थोक उपभोक्ताओं ने मौजूदा भंडारण सीमा को, विशेष रूप से आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए, बढ़ाने की मांग की थी। उन्होंने यह भी सुझाव दिया था कि उन्हें अग्रिम स्वीकृति योजना और शुल्क दर कोटा के तहत आयातित चीनी रखने वाले आयातकों से सीधे चीनी खरीदने की अनुमति दी जाए, ताकि घरेलू आपूर्ति को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किए बिना औद्योगिक खपत के लिए चीनी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि चीनी मिल से मिलने वाली चीनी की कीमत में पिछले दिनों जहां 25 प्रतिशत की कमी आई है, वहीं खुदरा बाजार में कीमत मात्र 10 प्रतिशत कम हुई। उसने चीनी की आपूर्ति श्रृंखला में शामिल सभी हितधारकों से अपील की है कि वे मिलों के दाम में रही नरमी का पूरा लाभ अंतिम उपभोक्ताओं तक पहुंचाएं।

मूडीज ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर सात प्रतिशत किया

नयी दिल्ली (वार्ता)। वैश्विक साख निर्धारक एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान छह प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है। मूडीज की रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। उसने उम्मीद जताई कि दूसरी जी20 अर्थव्यवस्थाओं और समान साख वाले उभरते बाजारों की तुलना में तेजी से आगे बढ़ता रहेगा। हालांकि, उसने चेतावनी दी कि ईंधन और खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी से अर्थव्यवस्था की गति अनुमान से कम रह सकती है। उसका कहना कि ईंधन की लागत लंबे समय तक ऊंची बनी रही तो महंगाई और घरेलू खपत पर दबाव पड़ सकता है। इससे सकल आर्थिक विकास पर भी असर पड़ सकता है। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में जीडीपी में साल-दर-साल 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उसके बाद मूडीज ने अपने पिछले अनुमान में सुधार किया है। अल नीनो के संभावित असर पर के बारे में मूडीज का मानना है कि इससे खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ सकते हैं, और महंगाई का अतिरिक्त दबाव बन सकता है।

सेमीकंडक्टर सेक्टर में निवेश के लिए प्रदेश में अपार संभावनाएं : डॉ. यादव

सेमीकॉन इंडिया-2026 में मुख्यमंत्री ने कंपनियों से किया संवाद

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली के यशोभूमि स्थित सेमीकॉन इंडिया 2026 में मध्यप्रदेश पवेलियन का भ्रमण कर सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने मध्यप्रदेश में निवेश, तकनीकी सहयोग और सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विस्तार की संभावनाओं पर उद्योग प्रतिनिधियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है। सेमीकंडक्टर, चिप डिजाइनिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उभरते क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। प्रदेश सरकार उद्योगों को आवश्यक सहयोग और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने पारस सेमीकंडक्टर्स, थॉमसन सेमीकंडक्टर्स, स्प्रिन्टोनिक्स एआई, एनएक्सपी इंडिया, मार्वल सेमीकंडक्टर्स, एल एंड टी सेमीकंडक्टर्स और स्वदेश आईसी सेमीकंडक्टर्स सहित विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने इंटरनेशनल सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री ग्रुप (आईएसआईजी) के प्रतिनिधिमंडल से भी मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में जापान की एक्रेटेक, केनन और कैइजो, कोरिया की हनवा और जेनसेम इंक तथा अमेरिका की मेकडरमिड अल्फा के प्रतिनिधि शामिल थे। जापानी प्रतिनिधिमंडल में आक्साईड कार्पोरेशन, स्केल फोटोनिक्स और इम्प्यूट इंक के प्रतिनिधियों से भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सेमीकॉन इंडिया-2026 वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग के साथ संवाद और सहयोग का महत्वपूर्ण मंच है। मध्यप्रदेश अपनी औद्योगिक क्षमता, निवेश की संभावनाओं और उपलब्ध संसाधनों के साथ इस क्षेत्र में नई साझेदारियों के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने किष्किंधा इंटरनेशनल, डिजिकॉम, सिग्निटयूट, स्टेब्वो टेक्नोलॉजी, ट्रू-चिप सोल्युशन, बनाश्री सेमीकंडक्टर्स, वीएलएसआई एक्सपर्ट और न्यूजिमो सेमीकंडक्टर्स सहित चिप डिजाइनिंग एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने मोहाली चिप डिजाइनिंग पेवेलियन और स्वीडिश पेवेलियन का भी अवलोकन किया। सेमीकॉन इंडिया-2026 के दौरान हुई इन बैठकों में मध्यप्रदेश में सेमीकंडक्टर, चिप डिजाइनिंग एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में निवेश और तकनीकी सहयोग की संभावनाओं पर संवाद हुआ।

इंदौर में 23-24 अक्टूबर को होगा बड़ा निवेशक सम्मेलन- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सेमीकंडक्टर सेक्टर के क्षेत्र में मध्यप्रदेश में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं। राज्य सरकार लगातार देश और विदेश के निवेशकों को आकर्षित करने के लिए गंभीरतापूर्वक प्रयास कर रही है। नई दिल्ली के सेमिकॉन इंडिया-2026 में मध्यप्रदेश सरकार की ओर से एक स्टॉल लगाया गया है, जहां प्रदेश के अधिकारी विभिन्न क्षेत्रों के निवेशकों और कारोबारी प्रतिनिधियों से संवाद कर रहे हैं।

विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रधानमंत्री का जन्मोत्सव उत्साह के साथ मनाया जा रहा है : राज्यमंत्री लोधी

दमोह (स्वतंत्र मत)

जिले भर में आशीर्वाद का दिया का आयोजन किया गया। 6 लाख से अधिक दीप लाभार्थी परिवारों और सार्वजनिक स्थलों, मंदिरों में प्रज्जवलित कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर उनके दीर्घायु, स्वस्थ्य एवं यशस्वी जीवन की कामना की गई। इस आयोजन में जिले भर के नागरिकों एवं विभिन्न सामाजिक, स्वैच्छिक संस्थाओं, जनप्रतिनिधियोंद्व अधिकारियों ने सहभागिता की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। देश विकसित भारतके संकल्प के साथ प्रगति कर रहा है और वैश्विक स्तर पर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस आशय के विचार संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्रीधर्मेन्द्र सिंह लोधी ने आशीर्वाद का दीप जलाकर व्यक्त किए। राज्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर देश सहित विश्व के 37 से अधिक देशों में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जन्मोत्सव हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा हम सब अत्यंत सौभाग्यशाली हैं कि उस युग में राजनीति और जनसेवा कर रहे हैं जिसका नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे महान व्यक्तित्व कर रहे हैं।

ज्ञान, प्रतिभा और संकल्प से युवा विकसित भारत के निर्माण में दें योगदान : पटेल

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह सम्पन्न

भोपाल (स्वतंत्र मत)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि युवाओं को अपनी शिक्षा और प्रतिभा का उपयोग व्यक्तिगत सफलता के साथ समाज, पर्यावरण और राष्ट्र के हित में करना चाहिए। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए युवाओं की ऊर्जा, नवाचार और जनसेवा की भावना महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से सफलता के साथ विनम्रता बनाए रखने तथा माता-पिता, शिक्षकों और समाज के योगदान का सदैव स्मरण रखने का आह्वान किया। राज्यपाल श्री पटेल ने यह बात बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। दीक्षांत कार्यक्रम का आयोजन कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में शुक्रवार को किया गया।

प्रत्येक विद्यार्थी की यात्रा अलग होती है- राज्यपाल पटेल ने महान स्वतंत्रता सेनानी और शिक्षाविद् बरकतउल्लाह जी के देश प्रेम तथा अपनी माटी की सेवा के जज्बे का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत, अनुशासन और लगन का उत्सव है, जो उनके जीवन में नई जिम्मेदारियों और अवसरों के द्वार खोलता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी की यात्रा अलग होती है। उपलब्धियों पर गर्व करने के साथ माता-पिता के त्याग और शिक्षकों के सहयोग के लिए सदैव आभारी रहना चाहिए। वे जहाँ भी जाएँ, अपने विश्वविद्यालय और परिवार की गरिमा बढ़ाने का प्रयास करें।

सत्य की खोज, चरित्र निर्माण और लोक कल्याण का मार्ग - राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षा व्यवस्था का केवल सूचना और ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं रही, बल्कि सत्य की खोज, चरित्र निर्माण और लोक कल्याण का मार्ग रही है। गुरु-शिष्य परंपरा में समानता, अनुशासन और चरित्र निर्माण को महत्व दिया गया। श्रीकृष्ण, बलराम और सुदामा का गुरु सांदीपनि के आश्रम में समान शिक्षा प्राप्त करने का प्रसंग इसका प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को वर्तमान चुनौतियों के समाधान और भविष्य के नवाचार का माध्यम बनाना होगा।

'हरित ऊर्जा से विकसित भारत बनाने की पहल'- राज्यपाल श्री पटेल ने दीक्षांत समारोह की थीम 'हरित ऊर्जा से विकसित भारत बनाने की पहल' की सराहना की, कहा कि विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण भी आवश्यक है। प्रकृति के निरंतर दोहन से जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियां सामने आई हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का उल्लेख किया। विद्यार्थियों से शुद्ध प्राणवायु के लिए पौधरोपण और जल संरक्षण को जनभागीदारी से आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कच्छ के रण में शिक्षक दंपत्ति द्वारा बच्चों की सहभागिता से पौधरोपण के द्वारा विद्यालय की बाउंड्री वॉल बनाने के उदाहरण का उल्लेख करते हुए कहा कि काम छोटा हो सकता है, लेकिन सोच बड़ी और संकल्प मजबूत हो तो उसका प्रभाव दूरगामी होता है।

नवीकरणीय ऊर्जा और जल संरक्षण के क्षेत्र में नवाचार- उन्होंने विश्वविद्यालयों से ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा और जल संरक्षण के क्षेत्र में नवाचार के साथ आदर्श जीवनशैली के उदाहरण प्रस्तुत करने की अपेक्षा की है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक 'जन सेवा संकल्प' अभियान चलाया जा रहा है।

15 वर्ष में पिछड़ा वर्ग के 5 करोड़ से अधिक विद्यार्थी लाभांवित

13 हजार करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व और निर्णयों के फलस्वरूप प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा के हर स्तर पर अभूतपूर्व प्रोत्साहन और वित्तीय सहयोग मिल रहा है। पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को राज्य सरकार द्वारा प्राथमिक शिक्षा से विदेश अध्ययन के लिये छात्रवृत्ति, निःशुल्क कोचिंग और प्रशिक्षण जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं में पिछले 15 वर्षों में 13 हजार 156 करोड़ 51 लाख से अधिक की वित्तीय सहायता दी गई है। योजनाओं से लगभग 5 करोड़ 34 लाख 39 हजार 54 से अधिक विद्यार्थी लाभांवित हुए।

प्री एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति से शिक्षा का सशक्तिकरण- स्कूली स्तर पर ड्रॉप-आउट दर को समाप्त करने और बच्चों की पढ़ाई निरंतर बनाए रखने के लिए संचालित प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत वर्ष 2012-13 से 2026-27 तक पिछड़ा वर्ग के 4 करोड़ 50 लाख से अधिक विद्यार्थियों को 2,535 करोड़ से अधिक की छात्रवृत्ति वितरित की जा चुकी है। इसके साथ ही स्कूली शिक्षा में उत्कृष्ट अंक लाने वाले होनहारों को प्रावीण्य (मेधावी) छात्रवृत्ति योजना के तहत पिछड़ा वर्ग के 2,185 विद्यार्थियों को 1 करोड़ 69 लाख रूपये की राशि दी गई है। उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा में कॉलेज स्तर के छात्रों को राहत देते हुए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत वर्ष 2012-13 से 2026-27 के दौरान इसी वर्ग के 84.22 लाख विद्यार्थियों को ?10,467 करोड़ की राशि से संबल प्रदान किया गया है।

निःशुल्क कोचिंग, प्रोत्साहन और कौशल विकास- पिछड़ा वर्ग के युवाओं को प्रशासनिक और प्रतियोगी सेवाओं में सफलता दिलाने के लिए राज्य सरकार द्वारा विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। वर्ष 2021-22 में प्रारंभ की गई सरदार पटेल कोचिंग प्रशिक्षण योजना के तहत 11,174 शिक्षित युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 23 करोड़ 9 लाख रूपये के व्यय से निशुल्क कोचिंग दी गई है। इसी प्रकार संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले 3,354 पिछड़ा वर्ग अभ्यर्थियों को सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के तहत 7 करोड़ 64 लाख रूपये की राशि प्रदान की गई। इसके अलावा वर्ष 2026-27 से युवाओं के सर्वांगीण प्रशिक्षण के लिए शुरू की गई शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत रू 4 करोड़ 83 लाख राशि का व्यय कर 3,827 युवाओं को सफलता पूर्वक प्रशिक्षित किया गया है।

छात्रवृत्ति योजना से वैश्विक पटल पर साकार होते सपने- पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना में प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वर्ष 2008-09 से लेकर अब तक पिछड़ा वर्ग के कुल 341 विद्यार्थियों को 122 करोड़ 9 लाख रूपये का वित्तीय अनुदान देकर विदेशों में पढ़ने का मार्ग प्रशस्त किया गया है।

रक्तदान महादानः सेवा संकल्प अभियान में समाज के हर वर्ग ने बढ़ाया मानवता का हाथ

दमोह (स्वतंत्र मत)। प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रीता चटर्जी ने बताया कि जिले में सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत जिला मुख्यालय के साथ सभी विकासखंडों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रक्तदान की प्रेरक पहल के साथ रक्तदान शिविर आयोजित कर की गई। मानस भवन में आयोजित जिला स्तरीय वृहद रक्तदान शिविर जनप्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित किया गया। आनंद विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल, सांसद राहुल सिंह, दमोह विधायक जयंत मलैया, जिपं रंजीता गौरव पटेल, जिला भाजपा अध्यक्ष श्याम शिवहरे एवं कलेक्टर प्रताप नारायण यादव, पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी उपस्थित रहे। शिविर में समाजसेवियों, युवाओं सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। शिविर में 140 यूनिट रक्तदान हुआ। रक्तदान शिविर में अलग.अलग क्षेत्रों और वर्गों के लोगों के एक साथ आगे आने से

शिविर में सामाजिक एकजुटता, संवेदनशीलता और जनभागीदारी का प्रभावी संदेश दिखाई दिया। शिविर में कई ऐसे रक्तवीरों ने भी रक्तदान किया जो वर्षों से निरंतर इस मानवीय सेवा से जुड़े हुए हैं। उनका निरंतर रक्तदान यह संदेश देता है कि स्वैच्छिक रक्तदान केवल एक बार की पहल नहीं बल्कि जरूरतमंदों के प्रति निरंतर सामाजिक जिम्मेदारी का भाव है। 97 बार रक्तदान कर चुके कृष्ण कुमार खरे, 95 बार के रक्तदाता दीपक सोनी, मोंटी रैकवार 91 बार, सुरेंद्र असाटी 68 बार, दीपक राजपूत 58 बार, दीपक जैन 58 बार, वावी वाधवा 58 बार, राम मिश्रा 41 बार, लक्ष्मीकांत पौराणिक 39 बार, आशीष गुप्ता 30 बार, हिमांशु ताम्रकार 25 बार, लालू जैन 20 बार ने एक साथ सहभागिता निभाकर रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाया। रक्तवीर दीपक जैन ने कहा श्रक्तदान बेहद संवेदनशील और सुखद अनुभव है।

महिलाओं ने भी बढ़ाया सहभागिता का हाथ

रक्तदान के प्रति महिलाओं में भी उत्साह दिखाई दिया। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती मालती असाटी ने स्वयं रक्तदान कर सेवा संकल्प अभियान में सहभागिता निभाई और स्वैच्छिक रक्तदान का प्रेरक संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक श्री आनंद कलादगि ने भी स्वप्रेरणा से रक्तदान कर शिविर में मौजूद रक्तवीरों एवं रक्तदाताओं का मनोबल बढ़ाया। उनकी सहभागिता ने समाज की सुरक्षा के साथ जरूरतमंदों के जीवन की रक्षा में योगदान देने का संदेश दिया। वहीं रक्तवीर एवं अधिवक्ता निशांत ने 96वीं बार रक्तदान कर किसी अनजान जरूरतमंद के जीवन को बचाने में अपना अमूल्य योगदान दिया। मानस भवन में रक्तदाताओं की सुविधा एवं सुरक्षित रक्त संग्रहण के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। यहां वातानुकूलित ब्लड डोनेशन वैन के साथ रक्तदाताओं के लिए 20 बेड की व्यवस्था की गई। सभी रक्तदाताओं को जूस एवं फल का भी सेवन कराया गया।

गौवंश संरक्षण और सुगम यातायात के लिए सड़क से गौशाला की ओर अभियान

कलेक्टर ने किया श्रीराम गौशाला हटा का निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

दमोह (स्वतंत्र मत)। सेवा संकल्प अभियान एवं मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंर्तगत कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने श्रीराम गौशाला हटा का निरीक्षण किया। इस दौरान गौवंश के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं, संरक्षण एवं देखरेख की स्थिति का जायजा लिया। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कहा कि गौशाला में गौवंश के लिए अच्छी व्यवस्थाएं पाई गईं। यहां लोग सेवा भाव से कार्य कर रहे हैं तथा गौमाता के संरक्षण के लिए अपने दायित्वों का पूरी तरह निर्वहन कर रहे हैं। उन्होने कहा जिला प्रशासन द्वारा सड़क से गौशाला की ओर अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी असहाय एवं निराश्रित गौवंश सड़क पर बैठने या भटकने के लिए मजबूर न हो। ऐसे गौवंश को शासन द्वारा संचालित गौशालाओं में भेजकर सुरक्षित एवं संरक्षित किया जाएगा। सड़क पर गौवंश के बैठने से आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं आमजन प्रभावित होते हैं। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने का निर्णय लिया है। एक माह के भीतर सड़कों पर बैठने अथवा विचरण करने वाले गौवंश को गौशालाओं में पहुंचाकर सुरक्षित एवं संरक्षित करने का प्रयास किया जाएगा।

बाल श्रमिक पाए जाने पर तत्काल दें सूचना

दमोह (स्वतंत्र मत)। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि जिले में किसी भी नियोजन अथवा कार्य में बाल श्रमिक पाए जाने पर नागरिक तत्काल इसकी सूचना संबंधित माध्यमों से दे सकते हैं। शिकायत अथवा सूचना सीएम हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 18005991480 संबंधित पुलिस थाना अथवा श्रम पदाधिकारी को दी जा सकती है। उन्होंने बताया कि बाल श्रम से संबंधित शिकायत अथवा सूचना प्राप्त होने पर संबंधित नियोजक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)

// निविदा आमंत्रण सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र. 1	टेण्डर क्रमांक / जारी दिनांक 2	कार्य का नाम 3	कार्य समयावधि एवं लागत (लाख में) 4	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD 5	निविदा की अंतिम तिथि 6
1	Pro- 580 Date- 18/9/2026 2026_UAD_537075_1	संभाग क्र. 08 सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्ण वार्ड अंतर्गत विभिन्न स्थलों में सड़क निर्माण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	4 माह 12.66	2,000/- 38009/-	5-10-2026
2	Pro- 580 Date- 18/9/2026 2026_UAD_537075_2	संभाग क्र. 16 रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड अंतर्गत डॉ. सेन की गली में नाली एवं सीमेंटीकरण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	4 माह 3.38	2,000/- 3383/-	5-10-2026
3	Pro- 580 Date- 18/9/2026 2026_UAD_537075_3	संभाग क्र. 16 रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड अंतर्गत निजाम भाई के घर के पास मस्जिद के बाजू वाली गली में नाली निर्माण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	4 माह 2.50	2,000/- 2500/-	5-10-2026

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट https://mptender.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम
जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज/ हस्तांतरण नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति अमृता तिवारी पति श्री अनिल कुमार तिवारी के द्वारा पुरवा कॉलोनी जबलपुर स्थित भवन क्रमांक LIG-643 के हस्तांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। वर्तमान में उक्त भवन श्रीमति सुमनलता साहू पति श्री राम प्रसाद साहू के नाम पर आर्वटित है। श्रीमति अमृता तिवारी पति श्री अनिल कुमार तिवारी से प्राप्त आवेदन एवं निधारित दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन श्रीमति अमृता तिवारी पति श्री अनिल कुमार तिवारी के नाम हस्तांतरण कि कार्यवाही की जाना है। यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन हस्तांतरण वावत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि में किसी भी प्रकार की आपत्ति प्राप्त नही होने पर पुरवा कॉलोनी जबलपुर में स्थित भवन कमांक LIG-643 श्रीमति अमृता तिवारी पति श्री अनिल कुमार तिवारी के नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति / दावा मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज/ हस्तांतरण नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुरवा परसवारा कॉलोनी जबलपुर में भवन क्रमांक LIG- 1276 श्री अखिलेश पटेल पिता श्री राजकुगार पटेल के नाम आर्वटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 25.03.2018 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री अखिलेश पटेल पिता श्री राजकुमार पटेल ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 23.04.2018 के माध्यम से श्री शिवम जायसवाल पिता श्री विनोद जायसवाल एवं श्रीमति लक्ष्मी जायसवाल पति श्री विनोद जायसवाल को विक्रय किया है। अतः श्री शिवम जायसवाल पिता श्री विनोद जायसवाल एवं श्रीमति लक्ष्मी जायसवाल पति श्री विनोद जायसवाल द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज /आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति गान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज/ हस्तांतरण नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हाथीताल कॉलोनी जबलपुर में दुकान कमांक 02 श्री कृपाल ज्ञानानी पिता स्व. श्री हासानंद ज्ञानानी के नाम आर्वटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 03.11.2022 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त दुकान श्री कृपाल ज्ञानानी पिता स्व. श्री हासानंद ज्ञानानी ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 27.04.2026 के माध्यम से श्रीमती सुमन चौरसिया पति श्री राजू चौरसिया को विक्रय किया है। अतः श्रीमती सुमन चौरसिया पति श्री राजू चौरसिया द्वारा उक्त दुकान उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण दुकान बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात, हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामिनि/ नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित हाथीताल कालोनी जबलपुर स्थित भवन क्रमांक T-07 श्री एम.पी. साहू पिता स्व. श्री मूलचंद साहू को आंवटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 12.05.2000 को निष्पादित हो चुका है। आवंटी श्री एम.पी. साहू पिता स्व. श्री मूलचंद साहू का निधन दिनांक 08. 10.2023 को हो गया है। उनकी पत्नि श्रीमती अभिलाषा साहू पति स्व. श्री महेश साहू के द्वारा नामांतरण करने हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र, स्वयं का शपथपत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ उक्त भवन के नामांतरण हेतु आवेदन / दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

पनागर थाने का मामला, पुलिस ने शुरू की जांच

रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । पनागर थाने में आकाश बर्मन उम्र 31 वर्ष निवासी ग्राम फूटाताल पनागर ने सूचना देकर बताया कि शुक्रवार को उसे सूचना मिली कि बलैया तालाब पुलिया के पास रेलवे लाइन के पास एक अज्ञात पुरूष उम्र लगभग 25 वर्ष मृत अवस्था में पड़ा है। जो सफेद टीशर्ट, काले रंग की जींस, वायें हाथ की कोहनी एवं उंगली में चोट के निशान है गले में साई बाबा की लाकिट पहना है सम्भवत: ट्रेन से टकराने से मृत्यु हुई होगी। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है ।

बेलबाग थाना क्षेत्र का मामला, जांच में जुटी पुलिस

वैन में रखे सिगरेट के पैकेट उड़ा ले गए चोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । बेलबाग थाने में बद्री प्रसाद पाण्डे उम्र 51 वर्ष निवासी न्यू कंचनपुर ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह पान मासाला एवं सिगरेट की फेरी का व्यवसाय करता है। अपने मार्केट से लौट कर अपनी वैन से राजन ट्रेडर्स के सामने बेलबाग थाने के बाजू से खड़ी करके अपने व्यापारिक मित्र की टू व्हीलर लेकर मुकादमगंज एक व्यापारी की दुकान गया था जहां से लौटरक अपनी वैन देखा वैन के आगे वाली सीट में रखे 2 छोटे छोटे कार्टून गायब थे जिसमें आईटीसी एवं जीपीआई ब्रांडों की सिगरेट कीमती लगभग 60 हजार रूपये की नहीं थी। वीडियो फुटेज में 2 लड़के उसकी चोरी करते हुए नजर आ रहे है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

लोकायुक्त की जांच में हुआ खुलासा करोड़पति निकला रादुविवि का बड़ा बाबू

जांच में मिली 85.57 प्रतिशत अनुपातहीन संपत्ति, मामला दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (रादुविवि) के उच्च वर्ग लिपिक (बड़े बाबू) पूर्व कर्मचारी संघ अध्यक्ष बंश बहोर पटेल लोकायुक्त की जांच में करोड़पति निकला। लोकायुक्त पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरोपी लिपिक ने अपनी सेवाकाल के दौरान हुई कुल कमाई से कहीं अधिक खर्च किया है। आय और व्यय में भारी अंतर पाए जाने के बाद लोकायुक्त ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। लोकायुक्त एसपी अंजुलता पटले ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस महानिदेशक (लोकायुक्त) भोपाल योगेश देशमुख और पुलिस उप महानिरीक्षक मनोज सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के तहत यह कार्यवाही की गई है।

बैंक खातों, बेनामी निवेशों की जांच शुरू

लोकायुक्त पुलिस के अनुसार आरोपी बंश बहोर पटेल द्वारा सेवाकाल में अर्जित वैध आय की तुलना में किया गया अत्यधिक खर्च यह स्पष्ट करता है कि उसने अनुचित और अवैध साधनों के जरिए संपत्ति एकत्र की है। लोकायुक्त की जांच में आरोपी बंश बहोर पटेल की कुल वैध आय 91,88,611 पाई गई, जबकि कुल व्यय 1,68,51,337 पाया गया। इस प्रकार अनुपातहीन व्यय: वैध आय की तुलना में 85.57 प्रतिशत अधिक पाया गया। मामला दर्ज करने के बाद लोकायुक्त की टीम अब आरोपी की अन्य चल-अचल संपत्तियों, बैंक खातों और बेनामी निवेशों की विस्तृत विवेचना में जुट गई है।

खण्डवा स्टेशन पर होगा जबलपुर-पुणे एक्सप्रेस का ठहराव

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं बेहतर रेल कनेक्टिविटी को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 20162/20161 जबलपुर-पुणे-जबलपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस का खण्डवा रेलवे स्टेशन पर ठहराव प्रदान किया गया है। यह सुविधा 20 सितम्बर से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी।

गाड़ी संख्या 20162 जबलपुर-पुणे साप्ताहिक एक्सप्रेस प्रत्येक रविवार को दिनांक 20 सितम्बर से खण्डवा स्टेशन पर 20.03 बजे आगमन एवं 20.05 बजे प्रस्थान करेगी। गाड़ी संख्या 20161 पुणे-जबलपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस प्रत्येक सोमवार को दिनांक 21 सितम्बर से खण्डवा स्टेशन पर 23.03 बजे आगमन एवं 23.05 बजे प्रस्थान करेगी।

परीक्षा से एक घंटे पहले मप्र हाईकोर्ट पहुंची छात्रों की याचिका

फीस भुगतान को लेकर रादुविवि से 4 सप्ताह में जवाब तलब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

परीक्षा शुरू होने में महज एक घंटा शेष था और चार छात्रों के सामने परीक्षा से वंचित होने का संकट था। ऐसे में छात्रों की ओर से हाई कोर्ट में त्वरित सुनवाई के लिए आवेदन पेश किया गया। न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने मामले की तत्काल सुनवाई करते हुए छात्रों को परीक्षा में शामिल करने के निर्देश जारी किए। साथ ही रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह में जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता शिवांकी तिवारी, राहुल दुबे, रितेश कुमार पांडे और तौफीक की ओर से अधिवक्ता देवेंद्र कुमार कुशवाहा व अंजलि तिवारी ने याचिका दायर की है।

बताया जा रहा है कि सभी छात्र रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के यूटीडी विभाग में एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम में अध्ययनरत हैं। उन्हें मुख्यमंत्री जनकल्याण (शिक्षा प्रोत्साहन) योजना के तहत प्रवेश मिला था। योजना के अनुसार पात्र स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को मेस खर्च और काशन मनी का भुगतान करना था, जबकि प्रवेश, नामांकन और परीक्षा शुल्क का भुगतान राज्य सरकार द्वारा किया जाना था। याचिका में बताया गया कि राज्य सरकार की ओर से फीस का भुगतान नहीं किए जाने के आधार पर विश्वविद्यालय ने छात्रों को परीक्षा में शामिल होने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। शिवांकी तिवारी और राहुल दुबे दूसरे सेमेस्टर व रितेश कुमार पांडे और तौफीक अंतिम यानी चौथे सेमेस्टर में अध्ययनरत हैं।

छात्रों को परीक्षा में शामिल करने के निर्देश

इधर विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया कि दाखिला देने वाला संस्थान स्वशासी है। छात्रों के अभ्यावेदन पर उन्हें पहले कुछ विषयों की परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी गई थी, दूसरे सेमेस्टर के दो विषय और चौथे सेमेस्टर के एक विषय की परीक्षा के बाद परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई। इस पर छात्रों ने परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। परीक्षा दोपहर 12 बजे से निर्धारित थी। एकलपीठ ने पूर्वान्ह 11 बजे विश्वविद्यालय के अधिवक्ता को बुलाकर छात्रों को परीक्षा में शामिल करने के निर्देश दिए। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में प्रथमदृष्टया कहा कि परीक्षा शुल्क के भुगतान को लेकर विश्वविद्यालय और राज्य सरकार के बीच आपसी विवाद है। हाईकोर्ट ने छात्रों को परीक्षा में शामिल करने के निर्देश देते हुए विश्वविद्यालय को नोटिस जारी किया है। साथ ही स्पष्ट किया कि परीक्षा में शामिल होने का परिणाम याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।

13 चोरी के वाहनों के साथ पुलिस ने पकड़ी गैंग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर में दो पहिया वाहन चोरी और झपटमारी के मामलों में अलर्ट हुई पुलिस ने मदारटेकरी कब्रिस्तान के पास 4 आरोपियों को पकड़ा, जिनके कब्जे से मोबाइल और दोपहिया वाहन जब्त किए। इन आरोपियों की निशानदेही पर अन्य 3 लोगों को पकड़ा है, जिनमें एक नाबालिग बताया गया है। इस मामले में हनुमानताल पुलिस ने बताया कि वाहन चोरी के आरोप में गाजीनगर निवासी अयान उर्फ अल्लू खान, सोहेल उर्फ गुलाम गौस निवासी टेढीनीम, मुजम्मिल कुरैशी, मुदस्सिर कुरैशी, फैजान उर्फ फिज्जू खान, मोईन उर्फ सुरमेश अंसारी निवासी टेढीनीम और एक नाबालिग को पकड़ा है। इन आरोपियों के कब्जे से 13 दो पहिया वाहन और 5 मोबाइल जब्त किए हैं। पुलिस का कहना है कि नशा करने के लिए आरोपी चोरियां करते थे। ये आरोपी दो गैंग में काम करते थे। आरोपियों ने चोरी के साथ झपटमारी की है। पुलिस का यह भी कहना है कि चोरी की गई मोटरसाइकिलों में स्पोर्टस बाईक भी शामिल हैं। पुलिस दल इस मामले में छानबीन कर रही है ताकि अन्य आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ सके।

जिनसार के विद्यार्थियों ने एचआईवी के प्रति आमजन को किया जागरूक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

विश्व एचआईवी/एड्स एवं वृद्धावस्था जागरूकता दिवस के अवसर पर हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) के बी.एससी. नर्सिंग तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा जांकी रमण अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी, प्राचार्य प्रभारी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक अरविंद यादव एवं सुश्री आसिया अंजुम रहे। विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए एचआईवी से बचाव, जागरूकता, सहयोगात्मक देखभाल एवं स्वस्थ वृद्धावस्था से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एचआईवी की रोकथाम, समय पर जांच एवं उपचार, स्वस्थ वृद्धावस्था तथा एचआईवी के साथ जीवन जी रहे व्यक्तियों के प्रति व्याप्त भेदभाव एवं कलंक को कम करने के संबंध में लोगों को जागरूक करना था। कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित लोगों को एचआईवी की रोकथाम, समय पर जांच एवं उपचार, संक्रमित व्यक्तियों के प्रति सहयोगात्मक एवं सम्मानजनक व्यवहार तथा वृद्धावस्था में स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा इसके माध्यम से एचआईवी रोकथाम, सहायक देखभाल और स्वस्थ वृद्धावस्था के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का सार्थक प्रयास किया गया।

करंट से मौत होने के मामले में खेत मालिक को 2 साल की सजा

सिहोरा (स्वतंत्र मत) । खेत में कटी हुई बिजली की तार जमीन पर पड़ी रहने और उससे बचाव के लिए जरूरी सुरक्षा नहीं करने के मामले में सिहोरा की अदालत ने खेत मालिक को 2 साल जेल की सजा सुनाई है। जेएमएफसी सिहोरा दीपशिखा दांगी की अदालत ने राजकिशोर पटेल को दोषी मानते हुए दो साल के सश्रम कारावास और 1 हजार रुपए जुर्माने की सजा दी। यह घटना 2 अप्रैल 2020 की रात करीब 10 बजे की है। अभियोजन के अनुसार राकेश चौधरी राजकिशोर पटेल के खेत में उड़द की फसल में पानी लगाने गया था। पानी लगाने के दौरान पाइप लाइन बदलते समय उसे खेत में बिजली की कटी हुई तार जमीन पर पड़ी मिली। आरोप है कि तार को लेकर खेत मालिक ने सुरक्षा के जरूरी इंतजाम नहीं किए थे। इसी दौरान राकेश चौधरी बिजली के करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर गोसलपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने मामले में धारा 337 और 338 के तहत कार्यवाही की। सुनवाई के बाद अदालत ने राजकिशोर पटेल को धारा 338 के तहत दोषी मानते हुए सजा सुनाई।

एमडी ने किया विनोबा भावे सबस्टेशन का निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जबलपुर शहर के महत्वपूर्ण 132 केवी सबस्टेशन विनोबा भावे का निरीक्षण किया। उन्होंने सबस्टेशन के विस्तार एवं उन्नयन से संबंधित विभिन्न कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्हें गुणवत्ता और मानकों के हिसाब से पूरा करने के निर्देश दिए। प्रबंध संचालक ने विनोबा भावे सबस्टेशन के विस्तार के लिए बनाई जा रही नई कंट्रोल रूम बिल्डिंग तथा सबस्टेशन के उन्नयन के लिए तीसरे पावर ट्रांसफार्मर की स्थापना से संबंधित कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि तीसरा ट्रांसफार्मर स्थापित होने से शहर में लोड प्रबंधन और आसान रह सकेगा उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्य की प्रगति, तकनीकी पहलुओं तथा आगामी कार्ययोजना के संबंध में चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि शहर के इस महत्वपूर्ण सबस्टेशन में सबस्टेशन ऑटोमेशन सिस्टम तकनीक लागू करने की संभावनाओं पर भी विचार किया जाए, ताकि भविष्य में इसे रिमोट संचालित सबस्टेशन के रूप में विकसित किया जा सके।

प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने हाल ही में रीमॉडलिंग किए गए विनोबा भावे सबस्टेशन के विभिन्न कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने सबस्टेशन में किए गए उन्नयन कार्यों की जानकारी लेते हुए आवश्यक तकनीकी व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

नागरिकों से संवाद कर किया समस्याओं का निपटारा

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को जिले की जनपद पंचायत पाटन की ग्राम पंचायत कांकरखेडा, पौडी छपरी, रमखिरिया, नीची, सिमरिया, अमरपुर, डुंगरिया आदि क्षेत्रों में अनुविभाग स्तर पर गठित अभियान दलों ने भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान अभियान दलों ने शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की स्थिति जानी, विकास कार्यों का जायजा लिया तथा नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण भी किया। अनुविभागीय राजस्व अधिकारी पाटन मानवेन्द्र सिंह के नेतृत्व वाले दल ने ग्राम पंचायत कांकरखेडा में स्कूलए आंगनवाडी केन्द्र, पंचायत भवन का निरीक्षण किया। अनुविभागीय राजस्व अधिकारी श्री सिंह ने पंचायत भवन में ग्रामीणों से संवाद कर प्राप्त शिकायतों का मौके पर ही निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। इस दौरान हाई स्कूल का निरीक्षण कर शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार लाने पर जोर दिया तथा ग्रामीणों से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु संबधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये गये।

नगर निगम में फैली अव्यवस्थाओं के खिलाफ कांग्रेस पार्षद दल ने किया जमकर प्रदर्शन

सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर उठाया सवाल, दोषियों पर कार्यवाही की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नगर कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर शहर की खस्ताहाल सड़कों एवं नगर निगम की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर कांग्रेस पार्षद दल द्वारा सुभद्रा कुमारी चौहान एवं पंडित भवानी प्रसाद तिवारी वार्ड के वार्डवासियों के साथ यातायात थाने के सामने महाराष्ट्र हाई स्कूल रोड पर विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस पार्षद दल ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र हाई स्कूल एवं उसके सामने दूरसंचार कार्यालय वाली सड़क का डामलीकरण लगभग 8 माह पूर्व कराया गया था, लेकिन पहली ही बरसात में सड़क की स्थिति खराब हो गई और कई स्थानों से डामर उखड़कर गायब हो गया।

गुणवत्ता की जांच कराने की मांग

प्रदर्शनकारियों ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए निर्माण कार्य की जांच कराने तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा ने कहा कि नगर निगम द्वारा सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत पर जनता के टैक्स का पैसा खर्च किया जाता है, लेकिन निर्माण की गुणवत्ता पर उचित निगरानी नहीं होने के कारण नई सड़कें कुछ ही महीनों में जर्जर हो रही हैं। उन्होंने कहा कि जनता को बेहतर और टिकाऊ सड़कें उपलब्ध कराना नगर निगम की जिम्मेदारी है। कांग्रेस पार्षद दल ने मांग की कि महाराष्ट्र हाई स्कूल रोड के निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराई जाए, सड़क को निर्धारित मापदंडों के अनुसार दोबारा दुरुस्त कराया जाए तथा यदि निर्माण में अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। प्रदर्शन के दौरान उपनेता प्रतिपक्ष शगुफ्ता उस्मानी गुड्डू नबी, सचेतक अयोध्या तिवारी, पार्षद मुकीमा याकूब अंसारी, पार्षद वकील अंसारी, पार्षद प्रमोद पटेल, अरुण उसरेठे आदि उपस्थित रहे।

खेत में पड़ा मिला नर कंकाल, मचा हड़कंप

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । बरेला थाना क्षेत्र की गौर चौकी अंतर्गत उमरिया गांव में शुक्रवार सुबह खेत में एक नर कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया। डेयरी के पास कंकाल जैसी चीज पड़ी होने की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू की। बताया जा रहा है कि जांच में कंकाल का निचला हिस्सा मिला। हड्डियों में पैंट जैसा कपड़ा फंसा हुआ था, जबकि नरमुंड भी पास में पड़ा मिला। पुलिस ने एफएसल की टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए। आसपास के ग्रामीणों से भी कंकाल की पहचान कराने की कोशिश की गई, लेकिन फिलहाल पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के मुताबिक, कंकाल कितना पुराना है और मौत किस वजह से हुई, यह डॉक्टरों की रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगा। कंकाल के लिंग की जानकारी भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट से सामने आएगी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के सभी थानों से गुमशुदा लोगों की जानकारी जुटाई है। इसके अलावा अन्य माध्यमों से भी कंकाल की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि पहचान होने के बाद ही मौत से जुड़े पूरे घटनाक्रम का पता चल सकेगा और आगे की कार्यवाही की जाएगी।

सीएम ने किया मेरा थैला, मेरी शान अभियान का शुभारंभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शुक्रवार को अमर शहीद राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर गीता भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नगर निगम की पहल पर सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मेरा थैला, मेरी शान अभियान का शुभारंभ किया। अभियान के माध्यम से नागरिकों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े एवं अन्य पर्यावरण अनुकूल थैलों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसका उद्देश्य स्वच्छता के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण को कम करना और नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। अभियान का संदेश स्वच्छता ही सेवा, मेरा थैला, मेरी शान जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त शहर की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम में मंत्री राकेश सिंह, राज्यसभा सदस्य सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी आदि उपस्थित रहे।

South Avenue Mall | moviemagic | RUBY moviemagic

RUBY MOVIE MAGIC
NATIONAL AWARD WINNER MULTIPLEX

DAAYRA (HINDI) (A-18+)	RUBY 4:35 PM & 7:20 PM | 10:25 PM
VIBE (HINDI)(A-18+)	10:30 AM & 1:30 PM | RUBY 3:00 PM
RESIDENT EVIL (ENG) (A-18+)	RUBY 5:45 PM & 7:40 PM
MIRZAPUR (HINDI) (A-18+)	11:00 AM, 2:35 PM, 6:20 PM & 10:00 PM RUBY 11:25 AM, 1:00 PM & 9:30 PM
HANUMAN ANSH (HINDI)	9:30 AM, 12:30 PM, 3:30 PM, 4:35 PM, 6:30 PM, 7:30 PM & 9:30 PM RUBY 10:15 AM & 10:00 PM

@moviemagic_jbp | MOVIE MAGIC NOW WITH 5 BIG SCREENS | Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE

Bulk Booking / Advertising 9425807507 | Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**